THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 19 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.4 2083 सोमवार, 20 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पंजाब भाजपा के प्रभारी रहे बलबीर पुंज का निधन

चंडीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सीनियर भाजपा नेता, पूर्व राज्यसभा सांसद और पत्रकार बलबीर पुंज का देहांत हो गया है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली के अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह 76 वर्ष के थे। बलबीर पुंज नोएडा के सेक्टर-17 में रहते थे। उनकी एक बेटी विदेश में रहती है, जबकि दूसरी दिल्ली में रहती है। हालांकि वह मूल रूप से पंजाब के रहने वाले थे। अक्सर पंजाब आते रहते थे। उनकी रचनाएं कई मैगजीन व न्यूज पेपर में प्रकाशित होती थीं। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने शोक जताया है।

पीएम ने चखा झालमूड़ी का स्वाद

दुकानदार को 10 रुपए दिए, उसने पूछा- प्याज खाते हैं, मोदी बोले- प्याज खाता हूं, दिमाग नहीं

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे। झाड़ग्राम में उन्होंने रैली की। इस दौरान रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमूड़ी खाई। झालमूड़ी बनाते हुए दुकानदार ने पूछा कि आप प्याज खाते हैं। पीएम ने जवाब दिया- हां प्याज खाता हूं बस दिमाग नहीं। यह सुनकर दुकानदार हंसने लगा। पीएम ने दुकानदार से इस मुलाकात का करीब 40 सैकेंड का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। साथ ही कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं।

दुकानदार और मोदी के बीच बातचीत :

पीएम मोदी : भाई, हमें अपने यहां का झालमूड़ी खिलाओ।

दुकानदार : आइए सर बिल्कुल।

पीएम मोदी : कितने का होता है झालमूड़ी।

दुकानदार : आप कितने का खाएंगे।

मोदी : नहीं, नहीं, अच्छा वाला कितने का होता है?

दुकानदार : 10 रुपए का और 20 रुपए का।

मोदी : जो भी है बना दो।

दुकानदार: ठीक है।

मोदी: (जेब से पैसे निकालते हुए) कितना 10 रुपए देना है, ये लो

दुकानदार: अरे नहीं सर (फिर पीएम के कहने पर उसने ले लिए)

दुकानदार ने पीएम को कागज की थैली में झालमूड़ी दी। पीएम ने वहां मौजूद बच्चों के हाथ में झालमूड़ी दी। दुकानदार के झालमूड़ी बनाते समय पीएम ने कई बार मजाक किया। >14

ईरान बोला- अमेरिका पर भरोसा नहीं, हालात बिगड़ सकते हैं

होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे

तेहरान, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है।

शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है।

गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है।

पिछले 24 घंटे के बड़े अपडेट्स :

> भारतीय जहाजों पर फायरिंग- ईरान ने होर्मुज में 2 भारतीय जहाजों पर फायरिंग की। 14 जहाज रोके गए, 13 वापस लौटे। भारत ने राजदूत को तलब कर विरोध जताया।

> होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद- ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए स्ट्रेट दोबारा बंद किया।

> यूएस ने 2.6 करोड़ बैरल तेल जारी किया- सप्लाई संकट के बीच अमेरिका ने इमरजेंसी रिजर्व से 2.6 करोड़ बैरल तेल निकालकर कंपनियों को दिया।

> यूएस-ईरान बातचीत का अगला दौर संभव- सोमवार को पाकिस्तान में नई बातचीत हो सकती है। दोनों पक्षों ने अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

> ट्रम्प बोले- नाकेबंदी जारी रहेगी- ट्रम्प बोले- समझौता करीब है, लेकिन डील होने तक ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि उनका देश युद्ध नहीं चाहता और सिर्फ आत्मरक्षा में कदम उठा रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर हमले करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्टरी में धमाका

18 लोगों की मौत, सीएम स्टालिन ने जताया दुख

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के कट्टनारपट्टी इलाके में पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है और छह अन्य घायल हुए हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है जब कुछ दिन पहले ही इसी जिले में एक और फैक्टरी में धमाका हुआ था।

धमाका इतना जोरदार था कि फैक्टरी के कई हिस्से पूरी तरह तबाह हो गए। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचा और अब तक कई शव मलबे से निकाले जा चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अंदर फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

क्या हुआ था हादसे के वक्त :

फैक्टरी में विस्फोट उस समय हुआ जब कर्मचारी काम कर रहे थे। अचानक हुए धमाके से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग तेजी से फैल गई और कई लोग अंदर ही फंस गए। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया और बचाव अभियान चलाया।

राहत और बचाव कार्य कैसे चल रहा है :

फायर और रेस्क्यू विभाग के अनुसार, अब तक कई शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी लोगों को खोजने का काम जारी है। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है कि विस्फोट कैसे हुआ।

सीएम स्टालिन ने जताया दुख :

इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और उन्हें इससे गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और कहा कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। साथ ही प्रशासन को राहत और सहायता कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

एमके स्टालिन ने दिए ये निर्देश :

मंत्री रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु को तुरंत मौके पर पहुंचने का निर्देश।

राहत और बचाव कार्य तेज करने व निगरानी करने को कहा।

प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने के लिए कहा।

जिला कलेक्टर से संपर्क कर सभी जरूरी मदद सुनिश्चित करने को कहा।

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने भी जताया दुख :

राष्ट्रपति ने भी इस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने भी घटना पर शोक जताते हुए कहा कि यह हादसा बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दोनों नेताओं ने इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

सुप्रीम कोर्ट फर्जी मतदान पर सख्त

क्या बायोमेट्रिक सिस्टम से मतदान? अदालत ने केंद्र-चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मतदान से पहले मतदाताओं की बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन पहचान लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। यह याचिका भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले पर चुनाव आयोग और केंद्र से जवाब मांगा। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था लागू करने के लिए नियमों में बदलाव की जरूरत होगी और इससे सरकारी खजाने पर बड़ा वित्तीय बोझ भी पड़ सकता है।

सुनवाई के दौरान उपाध्याय ने खुद अदालत में पेश होकर कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने के लिए राज्यों का सहयोग भी जरूरी होगा। शुरूआत में अदालत ने उन्हें पहले चुनाव आयोग के पास जाने की सलाह दी और नोटिस जारी करने के पक्ष में नहीं थी।

याचिका में क्या कहा गया :

यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि रिश्वत, अनुचित प्रभाव, फर्जी पहचान , डुप्लीकेट वोटिंग और घोस्ट वोटिंग जैसी समस्याएं अब भी चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता और निष्पक्षता को प्रभावित कर रही हैं, जिससे नागरिकों को व्यापक नुकसान होता है। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में केंद्र, चुनाव आयोग और संबंधित राज्यों के जवाब मिलने के बाद आगे की सुनवाई करेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की तैयारी में विपक्ष

दोबारा नोटिस देंगे, मार्च में एक बार खारिज हो चुका, अब 200 सांसदों का समर्थन जुटाएंगे

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं।

करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते।

विपक्ष ने 200 हस्ताक्षर हासिल करने का लक्ष्य रखा :

नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान में 131वां संशोधन बिल वोटिंग के बाद गिर गया। बिल के खिलाफ 230 सांसदों ने वोट डाला था।

नियम के अनुसार 100 सांसदों के दस्तखत जरूरी :

लोकसभा में सीईसी को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

उज्जैन में मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास

उज्जैन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और मॉडल हर्षा रिछारिया ने रविवार को अक्षय तृतीया पर संन्यास ले लिया। उन्हें उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने संन्यास दीक्षा दी। संन्यास परंपरा के अनुसार, उन्हें शिखा और दंड त्याग की विधि कराई गई। साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म भी कराए गए, जो पूर्व जीवन के त्याग और नए आध्यात्मिक जीवन की शुरूआत का प्रतीक माने जाते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण किया और उन्हें नया नाम स्वामी हर्षानंद गिरि दिया गया। इस मौके पर स्वामी हर्षानंद गिरि ने कहा कि यह उनके जीवन का नया अध्याय है। उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया है और संकल्प लिया है कि वे अपना जीवन धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा में समर्पित करेंगी और संन्यास की मर्यादा का पालन करेंगी।

चारधाम यात्रा शुरू, गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुले

पहली पूजा पीएम के नाम की हुई, ऊखीमठ पहुंचने वाली है बाबा केदार की डोली

रुद्रप्रयाग, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आज से चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री और 12 बजकर 35 मिनट पर यमुनोत्री के कपाट खोल दिए गए।

गंगोत्री में पहली पूजा पीएम मोदी के नाम की हुई, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। इस पूजा के खत्म होने के बाद आम लोग अब मां गंगा के दर्शन कर पा रहे हैं। उधर, मां यमुनोत्री में कपाट खुलते ही काफी देर से दर्शन के लिए खड़े लोगों की भीड़ अब मंदिर की तरफ बढ़ती दिख रही है।

वहीं, बाबा केदार की डोली भी अपने शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर से फाटा की ओर रवाना हो गई है। बाबा की पंचमुखी डोली 21 अप्रैल को केदारनाथ पहुंचेगी जिसके बाद अगले दिन 22 अप्रैल कपाट खुलेंगे। रविवार दोपहर 3 बजे तक 18 लाख से ज्यादा लोगों ने चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

रक्षा मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक

पश्चिम एशिया के हालात अस्थिर, हर स्थिति के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत को पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि क्षेत्र की मौजूदा स्थिति अस्थिर है। राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रखने के लिए बनाए गए मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को किसी भी अचानक बढ़ रहे तनाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

बैठक में कौन-कौन मौजूद थे :

इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी, विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और बिजली मंत्री मनोहर लाल शामिल हुए।

पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति अस्थिर :

रक्षा मंत्रालय ने कहा, संघर्ष की स्थिति को 'अनिश्चित और अस्थिर' बताया और कहा कि भारत को न केवल तनाव कम होने बल्कि फिर से बढ़ने की स्थिति के लिए भी तैयार रहना चाहिए। सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार इस संघर्ष से पैदा होने वाले किसी भी खतरे या समस्या से निपटने के लिए तेजी और प्रभावी तरीके से काम कर रही है।

'भारत मैरिटाइम इंश्योरेंस पूल' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी :

रक्षा मंत्री ने 'भारत मैरिटाइम इंश्योरेंस पूल' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने का भी जिक्र किया, जिसके लिए 12,980 करोड़ रुपये की सरकारी गारंटी दी गई है, ताकि समुद्री बीमा लगातार उपलब्ध रहे।

सुधा भारद्वाज का नाम मेयर उम्मीदवार के लिए फाइनल, कांग्रेस ने जताया भरोसा

पंचकूला, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंचकूला नगर निगम चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों ने उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस ने अनुभवी सुधा भारद्वाज पर भरोसा जताया है। उनका नाम मेयर उम्मीदवार के लिए फाइनल कर दिया गया है। इससे पंचकूला में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस मेयर उम्मीदवार के लिए पेंच फंसा हुआ था।

पंचकूला विधायक चंद्रमोहन और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा सुधा के पक्ष में थे। जबकि रावल की दावेदारी भी मजबूत थी।

नासा का क्यूबसैट कैनवास

स्पेस में रेडियो तरंगों का अध्ययन शुरू, क्या है यह मिशन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण सैटेलाइट को हाल ही में लॉन्च किया है, जो पृथ्वी से निकलने वाली प्राकृतिक और मानव-निर्मित रेडियो तरंगों का अध्ययन कर रहा है। यह मिशन वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण को बेहतर समझने और अंतरिक्ष मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाने में मदद करेगा। कैनवास (क्लाइमेटोलॉजी ऑफ एंथ्रोपोगेनिक एंड नेचुरल वीएएफ वेव एक्टिविटी इन स्पेस) नामक यह क्यूबसैट 7 अप्रैल 2026 को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से मिनोटौर आईवी रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया था।

यह अमेरिकी रक्षा विभाग के स्पेस टेस्ट प्रोग्राम एस29ए (एसटीपी-एस29ए) मिशन का हिस्सा रहा। वहीं, नासा की क्यूबसैट लॉन्च इनिशिएटिव (सीएलआई) के तहत इसकी लॉन्च व्यवस्था की गई थी। कैनवास एक 4यू क्यूबसैट है, जिसे कोलोराडो

यूनिवर्सिटी, बोल्डर ने विकसित किया है। इसका मुख्य काम पृथ्वी की निचली कक्षा से बहुत कम आवृत्ति वाली (वीएलएफ) रेडियो तरंगों को मापना है।

ये तरंगें बिजली गिरने और जमीन पर स्थित ट्रांसमीटर्स से उत्पन्न होती हैं। यह मापता है कि ये तरंगें पृथ्वी के आयनमंडल (वायुमंडल का ऊपरी विद्युत आवेशित हिस्सा) से गुजरकर मैग्नेटोस्फीयर तक कितनी मात्रा में पहुंचती हैं। वीएलएफ तरंगें अंतरिक्ष में फंसे हाई एनर्जी वाले इलेक्ट्रॉन्स के रास्ते को थोड़ा बदल सकती हैं। इससे कभी-कभी ये इलेक्ट्रॉन विकिरण पट्टियों से निकलकर वायुमंडल में प्रवेश कर जाते हैं।

कैनवास इन तरंगों के प्रभाव को समझकर स्पेस वेदर के मॉडलों को मजबूत बनाएगा। इससे स्पेसक्राफ्ट, सैटेलाइट्स और पृथ्वी पर बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में सुधार होगा। मिशन के दौरान कैनवास दो मुख्य उपकरणों का उपयोग करेगा एक त्रि-अक्षीय सर्च कॉइल मैग्नेटोमीटर और एक द्वि-अक्षीय एसी विद्युत क्षेत्र सेंसर। इनकी मदद से यह वीएलएफ तरंगों की शक्ति और दिशा का पता लगाएगा। बिजली गिरने की घटनाओं की तुलना विश्वव्यापी बिजली नेटवर्क के डेटा से करके यह जलवायु संबंधी अध्ययन करेगा कि ये तरंगें आयनमंडल से कैसे गुजरती हैं। बता दें, नासा ने साल 2021 में सीएलआई के तहत कैनवास को चुना था।

यह कम लागत वाला मिशन छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अंतरिक्ष हार्डवेयर डिजाइन करने, विकसित करने और बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। नासा का लॉन्च सर्विसेज प्रोग्राम इस पहल को संचालित करने में अहम योगदान दे रहा है। कैनवास ईलाना 55 लॉन्च ग्रुपिंग का भी हिस्सा है। अगले एक वर्ष तक कैनवास निरंतर डाटा एकत्र करेगा। यह डाटा पृथ्वी से अंतरिक्ष में ऊर्जा के प्रवाह को समझने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

हाईकोर्ट का 'समर दरबार' 30 अप्रैल को बंद होगा जम्मू विंग; 4 मई से श्रीनगर में शुरू होगा कामकाज

जम्मू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाईकोर्ट ने समर सीजन-2026 के लिए वार्षिक दरबार मूव की घोषणा कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल की ओर से जारी आदेश के अनुसार हाईकोर्ट का मुख्य विंग जम्मू में 30 अप्रैल को कार्यालय समय के बाद बंद हो जाएगा और चार मई को श्रीनगर में खुलेगा। यह आदेश चीफ जस्टिस के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, रजिस्ट्रार विजिलेंस, निदेशक जेएंडके न्यायिक अकादमी, रजिस्ट्रार रूल्स, रजिस्ट्रार कंप्यूटर (आईटी) और सेंट्रल प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर ई-कोर्ट्स के कार्यालयों पर भी लागू होगा।

आदेश के तहत मूव करने वाले कर्मचारियों के लिए प्रति कर्मचारी 25 हजार रुपये की विशेष मूव टीए स्वीकृत किया गया है। हाईकोर्ट ने श्रीनगर विंग के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को निर्देश दिए हैं कि चार मई से पहले सभी चैंबर, अदालतें और रजिस्ट्री कार्यालय पूरी तरह से कार्यशील बनाए जाएं तथा सभी टेलीफोन सेवाएं समय पर बहाल की जाएं।

नाटक देखने के दौरान मेहराब गिरने से 2 बच्चों की मौत, 5 लोग गंभीर रूप से घायल

बेंगलूरू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के रायचूर जिले में खुले मंच पर नाटक के मंचन के दौरान मेहराब का एक हिस्सा गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई। कई लोग गंभीर रूप घायल हो गए। इसके बाद नाटक के मंचन के दौरान हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना मानवी तालुक के बैल मरचड गांव में हुई। पुलिस ने कहा कि जब सात लोग मेहराब के नीचे बैठकर नाटक देख रहे थे तभी अचानक ढांचा गिर गया, जिससे दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, इन बच्चों की पहचान विश्वनाथ रामलिंग (8 वर्षीय) और संविता (2 वर्षीय) के रूप में हुई है। दोनों के शवों को मानवी सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। पुलिस ने कहा कि इस घटना में विशाक्षी (25), लक्ष्मी (18), विशालाक्षी (25), यल्लम्मा (3) और बसम्मा (45) घायल हो गईं। सभी घायलों को रायचूर आयुर्वेद संस्थान में भर्ती कराया गया है। मानवी पुलिस थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

चुनाव से पहले बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता डीसीपी के घर छापा, सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ा है मामला

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) शांतनु सिन्हा बिस्वास के आवास पर छापेमारी की है। ईडी की टीम रविवार सुबह करीब 7 बजे बालीगंज स्थित फर्न रोड पर उनके घर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, डीसीपी बिस्वास पहले कालीघाट पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी रह चुके हैं, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह कार्रवाई दक्षिण कोलकाता के बालीगंज क्षेत्र में चल रहे सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ी बताई जा रही है। यह मामला कथित अवैध गतिविधियों और मनी ट्रेल की जांच से संबंधित है।

ईडी की टीम ने कुल तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें से दो ठिकाने शंतनु सिन्हा बिस्वास से जुड़े हैं, जबकि एक ठिकाना जॉय कामदार का है। इसी दौरान ईडी ने दक्षिण कोलकाता के बेहाला इलाके में एक कारोबारी जॉय कामदार के आवास पर भी छापा मारा। सूत्रों के अनुसार, कारोबारी के घर से पहले भी नकदी बरामद हो चुकी है और जांच एजेंसी ने उन्हें पूछताछ के लिए दो बार समन भेजा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राज्य की राजधानी में अवैध निर्माण या सिंडिकेट मामले में शुक्रवार को कई ठिकानों पर तलाशी ली गई थी।

कुछ दिन पहले ही ईडी ने पूर्व राज्य मंत्री पार्थ चटर्जी के शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में भी उनके आवास पर छापेमारी की थी। इसके अलावा, आयकर विभाग ने हाल ही में बहिरा से विधायक और तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार देबाशीष कुमार के आवास पर भी छापा मारा था। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों के साथ निर्णायक जीत हासिल की थी। भाजपा 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। आगामी चुनावों में दोनों पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है।

यह चुनाव राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेगा। पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे और 4 मई को नतीजे आएंगे। बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

टीएमसी जहां चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

धंधुका में युवक की हत्या के बाद भारी तनाव

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद जिले के धंधुका में एक युवक की हत्या के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। इस घटना ने सांप्रदायिक रंग ले लिया है, जिसके चलते दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए हैं। कई जगहों पर आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे पूरे इलाके में भारी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। दोपहर धंधुका में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के विरोध में स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जैसे ही यह खबर फैली, लोग सड़कों पर उतर आए और न्याय की मांग करने लगे।

धंधुका में मोटरसाइकिल दुर्घटना को लेकर हुई कहासुनी के बाद एक व्यक्ति की हत्या कर दिए जाने के बाद हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने आगजनी कर कई वाहनों में आग लगा दी। गुस्साई भीड़ ने शहर के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। रिपोर्ट के अनुसार, दो पक्षों के बीच पथराव हुआ और कुछ संपत्तियों को आग के हवाले कर दिया गया।

'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार विधेयक' को मिली मंजूरी

चंडीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के मामलों को रोकने के लिए भगवंत मान सरकार द्वारा लाया गया 'जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026' एक कानून का रूप लेने के लिए तैयार है। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने इस ऐतिहासिक विधेयक को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए संशोधन विधेयक की सबसे बड़ी विशेषता इसमें सजा का कड़ा प्रावधान है। कानून लागू होने के बाद, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का अनादर या बेअदबी करने का दोषी पाया जाता है, तो उसे उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा दी जा सकेगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इसे राज्य की धार्मिक भावनाओं और मर्यादा की रक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि उनकी सरकार पवित्र धर्मग्रंथों के सत्कार को बहाल करने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेस्को ड्रग्स पार्टी के बाद पुलिस सख्त, अब इन कॉन्सर्ट में तैनात होंगी स्पेशल टीम

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के गोरेगांव नेस्को सेंटर में हुई ड्रग्स पार्टी की घटना के बाद मुंबई पुलिस ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अगर किसी लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट में 2,000 से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है, तो मुंबई पुलिस की तीन स्पेशल टीमें उस जगह पर तैनात की जाएंगी। गोरेगांव नेस्को सेंटर में हुई उस ड्रग्स पार्टी के दौरान ड्रग्स की ओवरडोज की वजह से दो स्टूडेंट्स की दुखद मौत हो गई थी। इसके चलते, मुंबई पुलिस को शहर भर में होने वाले सभी आने वाले लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट्स को लेकर हाई अलर्ट पर रखा गया है। मुंबई पुलिस ने खास तौर पर लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट्स के लिए खास तैयारियां की हैं और एक नया रेगुलेटरी फ्रेमवर्क जारी किया है।

अब से किसी भी ऐसे म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए जिसमें 2,000 से ज्यादा लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मुंबई पुलिस उस जगह पर तीन अलग-अलग टीमों का एक दस्ता तैनात करेगी। ऐसे म्यूजिक कॉन्सर्ट्स में तैनात की जाने वाली इन तीन टीमों में मुंबई पुलिस की एंटी-ड्रग स्क्वॉड, एंटी-ईव-टीज़िंग स्क्वॉड और एंटी-थेफ़्ट स्क्वॉड शामिल होंगी। इनमें से हर टीम में पांच लोग होंगे, खास तौर पर एक अफसर और चार कांस्टेबल।

सार्वजनिक माफी मांगें कमल हासन

तमिलनाडु चोल विरासत विवाद के बाद भाजपा की मांग

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। हार्बर में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता-राजनेता कमल हासन द्वारा तमिलनाडु के मंत्री सेकर बाबू के मंदिर पुनर्निर्माण कार्यों की तुलना चोल सम्राट राजराजा चोल प्रथम से करने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने इसकी जमकर निंदा की है। रविवार को तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कमल हासन की टिप्पणी को बेहद खेदजनक और इतिहास के महानतम तमिल शासकों में से एक की विरासत का अपमान बताया। हासन ने कहा था कि शेखर बाबू ने राजराजा चोल से भी अधिक 'कुंभाभिषेकम' (मंदिर अभिषेक) किए थे, इस बयान पर एएनएस प्रसाद ने कहा कि कमल हासन अपनी टिप्पणियों को वापस लें और सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें।

भाजपा नेता एएनएस प्रसाद ने कहा कि तमिल सभ्यता, प्रशासन और मंदिर वास्तुकला में राज राजा चोल का योगदान अतुलनीय रहा है और इसकी तुलना राजनीतिक उद्देश्यों से करना उचित नहीं है। चोल सम्राट की उपलब्धियों को गिनाते हुए एएनएस प्रसाद ने कहा कि राजराजा चोल प्रथम ने तंजावुर में प्रसिद्ध बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण कराया, जो द्रविड़ वास्तुकला के श्रेष्ठ उदाहरणों में से एक है और चोल

साम्राज्य का विस्तार श्रीलंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों तक किया। उन्होंने यह भी कहा कि शासक ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं और मंदिर अनुदानों की ऐसी परंपरा शुरू की, जिससे धार्मिक गतिविधियां व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकीं। भाजपा नेता ने आगे डीएमके सरकार और मंत्री सेकर बाबू की आलोचना करते हुए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग में कुप्रबंधन के आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि राज्य के कई मंदिर बुनियादी पूजा-अर्चना तक कराने के लिए परेशानी झेल रहे हैं। भाजपा नेता ने कमल हासन के डीएमके के साथ राजनीतिक संबंधों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ नजदीकी के कारण प्रभावित हो सकती है।

55 लाख की रिश्वत मांगते दो जीएसटी अधिकारी गिरफ्तार

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के नडियाद में एंटी-करप्शन ब्यूरो ने केंद्रीय जीएसटी विभाग के दो उच्च अधिकारीयों को रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों अधिकारियों पर एक जब्त किए गए ट्रांसपोर्ट वाहन को छोड़ने के बदले 55 लाख रुपये की रिश्वत की मांग करने का आरोप है। आरोपियों की पहचान क्लास-2 सुपरिंटेंडेंट अमरनाथ गोवर्धनराम सरोज और क्लास-2 जीएसटी इंस्पेक्टर सुबोध सुभाष चौहान के रूप में हुई है। दोनों नडियाद स्थित सेंट्रल जीएसटी भवन में तैनात हैं।

पीड़ित एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी है, जिसका माल लदा ट्रक जीएसटी अधिकारियों द्वारा रोका और जब्त कर लिया गया था। वाहन को नडियाद जीएसटी कार्यालय में लाया गया। जब व्यवसायी वाहन छुड़ाने के लिए अधिकारियों से संपर्क किया तो इंस्पेक्टर सुबोध चौहान और सुपरिंटेंडेंट अमरनाथ सरोज ने माल की जीएसटी दस्तावेजों में कमियां बताईं। इन कमियों को सुलझाने और बिना कानूनी कार्रवाई के ट्रक छोड़ने के लिए उन्होंने कुल 55 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। उन्होंने तुरंत 10 लाख रुपये की पहली किस्त जमा करने पर जोर दिया। रिश्वत देने को तैयार न होने पर ट्रांसपोर्टर ने एंटी-करप्शन ब्यूरो की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत दर्ज कराई।

जवाब देने से क्यों रोका जा रहा?

आज फिर कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आबकारी मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को हटाने और जज बदलने के मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार चौथी बार सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए से दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष पेश होंगे। इस दौरान वो कोर्ट से अनुरोध करेंगे कि उनके जवाब को रिकॉर्ड पर लिया जाए। दरअसल आम आदमी पार्टी का आरोप है कि पिछले हफ़्ते अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बच्चों से जुड़ा एक हलफनामा दायर करने की कोशिश की थी। लेकिन उसे रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। जबकि केजरीवाल खुद कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने कोर्ट से विनम्र निवेदन भी किया।

वहीं अब सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के हलफनामे पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है। केजरीवाल उस जवाब पर अपना प्रति-जवाब दाखिल करना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का कहना है कि अफसोस की बात है कि अरविंद केजरीवाल के जवाबी हलफनामे को रिकॉर्ड पर स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल के आवेदन, हलफनामे और जवाब रिकॉर्ड पर लिए ही नहीं जाएंगे, तो न्याय कैसे मिल पाएगा?। उन्होंने बताया कि इसलिए सोमवार सुबह 10:30 बजे, अरविंद केजरीवाल एक बार फिर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए कोर्ट में पेश होंगे और कोर्ट से आग्रह करेंगे कि उनके प्रति-जवाब को रिकॉर्ड पर ले लिया जाए। बता दें कि 27 फरवरी को राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जितेन्द्र सिंह ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को बरी कर दिया था।

साथ ही एजेंसी के जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए थे। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा सुनवाई कर रहीं हैं। एजेंसी की मांग पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने ट्रायल कोर्ट की टिप्पणी और ईडी मामले के ट्रायल पर रोक लगा दी थी।

'एक्सप्रेसवे मौत का गलियारा ना बने' सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, नई गाइडलाइन बनाने के दिए आदेश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश के लिए नई गाइडलाइन जारी की हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि एक्सप्रेसवे मौत के गलियारे नहीं बनने चाहिए और छोटी-छोटी लापरवाहियों की वजह से जान नहीं जानी चाहिए। मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस जेके महेश्वरी और एएस चांदुरकर की बेंच ने बताया कि देश की कुल सड़कों में राष्ट्रीय राजमार्ग सिर्फ 2% हैं, लेकिन यहां करीब 30% सड़क हादसों में मौतें होती हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

कोर्ट ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सभी राज्यों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21) सिर्फ जीने का हक नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल में जीने की गारंटी भी है। अगर लापरवाही से किसी की जान जाती है, तो यह सरकार की जिम्मेदारी में कमी मानी जाएगी। यह फैसला 2025 में राजस्थान और तेलंगाना में हुए बड़े सड़क हादसों के बाद लिया गया, जिनमें कई लोगों की जान चली गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी एजेंसियों को 60 दिनों के भीतर इन निर्देशों को लागू करने को कहा है और 75 दिनों के अंदर रिपोर्ट भी मांगी है। कोर्ट ने साफ किया कि सड़क सुरक्षा में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चुनावी घमासान के बीच आई-पैक ने बंगाल में बंद किया काम अचानक 20 दिनों की छुट्टी पर भेजे गए कर्मचारी

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस की परेशानी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की चुनावी रणनीति तैयार करने वाली संस्था 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) ने राज्य में अपना कामकाज तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। सूत्रों के अनुसार संस्था ने कुछ कानूनी 'बाध्यताओं' का हवाला देते हुए अपने सभी कर्मचारियों को ईमेल भेजकर 20 दिनों की सवैतनिक छुट्टी पर जाने का निर्देश दिया है। आई-पैक के इस फैसले ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

संस्थान की ओर से जारी ईमेल में स्पष्ट किया गया है कि कानूनी प्रक्रियाओं के कारण फिलहाल बंगाल में परिचालन रोकना जरूरी है। ईमेल में कहा गया कि हम कानून का सम्मान करते हैं और पूरी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि समय पर न्याय मिलेगा। कर्मचारियों से धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है और उन्हें 11 मई के बाद अगले दिशा-निर्देशों के लिए संपर्क करने को कहा गया है।

20 खूंखार शिकारी कुत्ते

कैमरे और हथियारों से लैस गार्ड्स... आम के लिए जेड प्लस सिक्योरिटी क्यों?

जबलपुर , 19 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सुना है कि किसी फल की हिफाजत के लिए जेड प्लस लेवल की सुरक्षा तैनात की गई हो। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसी सुरक्षा व्यवस्था की गई हो? जी हां, ऐसा हुआ है मध्य प्रदेश के जबलपुर में। यहां पकने वाले 'मियाजाकी' आमों की सुरक्षा के लिए न केवल हथियारों से लैस गार्ड्स, बल्कि 20 खूंखार शिकारी कुत्तों और दर्जनों सीसीटीवी कैमरों का पहरा लगाया गया है। वजह भी वाजिब है। इन आमों की अंतरराष्ट्रीय कीमत इतनी है कि एक किलो आम के दाम में आप एक शानदार एसयूवी (एसयूवी) या लग्जरी बाइक खरीद सकते हैं। जबलपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर चरगवां रोड पर स्थित हिनौता गांव इन दिनों वैश्विक सुर्खियों में है। यहां संकल्प परिहार और उनकी पत्नी रानी सिंह परिहार का 'श्री महाकालेश्वर हाइब्रिड फार्महाउस' स्थित है। 4 एकड़ में फैले इस बागान में दुनिया की सबसे दुर्लभ और महंगी आम की किस्में उगाई जा रही हैं।

सुरक्षा का आलम यह है कि यहां 17 विदेशी (जर्मन शेफर्ड) और 3 देसी खूंखार कुत्ते तैनात हैं। इसके अलावा, पूरे परिसर में 15 से अधिक हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे निगरानी करते हैं। सुरक्षा गार्ड्स की टीम दिन-रात यहां पेट्रोलिंग करती है ताकि परिहार दंपत्ति की अनमोल विरासत पर कोई आंच न आए। इस बागान की सबसे चर्चित किस्म जापान की 'मियाजाकी' है। इसे 'एग ऑफ सन' (सूर्य का अंडा) भी कहा जाता है।

पकने के बाद यह गहरा लाल और बैंगनी रंग का हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 2।70 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है। करीब 350 ग्राम वजन वाले इस आम में शुगर की मात्रा अधिक होती है और यह एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने में मददगार माना जाता है। इस भारी-

लगरपुरिया गैंग के 2 बदमाशों का हाफ एनकाउंटर, एक के पैर में लगी गोली, द्वारका में किया था कांड

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका में पुलिस और लगरपुरिया गैंग के बदमाशों के बीच मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। द्वारका पुलिस की टीम ने द्वारका के श्याम विहार इलाके में आरोपियों का हॉफ एनकाउंटर किया। इस एनकाउंटर के बाद दो बदमाश पकड़े गए हैं। इनमें से एक बदमाश को गोली लगी है। दोनों बदमाश हाल में ही द्वारका इलाके में गोली मारने की वारदात में शामिल थे। द्वारका पुलिस की टीम को लगरपुरिया गैंग के दो बदमाशों के श्याम बिहार इलाके में आने की सूचना मिली थी, जिसके बाद दोनों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया था।

जैसे ही दोनों बदमाश नजदीक आए, पुलिस ने दोनों को सरेंडर करने के लिए कहा। हालांकि, सरेंडर करने की बजाय एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई और एक बदमाश के पैर में गोली लगी। टीम को सूचना मिली थी कि लगरपुरिया गैंग के शूटर टारगेट किलिंग (हत्या की साजिश) की प्लानिंग कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों का हाफ एनकाउंटर कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 20 अप्रैल, 2026

सुविचार

जीवन हमेशा अपने सबसे अच्छे रूप में आने से पहले किसी संकट का इंतजार करता है!

32 बैंक अधिकारी गिरफ्तार

देशभर में फैला नेटवर्क ध्वस्त

साइबर क्राइम पर बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में फैले साइबर फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0 के तहत कुल 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 32 बैंक अधिकारी, 15 म्यूल अकाउंट धारक और 5 बिचौलिए शामिल हैं। यह कार्रवाई डीसीपी (साइबर क्राइम) वी. अरविंद बाबू और एसीपी आर.जी. शिवा मारुति के नेतृत्व में नौ राज्यों में एक साथ चलाए गए अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0 का उद्देश्य संगठित साइबर अपराध नेटवर्क को खत्म करना था, जिसमें बैंक अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई। ये आरोपी फर्जी (म्यूल) बैंक खाते खोलकर निवेश घोटाले, ट्रेडिंग फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों को अंजाम दे रहे थे। जांच में खुलासा हुआ कि करीब 350 बैंक खातों के जरिए देशभर में लगभग 850 मामलों में करीब 150 करोड़ रुपये की ठगी की गई।इससे पहले फरवरी 2026 में ऑपरेशन ऑक्टोपस-1 के तहत 16 राज्यों में छापेमारी कर 117 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने बताया कि इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए 16 विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिन्होंने 7 दिनों तक लगातार अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने 26 मोबाइल फोन, 14 चेक बुक, 2 पेन ड्राइव, 1 लैपटॉप और 21 शेल कंपनियों की मुहरें भी बरामद कीं। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है और ऑपरेशन ऑक्टोपस जैसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि देशभर में सक्रिय साइबर ठगी गिरोहों का पूरी तरह सफाया किया जा सके।

आज मेडिगड्डा बैराज का निरीक्षण करेंगे मुख्यमंत्री

'रैतू भरोसा' निधि होगी जारी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले का दौरा करेंगे। वे सबसे पहले श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे, इसके बाद कालेश्वरम में विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे और फिर मेडिगड्डा बैराज का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सिंचाई अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे और मीडिया से बातचीत करेंगे। इसके पश्चात कतराम मंडल के नस्तूरपल्ली में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री रैतू भरोसा योजना की दूसरी किस्त जारी करने की घोषणा करेंगे।

तेलंगाना में बढ़ी सियासी सरगर्मी

रेवंत और केसीआर के एक साथ दौरे से हलचल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक बार फिर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के नेताओं के एक ही दिन होने वाले दौरे ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। एक ओर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को मेडिगड्डा बैराज का दौरा और निरीक्षण करने जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) उसी दिन जगित्याल में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

दोनों प्रमुख नेताओं के एक ही दिन संयुक्त करीमनगर जिले में कार्यक्रम होने से यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या सियासी माइंड गेम शुरू हो चुका है। इसी बीच पूर्व कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी के बीआरएस में शामिल होने की संभावना के बीच पार्टी जगित्याल में एक बड़ी जनसभा आयोजित कर रही है। गौरतलब है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद केसीआर काफी समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे हैं।

उनकी आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति पिछले वर्ष 27 अप्रैल को वारंगल में पार्टी के रजत जयंती समारोह में हुई थी। इसके बाद से वे एर्रावली स्थित अपने फार्महाउस से ही पार्टी गतिविधियां संचालित कर रहे थे। करीब एक साल बाद केसीआर की इस वापसी ने राजनीतिक हलकों में खासा उत्साह और उत्सुकता पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि वे इस मंच से पार्टी कार्यकर्ताओं को नई दिशा देने के साथ-साथ अपने राजनीतिक विरोधियों पर तीखा हमला बोल सकते हैं। यह भी चर्चा है कि वे अपने संबोधन में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या फिर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू को निशाना बना सकते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का उसी दिन मेडिगड्डा दौरा भी रणनीतिक माना जा रहा है। वे मौके पर जाकर कलेश्वरम परियोजना के तहत बने बैराज की खामियों को उजागर करते हुए बीआरएस और केसीआर पर सीधा पलटवार कर सकते हैं।

राज्य सरकार ने हाल ही में कलेश्वरम परियोजना के तहत बने मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदरिल्ला बैराजों की मरम्मत का निर्णय लिया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ मेडिगड्डा बैराज का निरीक्षण करेंगे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कलेश्वरम मुद्दे पर मुख्यमंत्री का रुख कितना आक्रामक रहता है और केसीआर अपने भाषण में किस तरह का राजनीतिक संदेश देते हैं।

सीएसके-एसआरएच मुकाबले के दौरान फर्जी पत्र और वीडियो ने बटोरी सुर्खियां

आईपीएल मैच में 'जादू-टोना' की चर्चा

सोशल मीडिया पर वायरल बना मजाक

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए आईपीएल मुकाबले के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच मैच के बाद 'जादू-टोना' से जुड़े दावों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। हालांकि ये दावे पूरी तरह फर्जी और मनोरंजन का हिस्सा निकले, जिससे प्रशंसकों के बीच हंसी-मजाक का माहौल बन गया।

यह चर्चा एक वीडियो से शुरू हुई, जिसमें एसआरएच का एक प्रशंसक नींबू घुमाते हुए मैदान की ओर इशारा करता दिखाई दिया, ठीक उसी समय जब सीएसके के बल्लेबाज शिवम दुबे, एसआरएच के गेंदबाज साकिब हुसैन की गेंद का सामना करने जा रहे थे। कुछ ही देर बाद दुबे के आउट होने पर इस घटना को महज संयोग माना गया, लेकिन वीडियो तेजी से वायरल हो गया और इस पर मीम्स बनने लगे। इस बीच कुछ लोगों ने एक कथित 'फर्जी पत्र' भी प्रसारित किया, जिसे चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन के नाम से बीसीसीआई को लिखा हुआ बताया गया। पत्र में आरोप लगाया गया कि मैच के दौरान कुछ दर्शक काला जादू, वूडू और तांत्रिक गतिविधियों के जरिए खिलाड़ियों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे।

फर्जी पत्र में यह भी दावा किया गया कि इन घटनाओं के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अचानक गिरावट आई और उनके निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हुई। वहीं, जवाब में एसआरएच समर्थकों की ओर से भी इसी तरह का एक और 'फर्जी पत्र' वायरल किया गया, जिसमें सीएसके प्रशंसकों पर आरोप लगाए गए। इन सभी दावों को लेकर सोशल मीडिया पर हास्यपूर्ण प्रतिक्रियाएं सामने आईं और लोगों ने इसे मनोरंजन के रूप में लिया। उल्लेखनीय है कि इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रनों से पराजित किया।

कॉलेज उत्पीड़न से आहत छात्र ने की आत्महत्या

हॉल टिकट के नाम पर पैसों की मांग और धमकी का आरोप

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके हयातनगर में शुक्रवार रात एक तृतीय वर्ष के इंजीनियरिंग छात्र ने कथित कॉलेज उत्पीड़न से आहत होकर अपने घर में आत्महत्या कर ली। घटना से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस के अनुसार, जगतियाल के मूल निवासी और हयातनगर में रहने वाले 21 वर्षीय एम. प्रणीत श्री इंदु कॉलेज में तीसरे वर्ष के छात्र थे। शुक्रवार को वह हॉल टिकट लेने कॉलेज पहुंचे थे, जहां कॉलेज में कार्यरत कृष्ण मूर्ति ने उनसे 5000 रुपये की मांग की। आरोप है कि नियमित उपस्थिति न होने के कारण यह राशि मांगी गई। जब प्रणीत ने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो संबंधित कर्मचारी ने कथित रूप से उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए गाली-गलौज और धमकी दी। इंस्पेक्टर पी. नागराजू गौड के अनुसार, इस घटना के बाद प्रणीत मानसिक रूप से आहत हो गए और घर लौट गए, जहां उन्होंने छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता ने अपने बेटे की मौत के लिए कॉलेज प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

पंजागुट्टा में सीवरेज कार्य से यातायात प्रभावित होने की आशंका

रात के समय सड़क कटाई, यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पंजागुट्टा क्षेत्र के पास चल रहे सीवरेज पाइपलाइन कार्य के चलते शहर के प्रमुख केंद्रीय इलाकों में संभावित यातायात जाम की चेतावनी जारी की है। यह कार्य 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक प्रतिदिन रात 11 बजे से सुबह 4 बजे के बीच किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, 40 मिमी आरसीसी पाइपलाइन बिछाने के तहत डॉ. अग्रवाल नेत्र अस्पताल के पास सड़क की कटाई की जाएगी, जिससे यातायात प्रभावित हो सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि निर्धारित समय के दौरान अमीरपेट और पंजागुट्टा के बीच दोनों दिशाओं में आवागमन से बचें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों पर भी यातायात दबाव बढ़ने और जाम की स्थिति बनने की संभावना जताई गई है।

ओपनकास्ट खदान में कार्य रोका, ग्रामीणों का विरोध

पेद्दापल्ली, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रामागिरी मंडल के राजापुर गांव के निवासियों ने रविवार को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के रामागुंडम-III क्षेत्र स्थित ओपनकास्ट-2 कोयला खदान में ओवरबर्डन (ओबी) कार्य को रोकते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि सी-5 कॉन्ट्रैक्ट कंपनी द्वारा किए जा रहे विस्फोट और उत्खनन के कारण गांव और आसपास के क्षेत्रों में भारी मात्रा में धूल फैल रही है, जिससे लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के आवश्यक मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते बच्चों और बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं।

साइबर जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को किया गया सतर्क

डिजिटल सुरक्षा, साइबर ठगी और एआई खतरों पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सुरक्षा परिषद सोसायटी (एससीएससी) द्वारा साइबराबाद पुलिस के सहयोग से दो दिवसीय साइबर जागरूकता कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता से स्वयं को सुरक्षित करें (डीआईएलएसवाई) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान डीसीपी साई मनोहर ने वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से नवीनतम वित्तीय साइबर अपराधों की जानकारी दी और बताया कि इस प्रकार की धोखाधड़ी कितनी तेजी से विकसित हो रही है। वहीं एससीएससी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नावेद खान ने दैनिक जीवन में इंटरनेट की सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला।

एससीएससी के एसोसिएट डायरेक्टर भानु मूर्ति ने सोशल मीडिया अपराध, साइबर बुलिंग और सेक्सटॉर्शन जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किया। रघु कन्नन ने डिजिटल पेरेंटिंग के महत्व को रेखांकित करते हुए परिवारों को व्यावहारिक सुझाव दिए। साइबर सुरक्षा फोरम की प्रमुख कृष्णावेनी ने एआई सुरक्षा, डीप फेक और उभरते साइबर खतरों पर जानकारी साझा की। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने लोगों से साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने सलाह दी कि अज्ञात लिंक पर क्लिक करने या अविश्वसनीय स्रोतों से एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचें, क्योंकि यह साइबर अपराधियों के सामान्य हथकंडे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी संगठित नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं और आसानी से लोगों को अपने जाल में फंसा सकते हैं। उन्होंने सुनहरे समय के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि त्वरित कार्रवाई से ठगी गई राशि की वसूली संभव हो सकती है। साथ ही उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम दस लोगों को जागरूक करने की अपील की, ताकि समाज में व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बेटी की पिटाई का वीडियो वायरल, आरोपी फरार

मंचेरियल, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंदामारी मंडल के जंगल क्षेत्र में रविवार को एक व्यक्ति द्वारा अपनी छह वर्षीय बेटी की पिटाई करने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मवेशी चरा रहे एक चरवाहे ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। चरवाहे ने बताया कि सतीश नाम का व्यक्ति अपनी बेटी को झाड़ियों के बीच ले जाकर मारपीट कर रहा था और उसे अपने आदेश मानने के लिए मजबूर कर रहा था। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर वह घटनास्थल पर पहुंचा और यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गया। चरवाहे के मुताबिक, जैसे ही आरोपी को यह पता चला कि उसकी हरकत को रिकॉर्ड किया जा रहा है, वह तुरंत अपनी दोपहिया वाहन से मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपी को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

तेलंगाना आंदोलन की प्रमुख कार्यकर्ता सत्तेम्मा का निधन

केटीआर ने दी श्रद्धांजलि, अंतिम संस्कार में नेताओं की मौजूदगी

राजन्ना सिरसिल्ला, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने 75 वर्षीय जिंदम सत्तेम्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका रविवार तड़के करीमनगर के एक अस्पताल में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया।

'तेलंगानाम सत्तेम्मा' के नाम से जानी जाने वाली सत्तेम्मा ने अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। केटीआर ने वेमुलावाड़ा मंडल के अग्रहारम के पास आर एंड आर कॉलोनी स्थित उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर केटीआर ने कहा कि सत्तेम्मा ने पृथक राज्य आंदोलन के अंतिम चरण में सक्रिय भूमिका निभाई थी और उनकी निष्ठा तथा समर्पण वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। थंगल्लापल्ली मंडल के चीरलवांचा की मूल निवासी सत्तेम्मा वर्ष 2009 में केटीआर की समर्थक बनी थीं और तब से बीआरएस की विभिन्न बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेती रही थीं। उन्हें दो बेडरूम आवास योजना के तहत आवास भी आवंटित किया गया था, जिसके बाद वे आर एंड आर कॉलोनी में रह रही थीं। जानकारी के अनुसार, पुत्र के निधन के बाद वे मानसिक रूप से परेशान थीं, जिसके चलते उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ती चली गई।

वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी चालमेडा लक्ष्मीनरसिम्हा राव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष तुला उमा, बीआरएस नेता एनुगु मनोहर रेड्डी सहित कई नेताओं ने उनके अंतिम संस्कार में भाग लिया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

रिकाबगंज बाजार में आग से अफरा-तफरी

तहखाने में लगी आग पर दमकल ने पाया काबू

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम चारमीनार के पास रिकाबगंज व्यावसायिक बाजार में आग लगने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, रिकाबगंज स्थित एक बहुमंजिला इमारत के तहखाने में अचानक आग लग गई, जिससे धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों ने स्थिति को देखते हुए तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही उच्च न्यायालय और मुगलपुरा दमकल स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों के अनुसार, तहखाने में रखे बेकार गत्ते के डिब्बों में आग लगी थी। हालांकि आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बालापुर के कबाड़खाने में भीषण आग, करोड़ों की संपत्ति नष्ट

तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू, शॉर्ट सर्किट की आशंका

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर क्षेत्र में रविवार दोपहर एक कबाड़खाने में भीषण आग लगने से करोड़ों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। चंद्रायनगुट्टा फायर स्टेशन के फायर ऑफिसर के. भिक्षापति के अनुसार, दोपहर करीब 12:30 बजे बालापुर के रॉयल कॉलोनी स्थित कबाड़ गोदाम में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां दस मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गईं। मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने भीषण आग को देखते हुए तुरंत बचाव और नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को बुलाया गया और कुल चार गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

रियल एस्टेट क्षेत्र पर दबाव, राजस्व में गिरावट

वैश्विक अनिश्चितता और नीतिगत कारणों से खरीदारों की रुचि घटी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में रियल एस्टेट क्षेत्र पर दबाव बना हुआ है और पंजीकरण एवं स्टाम्प विभाग के राजस्व संग्रह के आंकड़े लगातार गिरावट की ओर संकेत कर रहे हैं। विभाग का राजस्व संग्रह वर्ष 2023-24 में 14,588.06 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में घटकर 14,214.42 करोड़ रुपये रह गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 जनवरी 2026 तक राजस्व 12,443.64 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। हालांकि फरवरी माह में कुछ सुधार देखने को मिला और कुल संग्रह बढ़कर 13,775.51 करोड़ रुपये हो गया, फिर भी यह पूरे वर्ष के लिए निर्धारित लगभग 15,200 करोड़ रुपये के लक्ष्य से काफी पीछे है। मौजूदा रुझानों को देखते हुए लक्ष्य हासिल करना कठिन प्रतीत हो रहा है।

आर्थिक मंदी के बावजूद विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए 16,021 करोड़ रुपये का उच्च लक्ष्य निर्धारित किया है। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह क्षेत्र उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। डेवलपर्स और बिल्डर्स इसके पीछे कई कारण बता रहे हैं। उद्योग जगत के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव, आईटी क्षेत्र में अनिश्चितता और व्यापक आर्थिक मंदी जैसे वैश्विक कारकों का असर खरीदारों के रुझान पर पड़ा है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के चलते अनिवासी भारतीय और कॉर्पोरेट वर्ग 'प्रतीक्षा और देखो' की नीति अपना रहे हैं, जिससे बाजार में मांग प्रभावित हुई है।

डेवलपर्स का यह भी कहना है कि राज्य सरकार के कुछ नीतिगत निर्णयों ने खरीदारों के विश्वास को प्रभावित किया है। हालांकि सरकार ने फार्मा सिटी जैसी परियोजनाओं और हाईड्रा द्वारा की जा रही कार्रवाई का बचाव किया है, लेकिन उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि इन कदमों से बाजार में असमंजस की स्थिति बनी है। विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ी सी अनिश्चितता भी बिक्री की गति को धीमा कर सकती है और विश्वास बहाल करना चुनौतीपूर्ण होता है।

एक डेवलपर के अनुसार, इस कारण बिना बिके संपत्तियों की संख्या बढ़ रही है, हालांकि चालू वित्त वर्ष में स्थिति में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PUSPA DEVI , is legally wedded Spouse of Service No-14662533Y, Rank-HAV, Name-Vinod Yadav residing at Vill- Madarpur, PO- Sammanpur, Teh-Saidpur, District-Ghazipur, PIN-233306, State-Uttar Pradesh.I have changed my name from PUSPA DEVI to PUSHPA YADAV dated 13 Apr 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

I, Prakashini R, W/o, No. 14618554P, Ex Hav, Late, Muruka Das R, R/o, Dist: Palakkad, Kerala, changed my name from Prakashini R to Prakashini, vide Affidavit No. BU 311102 dt. 10.03.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad. My DOB is 19.05.1973.

I, JC 775147K, Sub, Sankar Das, R/o, Dist : North 24 Parganas, West Bengal, changed my Daughter's name from Punam Das to Poonam Das vide Affidavit No. 466413 dt. 17.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Khateeba Khatoon, Mother of No. 14682012M, NK, MD Fardin Akhtar, R/o, Dist : Patna, Bihar, changed my name from Khateeba Khatoon to Khatiba Khatun , vide Affidavit No. 466411 dt. 17.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गर्मी का कहर

ताजमहल देखने आई महिला पर्यटक बेहोश

आगरा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गर्मी का असर पर्यटकों पर नजर आने लगा है। रविवार सुबह 10 बजे असोम से ताजमहल देखने आए पर्यटक शंभू दास की 55 वर्षीय पत्नी मिट्ठू रानी अचानक अमरूद टीला बैरियर के पास बेहोश हो गईं। बैरियर पर तैनात सब-इंस्पेक्टर दशरथ सिंह ने पर्यटन सुविधा केंद्र से एंबुलेंस मंगवाकर उन्हें प्राथमिक उपचार दिलाया। इसके बाद पर्यटक को जिला अस्पताल भिजवाया गया। लगातार बढ़ती गर्मी और तेज धूप बच्चों को प्रभावित कर रही है। उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है।

स्थिति उस समय बिगड़ गई, जब विजय नगर स्थित प्राथमिक विद्यालय विजयनगर कन्या में भीषण गर्मी से परेशान होकर कक्षा दो की छात्रा भूमि को पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत हुई और फिर वह बेहोशी हो गई। शिक्षकों ने ने स्वास्थ्य केंद्र ले जाया उसका प्राथमिक उपचार कराया।

काशी में पीएम मोदी

सोवा रिग्पा मेडिकल कॉलेज का भी करेंगे लोकार्पण
काशीवासियों को देंगे 6000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं

वाराणसी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अप्रैल को अपनी काशी को 6000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं देंगे। एक दो दिन में लोकार्पण व शिलान्यास की सूची फाइनल हो जाएगी। दूसरी तरफ बरेका परिसर में पीएम की जनसभा को लेकर भी तैयारी चल रही है।

लोकार्पण की सूची हालांकि अभी फाइनल नहीं हुई लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री सारनाथ स्थित केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान परिसर में केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से 71.57 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सोवा रिग्पा मेडिकल कालेज व अस्पताल का लोकार्पण भी करेंगे। सोवा रिग्पा अस्पताल के गेट के दोनों तरफ लाल पत्थर से लोकार्पण शिलापट्ट लगाया जा रहा है।

अस्पताल के बाहर पार्क में घास व फूल के साथ साफ सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। सोवा रिग्पा मेडिकल कालेज एवं अस्पताल का निर्माण कार्य पिछले वर्ष जुलाई व अगस्त माह में पूरा हो चुका है। कार्य भी हो रहा है। सिर्फ औपचारिक लोकार्पण शेष है। पिछले कई बार से प्रयास के बाद भी लोकार्पण नही हो पाया है।

तिब्बती संस्थान का प्रधानमंत्री के आग्रह था कि वह परिसर में आकर मेडिकल कालेज एंव अस्पताल का लोकार्पण कर जनता को समर्पित करें। जबकि पिछली बार 17 जुलाई 2025 की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ओर संस्कृति मंत्रालय के सचिव ने अस्पताल की व्यवस्था परखने भी गए थे।

कुलपति प्रो वांगचुक दोरजे नेगी ने बताया कि अस्पताल के लोकार्पण को लेकर अपनी तरफ से तैयारी की जा रही है। इस मामले में मंत्रालय से बातचीत की जा रही है। प्राचीन तिब्बती चिकित्सा पद्दति सोवा रिग्पा अस्पताल में जड़ी बूटी से असाध्य रोगों के उपचार की सुविधा है। 45 बेड का सोवा रिग्पा अस्पताल एंव मेडिकल कालेज 2700 वर्गमीटर क्षेत्रफल में तिब्बती शैली में बना हुआ है। इसमे भूतल में पार्किंग,लांड्री,के साथ जड़ी बूटियों को रखने के लिए स्टोर।

अन्य तलों पर इमरजेंसी, कांफ्रेंस हाल,ओपीडी, ऑडिटोरियम हाल, रिशेप्शन, क्लास रूम, वार्ड, व चिकित्सक कक्ष, पुस्तकालय के साथ सेमिनार हाल ,पैथालॉजी है।

'महाकाल के भक्त से टकराना भारी'

तेज प्रताप यादव का पोस्ट किसे दी चेतावनी?

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज के लिए चर्चा में रहने वाले तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका नया पोस्ट है, जिसमें उन्होंने 'महाकाल भक्त' की छवि के साथ खुद को 'श्रद्धा और साहस का प्रतीक' बताया है। उनका यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब बिहार में सियासी हलचल तेज है और अंदरूनी संदेशों को लेकर अटकलें भी बढ़ी हुई हैं। राजनीतिक गलियारों में इसे सिर्फ आस्था नहीं, बल्कि पावर सिग्नल और विरोधियों को संदेश के रूप में देखा जा रहा है। पोस्ट में तेज प्रताप ने लिखा कि उनका नाम पूरे इलाके में श्रद्धा और साहस के साथ लिया जाता है। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि 'जो महाकाल के भक्त को दुश्मन बनाएगा, वह टिक नहीं पाएगा।'

इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।तेज प्रताप यादव पहले भी कभी भगवान कृष्ण, कभी शिवभक्त और कभी आध्यात्मिक रूप में नजर आते रहे हैं। उनकी यह बहुरंगी छवि उन्हें बाकी नेताओं से अलग बनाती है, लेकिन इस बार उनका अंदाज ज्यादा सीधा और आक्रामक संदेश देता दिख रहा है। हाल ही में उनके जन्मदिन पर लालू प्रसाद यादव का पहुंचना भी सियासी संकेत माना गया था।

ऐसे में तेज प्रताप का यह पोस्ट पार्टी और परिवार के भीतर उनकी भूमिका और सक्रियता को लेकर नए संकेत दे रहा है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन "दुश्मनी" और "चेतावनी" जैसे शब्दों ने राजनीतिक तापमान जरूर बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर पप्पू यादव का बड़ा बयान

'आप पर कांग्रेस का भूत हावी'

पूर्णिया, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि महिला का अधिकार छीनकर विपक्ष ताली बजा रहा था। पीएम मोदी के संबोधन के बाद विपक्ष के नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया आने लगी है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। सांसद पप्पू यादव ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है, पीएम साहब 12 साल के अखंड शासन के बाद भी कांग्रेस के सामने आप असमर्थ हैं।

ईडी, सीबीआई, आईटी ,चुनाव आयोग, अडानी-अंबानी, धनबल, आरएसएस का जहर इन सबका नंगा नाच के बाद भी कांग्रेस का भूत आप पर हावी है तो आपको तत्क्षण भूतपूर्व बन जाना चाहिए। विदूषक न बनें, कुर्सी छोड़ दीजिए। देश को उपहास का पात्र न बनाएं। दूसरी ओर लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने अपने एक्स हैंडल से प्रतिक्रिया देते हुए तंज कसा है। लिखा है, कॉमेडी हो गया! अब नयनजल भी गिरा दो जनाब!

क्या नौटंकी है भाई? पीएम मोदी के भाषण से पहले बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल के गिरने पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष भी महिला आरक्षण बिल का पूरा समर्थन करता है।

बीजेपी यह गलत धारणा फैला रही है कि केवल वे ही महिलाओं के पक्ष में हैं और विपक्ष नहीं है। यह सरासर गलत है। तेजस्वी यादव ने कोयंबटूर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, महिला आरक्षण विधेयक पहले ही वर्ष 2023 में सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। केंद्र सरकार ने उस समय स्पष्ट किया था कि इसे 2034 में लागू किया जाएगा। परिसीमन एक अलग मुद्दा है। बता दें कि बीते शुक्रवार (17 अप्रैल, 2026) को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित नहीं हो सका था।

इसी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपना संबोधन दिया। उन्होंने लोकसभा में बिल पारित न होने के लिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके समेत सभी विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराया। अब विपक्ष भी पलटवार करने में जुटा है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग, दो किशोर झुलसे

मुजफ्फरनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना क्षेत्र में सुबह-सुबह अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, गांव मोहम्मदपुर माफी में चल रही एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि वहां काम कर रहे दो किशोर उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घायल दोनों किशोरों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

जहां से उनकी हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ। वह गांव निवासी हुफेज के घर का परिसर है, जिसे लोनी के कुछ लोगों ने किराए पर लेकर पटाखे बनाने का काम शुरू किया हुआ था। मौके पर किसी भी प्रकार का वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र नहीं मिला, जिससे साफ है कि फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। मुजफ्फरनगर सीओ फुगाना यतेंद्र नागर ने बताया कि हादसे के बाद फैक्ट्री से जुड़े लोग मौके से फरार हो गए।

11 साल की जुड़वां बेटियों का रेता गला

'खून' से लाल हुआ अपार्टमेंट, हत्यारा पिता गिरफ्तार

कानपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में नौबस्ता थाना क्षेत्र के के-ब्लॉक किदवईनगर इलाके में त्रिमूर्ति अपार्टमेंट फेज-टू में रविवार तड़के पिता ने 11 साल की जुड़वा बेटियों की गला काटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसी ने पुलिस को सूचना भी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मूल रूप से बिहार के गया का रहने वाला शशि रंजन मिश्रा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव कंपनी है। वह त्रिमूर्ति अपार्टमेंट के भूतल पर बने फ्लैट में पत्नी रेशमा 11 साल की दो बेटियां रिद्धि-सिद्धि और छह साल के बेटे रुद्रव गन्नू के संग रहता था।

रिद्धि-सिद्धि घर के सामने बने मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि पुलिस को रिद्धि और सिद्धि के शव उनके ही कमरे में बेड पर पड़े मिले।

परिवार पिछले करीब आठ साल से अपार्टमेंट में लखनऊ निवासी बैंककर्मी विवेक गुप्ता के फ्लैट में किराये पर रह रहा था। डीसीपी के मुताबिक, बच्चियों के पिता शशि रंजन मिश्रा ने सुबह करीब साढ़े चार बजे फोन कर घटना की सूचना दी। वह कुछ समय पहले नौ माह के लिए मायके गई थी। इस दौरान बेटियां पिता के पास ही रही थी। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदार की हार्ट अटैक से मौत

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजाजीपुरम में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान दुकानदार के हार्टअटैक पड़ने से मौत की घटना से नाराज लोग सड़क पर उतर आए। ई ब्लाक तिराहा पर व्यापारियों ने सड़क जामकर महापौर, राजाजीपुरम व्यापार मण्डल व पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दिया। मौके पर एसीपी बाजारखाला वीरेंद्र विक्रम, तालकटोरा, बाजारखाला, सआदतगंज की पुलिस पहुंचकर व्यापारियों को समझाने में जुट गई। व्यापारी नगर निगम जोन दो के सुपरवाइजर सवेंश कुमार के निलंबन की मांग पर अड़े रहे। हालांकि अतिक्रमण राजाजीपुरम व्यापार मंडल के पत्र पर ही हटाया जा रहा था। राजाजीपुरम ई ब्लाक मार्केट व टड़ियन हनुमान मंदिर रोड और ई ब्लाक सब्जी मण्डी तक सड़क के दोनों ओर पटरियों पर अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान नगर निगम और तालकटोरा पुलिस से व्यापारियों की नोक झोंक भी हुई। नगर निगम की टीम ने खुशहाल बलेचा, विशाल बलेचा, पंकज गुप्ता, शिवम गुप्ता, सोनू शुक्ला, दिव्या फोटोस्टेट, सुमन सहित टडियन हुनमान मंदिर व ई ब्लाक सब्जी मंडी रोड पर सड़क के दोनों ओर पटरियों पर पक्के व अस्थाई अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया।

80 करोड़ का मेगा साइबर स्कैम: 3 महीने में 600 ठगी

कानपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर के नौबस्ता थाना पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त कार्रवाई में एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। जांच में गिरोह से जुड़े बैंक खातों में 3 माह के भीतर 80 करोड़ रुपए से अधिक के लेन-देन का खुलासा हुआ है।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने पत्रकारों को बताया कि यह कार्रवाई थाना नौबस्ता में दर्ज मुकदम में धारा 66डी आईटी एक्ट एवं 318(4)/111(3) बीएनएस की विवेचना के दौरान की गई। वादी को मोबाइल फोन पर फेसबुक के माध्यम से एक लिंक भेजा गया था,

जिसमें शेयर ट्रेडिंग के लिये एक इक्विटी ग्रुप से जुड़ने को कहा गया। लिंक से जुड़ने के बाद उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल किया गया, जहां अधिक मुनाफे का लालच देकर उससे विभिन्न तिथियों में कुल सात लाख रुपये निवेश कराए गए। बाद में एप बंद कर दिया गया और धनराशि साइबर ठगी के जरिए हड़प ली गई। पीड़ति ने एनसीआरपी पोटर्ल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मुकदमा दर्ज किया गया।

पूर्व मंत्री के बेटे ने मां-बेटी से की छेड़छाड़, पुलिस ने सिखाया सबक

मुजफ्फरनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मां-बेटी से छेड़छाड़ के सनसनीखेज मामले ने सियासी और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। नई मंडी क्षेत्र के रेलवे रोड पर स्कूटी सवार दो युवकों ने मां-बेटी से छेड़छाड़ और अभद्रता की थी। इसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों को कुछ ही घंटों में सीसीटीवी की मदद से पकड़ लिया।

हैरानी की बात ये है कि मुख्य आरोपी की पहचान बीजेपी नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर बालियान के बेटे आर्यमान रघुवंशी के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि नशे में धुत दोनों युवक स्कूटी पर सवार होकर सड़क पर महिलाओं और लड़कियों से अभद्रता कर रहे थे। इसी दौरान पीड़ित युवती से भी इन्होंने छेड़छाड़ की, जिसका उसने वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मनचले आर्यमान रघुवंशी और उसके साथी शौर्य गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही इनकी स्कूटी को सीज कर लिया गया है।

पुलिस का कहना है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी कोई भी हो उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर स्कूटी सीज कर दी है।

33 दिन बाद कब्र से निकाला गया महिला का शव

समस्तीपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रखंड क्षेत्र के फुलहरा पंचायत से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला के शव को करीब एक माह तीन दिन बाद कब्र से निकालकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान हरिपुर गांव निवासी मोहम्मद मीमतुला की पत्नी रवीरा खातून के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रवीरा खातून का मायका लिल्हौल गांव में है। मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री की हत्या कर उसे गुपचुप तरीके से दफना दिया गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी थी।

इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कब्र से शव बरामद किया। मायके वालों ने सास, ससुर और पति पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सके। सिंघिया पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नीतीश कुमार के बेटे की जेड सुरक्षा पर आरजेडी ने तेजस्वी यादव से की तुलना, कांग्रेस बोली- 'मंदबुद्धि पुत्र'

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को गृह विभाग की ओर से जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इस पर अब सियासत शुरू हो गई है। आरजेडी ने तेजस्वी यादव से तुलना की है तो वहीं कांग्रेस ने मंदबुद्धि पुत्र कहा है। अब इस पूरे मामले पर विवाद बढ़ सकता है।

आरजेडी के प्रवक्त शक्ति सिंह यादव ने कहा, एक करोड़ 90 लाख जनता का अपार समर्थन प्राप्त करने वाले नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव को लाख पत्राचार के बावजूद जेड श्रेणी सुरक्षा नहीं दी गई।

दूसरी तरफ, सुशासन का ढोंग रचने वाली सरकार नीतीश कुमार के बेटे निशांत को जेड और श्रवण कुमार को जेड श्रेणी सुरक्षा खैरात में बांटकर सिर्फ अपने लोगों का स्टेटस बढ़ा रही है। शक्ति यादव ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर होकर सुरक्षा मानकों के साथ की जा रही यह सीनाजोरी एक स्पष्ट षड्यंत्र है।

सरकार यह भूल रही है कि प्रतिपक्ष लोकतंत्र का मुख्य दर्पण होता है। जनादेश की चोरी कर बैठी जो सरकार इस दर्पण से मुंह मोड़ती है और विपक्ष की सुरक्षा से खिलवाड़ करती है, उस सरकार की आयु कभी लंबी नहीं होती। दूसरी ओर बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ। स्नेहाशीष वर्धन ने सवाल उठाया है कि क्या निशांत कुमार इस राज्य के बेहद कीमती धरोहर हैं या किसी बड़े राजनीतिक प्रशासनिक पद पर रहे हैं जिनके लिए जेड कैटेगरी की सुरक्षा हमारे टैक्स के पैसे से दी जा रही है?

उन्होंने कहा, क्या मंदबुद्धि पुत्र की रक्षा और देखभाल के लिए अब बिहार की पुलिस को लगाया जाएगा? यह राज्य के लिए दुर्भाग्य है या फिर बीजेपी की साजिश है कि इस नेता पुत्र की गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए ताकि यह किनसे-किनसे मिले उसकी जानकारी गृह विभाग के नीति नियंता बीजेपी के पास रहे।

शादी समारोह में महिलाओं का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

गोरखपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। शादी समारोह के दौरान महिलाओं का आपत्तिजनक वीडियो और फोटो बनाकर उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपितों ने गाली-गलौज और मारपीट की धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने तहरीर में लिखा है कि मई 2025 में उनकी बेटी की शादी थी। शादी समारोह में गांव के ही अनिल निषाद और आकाश गुप्ता शामिल हुए थे।

आरोप है कि इसी दौरान दोनों ने घर की महिलाओं और लड़कियों के आपत्तिनक फोटो व वीडियो बना लिए। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने जंगल कौड़िया पुलिस चौकी पर शिकायत दी थी, जहां स्थानीय लोगों की मध्यस्थता से सुलह-समझौता हो गया था। इसके बाद कुछ दिन तक दोनों आरोपित शांत रहे। लेकिन हाल ही में इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित कर दिया। अनिल निषाद के अकाउंट से उनकी बेटी की आपत्तिजनक फोटो प्रसारित की गई थी। पीड़िता का आरोप है कि जब इस बारे में विरोध किया गया,

पिता की कस्टडी अवैध नहीं

मां की 'हेबियस कॉर्पस' याचिका पर इलाहाबाद एचसी का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नाबालिग बच्चे की कस्टडी के मामले में एक मां की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पिता हिंदू नाबालिग का प्राकृतिक संरक्षक (नेचुरल गार्जियन) होता है और जब तक किसी कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर बच्चे को उसकी मां से जबरन अलग नहीं किया जाता, तब तक पिता की कस्टडी को अवैध नहीं माना जा सकता। बच्चे की मां ने कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी।

बच्चे की मां यानी याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि एक्स हसबैंड जबरन दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गया। पति ने जबरन बंदूक की नोक पर ले जाकर बच्चों को अवैध रूप से उससे दूर रखा हुआ है। जस्टिस अनिल कुमार ने तेजस्विनी गौड एवं अन्य बनाम शेखर जगदीश प्रसाद तिवारी मामले में हाई कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की कस्टडी के मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका तभी स्वीकार की जाती है जब कस्टडी अवैध या बिना वैधानिक अधिकार के हो। अंजलि देवी ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने अपने बच्चों की कस्टडी पाने के लिए कई जगहों पर अप्लाई किया है। लेकिन उनकी तरफ से दिए गए आवेदनों के बावजूद अधिकारियों की तरफ से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने 10 अप्रैल को पारित अपने आदेश में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 361 की व्याख्या की। कोर्ट ने कहा कि किसी नाबालिग को उसके वैध अभिभावक से दूर नहीं रखा जा सकता है। ऐसा करना अपराध है।

कोर्ट ने बताया कि ये अपराध तभी बनता है जब बच्चे को उसके प्राकृतिक संरक्षक से अलग किया जाए। कोर्ट ने अभिभावक एवं आश्रित अधिनियम की धारा 4(2) के मुताबिक, पिता को नाबालिग बच्चे का प्राकृतिक संरक्षक माना है। कोर्ट ने कहा कि केवल ये आरोप कि पिता ने बच्चों को जबरदस्ती मां से अलग किया, अपने आप में यह सिद्ध नहीं करता कि बच्चे अवैध कस्टडी में हैं।

69 साल की उम्र में चढ़ा रोमांस का शौक, जवान 'गर्लफ्रेंड' भी मिल गई, फायदा उठाकर उन्हें हनीट्रैप में फंसाया

बिजनौर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर से एक ऐसी खबर सामने आई है, जो डिजिटल दुनिया के खतरों के प्रति आगाह करती है। यहां शातिर अपराधियों ने एक 69 वर्षीय बुजुर्ग के अकेलेपन का फायदा उठाकर उन्हें हनीट्रैप में फंसाया और फिर सुनियोजित तरीके से लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अब भी फरार हैं। घटना कोतवाली शहर क्षेत्र की है। पीड़ित बुजुर्ग विरेन्द्र भटनागर की पहचान एक डेटिंग ऐप के जरिए बेबी नाम की प्रोफाइल से हुई थी। विरेन्द्र भटनागर को अंदाजा भी नहीं था कि जिस प्रोफाइल से वह बात कर रहे हैं, उसे समीर नाम का युवक चला रहा है। साजिश को पुख्ता करने के लिए आरोपियों ने गिरोह की लड़कियों से बुजुर्ग की चटपटी बातें भी करवाईं, ताकि उनका भरोसा जीता जा सके। जब बुजुर्ग पूरी तरह जाल में फंस गए, तो उन्हें मिलने के बहाने एक तय स्थान पर बुलाया गया। 17 अप्रैल 2026 को योजना के मुताबिक विरेन्द्र भटनागर मिलने पहुंचे। वहां आरोपी मोनिश उन्हें अपनी बाइक पर बैठाकर एक सुनसान फार्म हाउस की ओर ले गया। जैसे ही बुजुर्ग वहां पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे समीर, आकिल, अनस, फरहान और फरदीन ने उन्हें घेर लिया।आरोपियों ने बुजुर्ग के साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर आतंकित कर दिया।

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की और विपक्ष को घेरा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सपा तुष्टिकरण की राजनीति करती है। मुस्लिम बहनों के लिए आरक्षण की मांग करते हैं, जबकि हमारा संविधान किसी को भी धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के दिन विपक्ष का रवैया संसद में द्रौपदी के चीर हरण जैसा था : केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के दिन विपक्ष ने महिलाओं की अपेक्षाओं में पानी फेरा है। उस दिन को उन्होंने काला दिन बना दिया। इसके विरोध में महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। आने वाले समय में वोट की ताकत से भी महिलाएं विपक्ष को सबक सिखाएंगी। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था देश में चार ही जाति है। नारी, युवा, गरीब और किसान।

भारत को कमजोर करने की नीयत से जिन्होंने जातिवाद के नाम पर देश को लूटा है उनके लिए ये एक चुनौती थी। इसीलिए, उन्होंने ऐसे प्रोग्रेसिव कदम का कांग्रेस और उनके पार्टनर ने विरोध किया है। आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण को लेकर भारी आक्रोश है। कांग्रेस, सपा, आरजेडी, तृणमूल, डीएमके जैसे जो दल इस पाप में भागी थे, उनसे आधी आबादी आक्रोशित है। ये लोग सुधारवादी कदमों के बैरियर के रूप में आगे जाकर षडयंत्र करता है। सीएम ने कहा कि संसद का विशेष अधिवेशन इसी बात के लिए हुआ था, राज्यों के हक का भी इस दौरान पूरा ध्यान रखा गया।

सभी राज्यों में सीटें समान अनुपात में बढ़ाई गई, किसी का हक कम नहीं होना था। उत्तर के राज्य हों या दक्षिण के राज्य। सदन के अंदर इंडी गठबंधन की टिप्पणियां, द्रौपदी के चीर हरण जैसा दृश्य था। समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण के बात की, ये संविधान की दुहाई देने वाले लोग बाबा साहब की भावना के विपरीत आचरण करते हैं। संविधान बनते वक्त धर्म के आधार पर आरक्षण की बात आई तो बाबा साहब ने कहा था के एक बार विभाजन हो गया, दोबारा विभाजन नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बताए के महिला आरक्षण से जुड़ा ये मुद्दा प्रोग्रेसिव कदम था। वो तब कहां थे जब शाह बानो प्रकरण में कांग्रेस ने पाप किया था।

पीएम मोदी ने देश में ट्रिपल तलाक पर कानून बनाया तो भी इन लोगों ने विरोध किया था। आज महिलाओं के हक की दुहाई देने वालों ने देश में सबसे अधिक समय तक शासन किया, लेकिन नारी, युवा, किसान और गरीब के लिए ये कुछ अच्छा नहीं कर पाए।

नगरोटा कैंप में जवान की संदिग्ध मौत, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

जम्मू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू के नगरोटा स्थित एक सैन्य शिविर में रविवार सुबह एक सेना के जवान का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। यह जवान सेना की डॉग यूनिट में तैनात था और उसका शव फैमिली क्वार्टर क्षेत्र में मिला। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल जम्मू भेजा गया है। घटना के कारणों की जांच जारी है।

प्रचंड गर्मी और लू के थपेड़े, छत्तीसगढ़ में 45 पहुंच गया पारा

दिल्ली-यूपी और कई राज्यों में पारा आसमान पर

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल के तीसरे हफ्ते तक आते-आते गर्मी के तेवर पसीने छुड़ा रहे हैं। कई शहरों में तापमान 45 डिग्री को पार कर गया है। दिन की तपती धूप और लू के थपड़े बाहर निकलने वाले लोगों को परेशान कर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर के अलावा यूपी-राजस्थान, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में स्थिति विकट हो चली है। बारिश का कोई अलर्ट नहीं है और लगातार बढ़ता पारा अभी परेशानी को और बढ़ाएगा। आइए आपको आज के मौसम के साथ आगे का अपडेट भी दिए देते हैं। दिल्ली में भी प्रचंड गर्मी ने लोगों की हालत खराब कर दी है। आज भी भीषण गर्मी पड़ेगी। अधिकतम पारा 41 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री पर रहेगा।

आसमान पर आंशिक बादल छाए रहेंगे। 20 अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच पारा 42 डिग्री को पार कर जाएगा। न्यूनतम पारा 24 डिग्री पर ही रहेगा। इस दौरान आसमान साफ रहेगा पर चिलचिलाती धूप आपके पसीने छुड़ा देगी। दिल्ली से सटे राज्यों की बात करें तो पंजाब-हरियाणा में भी अब पारा बढ़ने वाला

है। बीच में गरज-चमक ने पारा कम किया था पर अब मौसम साफ है और 24 अप्रैल तक दोनों प्रदेशों में गर्मी का टॉर्चर झेलने को मिलेगा। पहाड़ी राज्यों हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के साथ लद्दाख में आज मौसम की पलटी मारने वाला है। गरज-चमक के साथ तेज हवाओं का दौर देखने को मिलेगा। 20 अप्रैल से मौसम साफ हो जाएगा और 24 अप्रैल तक मौसम विभाग ने कोई अलर्ट जारी नहीं किया है।

देश के कई हिस्सों में अधिकतम (दिन का) तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। इसमें विदर्भ के अधिकांश हिस्से, मराठवाड़ा और मध्य प्रदेश के कई इलाके, साथ ही छत्तीसगढ़, तेलंगाना और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थान शामिल हैं। इसके अलावा आंतरिक ओडिशा, रायलसीमा, झारखंड, राजस्थान और गुजरात के कुछ अलग-थलग इलाकों में भी तापमान इसी स्तर तक पहुंचा है। वहीं देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। हालांकि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है।

यूपी-राजस्थान में चल रही लू

उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी हालत खराब हैं। पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में इस पूरे हफ्ते (20 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक) लू का येलो अलर्ट है। 20 से 22 अप्रैल के बीच तीन दिन लगातार पूर्वी राजस्थान झुलसेगा। इस बीच धूल भरी आंधी भी चलेगी।

आईएमडी ने बताया कि यूपी में शुष्क मौसम बना हुआ है और लगातार पछुआ हवाएं चल रही हैं। बुलेटिन में कहा गया, ''दिन के समय पूर्वी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है।'' शनिवार को राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। प्रयागराज में तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग 3.2 डिग्री अधिक है, जबकि राज्य का सर्वाधिक 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान बांदा में दर्ज किया गया। वाराणसी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस, झांसी में 43.1 डिग्री सेल्सियस, सुल्तानपुर में 42.8 डिग्री सेल्सियस और गोरखपुर में 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य की राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में पहली बार 40 डिग्री के पार पहुंचा। यहां न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहा। पूर्वानुमान के अनुसार, लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में आसमान साफ रहने की संभावना है जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

मां ने दी नई जिंदगी: लिवर का हिस्सा दान कर बचाई जान

इंदौर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आज 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे है। इस मौके पर इंदौर में भावुक और प्रेरणादायी कार्यक्रम जीवन का उत्सव आयोजित किया गया। 'लिवर से गुफ्तगू एक कप कॉफी के साथ' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में वे लोग शामिल हुए, जिन्होंने लिवर ट्रांसप्लांट के जरिए नई जिंदगी पाई और वे निःस्वार्थ दानदाता (डोनेटर्स) जिन्होंने अंगदान कर दूसरों को जीवनदान दिया। लिवर विशेषज्ञ डॉ अजय जैन ने बताया कि खराब खानपान, अनियमित दिनचर्या और शराब के बढ़ते सेवन से लिवर की बीमारियां महामारी की तरह फैल रही हैं।

जब लिवर पूरी तरह काम करना बंद कर देता है, तब ट्रांसप्लांट ही एकमात्र रास्ता बचता है। डॉ। सुधांशु यादव ने जोर दिया कि जब लोग डोनर परिवारों के त्याग को करीब से देखते हैं, तभी अंगदान के प्रति समाज की सोच बदलती है। कार्यक्रम में 5 साल का मिहिर आकर्षण का केंद्र रहा। मिहिर को उसके जीवन का सबसे बड़ा उपहार उसकी मां पिंकी ने दिया। बच्चे की हालत नाजुक थी और डॉक्टरों के पास ट्रांसप्लांट के अलावा कोई चारा नहीं था। मां ने बिना झिझक अपने लिवर का एक हिस्सा दान किया और आज मिहिर पूरी तरह स्वस्थ है।

बंगाल में भाजपा को हराना के लिए तृणमूल को दीजिए समर्थन

अभिषेक बनर्जी की वोटरों से अपील

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के लालबाग सिंघी हाइस्कूल मैदान, पूर्व बर्दवान के जमालपुर व हुगली के पांडुआ में पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। साथ ही फरक्का में आयोजित रोड शो में भी शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सिर्फ भाजपा ही नहीं, बल्कि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को भी आड़े हाथ लिया। मुर्शिदाबाद में आयोजित चुनावी रैली में अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि तृणमूल के अलावा किसी भी पार्टी को वोट देना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने के बराबर है। मुर्शिदाबाद, ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है।

अभिषेक बनर्जी यहीं नहीं रुके। उन्होंने दावा किया कि भाजपा जहां कांग्रेस को तोड़ रही है, वहीं, तृणमूल जमीनी स्तर पर भाजपा के प्रभाव को कम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पिछले दो वर्षों में कांग्रेस का कोई भी सांसद या प्रतिनिधि जनता की मांगों को पूरा करने के लिए उनके साथ खड़ा नहीं हुआ। उन्होंने कहा – कांग्रेस, आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के संस्थापक हुमायूं कबीर और केंद्रीय एजेंसियां, भाजपा की 'तीन एजेंसियां' हैं, जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। जहां गरीब और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं, विपक्षी दल 'समुदाय की भावनाओं से खिलवाड़' कर रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा- मैं हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों से आग्रह करता हूं कि वे गुमराह न हों।

जो लोग आपको बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें मतदान के दिन मुंहतोड़ जवाब देना होगा। अगर आप भाजपा को हराना चाहते हैं, तो एकमात्र तरीका तृणमूल का समर्थन करने में है। तृणमूल नेता ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा संसद में महिलाओं को आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने में विफल रहने को लेकर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परिसीमन प्रक्रिया को 'हमारे देश को विभाजित करने' के उद्देश्य से लागू कर रही है। उन्होंने कहा- हम संविधान में किसी भी प्रकार का जबरदस्ती परिवर्तन नहीं होने देंगे।

गुरुग्राम में 70 लाख के नकली इंजेक्शन बरामद

गुरुग्राम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे साइबर सिटी गुरुग्राम में ड्रग कंट्रोल विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 70 लाख की नकली दवाइयां के जखीरा को बरामद किया है। यह दवाई इटली से इंपोर्ट कर भारत लाई गई थी जो दिल्ली में सप्लाई की जानी थी। आपको बता दें कि मुजेरो इंजेक्शन भारत में प्रतिबंध है। यह इंजेक्शन शुगर और वजन कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जिसको भारी मुनाफे के चलते दिल्ली में सप्लाई किया जाना था। लेकिन उससे पहले ही गुरुग्राम ड्रग कंट्रोल विभाग को इसकी सूचना मिल गई और उन्होंने एक टीम गठित कर रेड मार दी। इसके बाद नकली दवाइयां के जखीरा और गाड़ी साथ में गाड़ी ड्राइवर को भी हिरासत में ले लिया है फिलहाल पुलिस और ड्रग कंट्रोल विभाग अपनी जांच कर रहे हैं। ड्रग कंट्रोल विभाग से मनदीन चौहान ने बताया कि मौनजारो इंजेक्शन मूल रूप से इटली की एक कंपनी द्वारा बनाया जाता है और शुगर के मरीजों के इलाज में काम आता है लेकिन भारत में इसका गलत इस्तेमाल वजन घटाने के लिए भी किया जा रहा है। फिलहाल विभाग जांच कर रहा है कि नकली इंजेक्शन की इतनी बड़ी खेप कहां से आई और इसमें कौन-कौन शामिल है।

गोवा की साध्वी सतीश सैल के सिर सजा ताज

ब्यूटी पेजेंट में बॉलीवुड सेलेब्स ने लगाए चार-चांद

भुवनेश्वर। उड़ीसा के भुवनेश्वर में हुए 'फेमिना मिस इंडिया 2026' का खिताब गोवा की साध्वी सतीश सैल के सिर सजा है और इसी के साथ 61वें ब्यूटी पेजेंट को नई मिस इंडिया भी मिल रही है। खिताब जीतने के बाद ही सोशल मीडिया पर साध्वी सतीश सैल छाई हुई हैं, जबकि महाराष्ट्र की राजनंदिनी फर्स्ट रनर-अप रही, और सेकंड रनर-अप जम्मू-कश्मीर की अद्वैता रही। ब्यूटी पेजेंट में चार-चांद लगाने के लिए बॉलीवुड के कई बड़े चेहरों को देखा गया।

61वें फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले में पहुंची अभिनेत्री ज़ीनत अमान कहती हैं, भुवनेश्वर में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह एक खूबसूरत जगह है, यहां के लोग बहुत अच्छे हैं, और खाना भी बहुत स्वादिष्ट है। मेरे लिए फेमिना मिस इंडिया बहुत खास रहा है क्योंकि मैंने भी इसी के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और भारत को रिप्रेजेंट किया था। बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता नेहा धूपिया ने कहा,, भुवनेश्वर में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस आयोजन की भव्यता देखकर बहुत खुशी हो रही है। यह कितना खास पल है। हमें यहां आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद, और यहां होना वाकई अद्भुत है। ब्यूटी पेजेंट में पहुंचे कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस के लिए शो बहुत खास रहा। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "यह फेमिना मिस इंडिया की कहानी है। यह फेमिना मिस इंडिया 2026 का 61वां संस्करण है और भुवनेश्वर मेजबान शहर है।

मुझे यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। मैं यहां कई बार आ चुका हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि यहां सिर्फ खूबसूरती ही मायने नहीं रखती, बल्कि व्यक्तित्व भी मायने रखता है। वहीं बॉलीवुड गायक जुबिन नौटियाल ने ब्यूटी पेजेंट में अपनी खूबसूरत आवाज से सभी का दिल धड़का दिया। सिंगर के लिए भुवनेश्वर आना भी खास है, क्योंकि ये स्थान उन्हें घर जैसा फील देता है। उन्होंने कहा, भुवनेश्वर मुझे घर जैसा लगता है। मैं अक्सर यहां शो के लिए आता हूं।

महिला आरक्षण के समर्थन में आज बीजेपी की आक्रोश रैली भोपाल में सीएम बोले- विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएंगे

भोपाल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कहा कि लोकतंत्र एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है और संसद में जो घटनाक्रम हुआ, वह बेहद निंदनीय और कष्टकारी है। बता दें कि महिला आरक्षण बिल से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन बिल मोदी सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। सीएम यादव ने आगे कहा कि द्रौपदी का चीरहरण तो हमने 5000 साल पहले का सुना था, लेकिन बहनों की इज्जत के साथ खेलने का घटनाक्रम संसद में जिस प्रकार हुआ, वह हमारे लिए अत्यंत कष्टकारी और निंदनीय है।

प्रधानमंत्री मोदी जी और अमित शाह जी ने प्रस्तावक बनकर जो निर्णय लिया, उसमें शुरुआत से ही हर दल को सुझाव देने का अवसर दिया गया। मोदी जी ने सभी को खुला पत्र भी लिखा, ताकि कोई यह न कहे कि हमें बोलने का अवसर नहीं मिला या हमसे चर्चा नहीं की गई। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, मंत्री कृष्णा गौर, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, विधायक अर्चना चिटनिस और मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद रहे।

संकटमोचक भारत

होर्मुज संकट में केरल का विझिंजम पोर्ट बन रहा दुनिया का 'गेटवे'

तिरुवनंतपुरम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान की जंग ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते होर्मुज संकट को बंद कर दिया है। 29 फरवरी से, जब से जंग शुरू हुई है तब से ही होर्मुज लगभग बंद है। यहां से बगैर इजाजत के जहाजों को गुजरने नहीं दिया जा रहा है। होर्मुज बंद रहने के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी इस संकट के बीच केरल के तिरुवनंतपुरम में बना विझिंजम पोर्ट अहम मैरिटाइम हब बनकर उभर रहा है। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने इसे लेकर एक्स पर एक पोस्ट भी की है। उन्होंने कहा कि होर्मुज संकट ने ग्लोबल शिपिंग का तिरुवनंतपुरम की ओर मोड़ दिया है। तिरुवनंतपुरम के विझिंजम पोर्ट पर इस समय 100 जहाजों की भारी आवाजाही है, जो या तो कतार में खड़े हैं या आने का इंतजार कर रहे हैं। विझिंजम पोर्ट का उद्घाटन मई 2025 में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसे समुद्री व्यापार को बढ़ाने और विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम करने के मकसद से बनाया गया है। इस पोर्ट को अदाणी ग्रुप और केरल सरकार ने बनाया है। यह भारत का पहला ऐसा पोर्ट है, जिसे बड़े-बड़े जहाजों को हैंडल करने के लिए बनाया है। अब होर्मुज संकट के दौर में यह बहुत बड़ा सहारा बन रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'रिकॉर्ड समय में 10 लाख टीईयू को हैंडल करने से लेकर दूसरे फेज के काम में तेजी से आगे बढ़ाने तक, विझिंजम पोर्ट अब भारत का दुनिया के लिए ट्रांसशिपमेंट का जवाब बन गया है। जब मैंने पहली बार इस बंदरगाह को साकार करने वाले टेंडर लाने में मदद की थी, तब यह एक अनिश्चित प्रोजेक्ट था, जिसे लेकर कई तरह के संशय थे और आलोचना हो रही थी।' उन्होंने कहा, 'आज विझिंजम में हालात बदल रहे हैं। होर्मुज में जारी रुकावटों के कारण दुनिया एक भरोसेमंद गेटवे की तलाश में है और विझिंजम ने इस जरूरत को पूरा किया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कोलकाता की गलियों में घूम-घूम कर किया प्रचार, कहा- बंगाल के उत्थान के लिए भाजपा सरकार चाहिए

भोपाल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कोलकाता की गलियों में घूम-घूमकर चुनवा प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अब ठहराव नहीं, परिवर्तन और प्रगति की ओर बढ़ने को तैयार है। कई सालों से विकास की दौड़ में पीछे छूटा पश्चिम बंगाल, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार में नई ऊर्जा, नई दिशा और तेज प्रगति के साथ आगे बढ़ेगा। यहां के हर वर्ग के जीवन में जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आएगा। मुख्यमंत्री यादव ने अपने विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में रविवार को कोलकाता जिले की कमरहाटी विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी अरुप चौधरी के समर्थन में वोट मांगे। मोहन यादव ने कहा कि कोलकाता के अंदरुनी इलाकों में बहुत गरीबी है और हालात बेहतर दयनीय हैं।

यहां युवाओं के पास रोजगार नहीं है, मजबूरी में लोगों को परिवार का पालन पोषण करने के लिए पलायन करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हर क्षेत्र में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। अब बंगाल की जनता टीएमसी के कुशासन और जंगलराज से मुक्ति चाहती है।

नारी शक्ति के आरक्षण का विपक्ष ने अपमान किया है

सम्राट चौधरी ने कांग्रेस की भी लगाई क्लास

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में आज रविवार (19 अप्रैल) को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेसवार्ता की, जिसमें उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि नारी शक्ति के आरक्षण का अपमान हुआ है और यह लोकतंत्र में पहली ऐसी घटना है जहां महिलाओं के साथ धोखा हुआ। सीएम सम्राट चौधरी ने आरोप लगाया कि कुछ दल चाहते हैं कि उनके परिवार की महिलाएं ही सांसद बनें, जबकि आम घरों की बेटियों को मौका न मिले।

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव की बेटी सांसद बने लेकिन दूसरी की बेटी नहीं, राहुल गांधी की बहन सांसद बने लेकिन दूसरे की बहन नहीं, अखिलेश यादव की पत्नी सांसद बने लेकिन दूसरे की पत्नी नहीलेकिन दूसरों की बेटियों को अवसर नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि बिहार में वर्तमान में 29 महिला विधायक हैं, जबकि यह बिल पास होता तो 122 महिलाएं विधानसभा में होतीं। उन्होंने नीतीश कुमार द्वारा पंचायती राज में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह इस बिल के जरिए 272 महिला सांसदों की गारंटी देना चाहते थे।

सीएम सम्राट चौधरी ने कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, आरजेडी और सपा से जनता को जवाब देने की बात कही और आरोप लगाया कि इन दलों ने कभी आरक्षण का समर्थन नहीं किया, यहां तक कि मंडल आयोग और दलित-आदिवासी आरक्षण का भी विरोध किया। सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए अब देशभर में इस मुद्दे पर अभियान चलाएगी और विपक्ष से पूछा जाएगा कि उनके घर की महिलाएं तो आगे बढ़ती हैं, लेकिन गरीब परिवार की महिलाओं को मौका कब मिलेगा।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जब 2006 में बिहार में एनडीए सरकार बनी थी, तो पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण दिया गया था। आज मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि बिहार में 50% आरक्षण है, लेकिन बिहार में 59% से ज्यादा महिलाएँ चुनाव जीत रही हैं।

छात्रा का अपहरण कर रातभर गैंगरेप करते रहे दरिंदे, अगली सुबह तीनों पुलिस को बंद मकान में मिले

मैहर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मैहर के अमदरा थाना क्षेत्र में एक 13 वर्षीय आठवीं कक्षा की छात्रा का स्कूल के बाहर से अपहरण कर लिया गया। दोनों बदमाशों ने उसे स्कूल से दूर एक बंद मकान में ले जाकर रातभर सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान बच्ची को बरामद कर लिया। पीड़िता को मेडिकल जांच और काउंसलिंग के लिए भेज दिया गया है। 13 वर्षीय बच्ची सुबह करीब 10 बजे स्कूल गई थी। उसका घर स्कूल से महज 100 मीटर की दूरी पर है। शाम करीब 5 बजे तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों में हड़कंप मच गया। परिवार ने पहले आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार रात करीब 9 बजे परिजनों ने झुकेही चौकी में गुमशुदगी और अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सुबह पुलिस टीम झुकेही तालाब के पास बसोर बस्ती में तलाश कर रही थी। इसी दौरान एक बंद मकान से हलचल और आवाजें सुनाई दीं। शक होने पर पुलिस ने तुरंत दबिश दी और अंदर से बच्ची को संदिग्ध हालत में बरामद कर लिया।

10 करोड़ का सोना, 20 लाख कैश की लूट

नालंदा का कमलेश निकला मध्य प्रदेश में बैंक डकैती का मास्टरमाइंड

सिंगरौली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में हुई सनसनीखेज बैंक डकैती मामले में रोहतास से बड़ी कार्रवाई सामने आई है। डेहरी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने ट्रेन में सफर कर रहे एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस में नवीनगर स्टेशन के पास पकड़ा गया, जिसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। तलाशी में आरोपी के बैग से 15 लाख रुपये से अधिक नकद और करीब 61 ग्राम सोने के गहने बरामद किए गए। इतनी बड़ी बरामदगी के बाद मौके पर मौजूद अधिकारी भी हैरान रह गए। इसके बाद आरोपी को तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई।

गिरफ्तार युवक की पहचान कमलेश कुमार के रूप में हुई है, जो नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के ग्वाल बिगहा गांव का निवासी बताया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने कबूल किया कि वह मध्यप्रदेश के सिंगरौली स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई डकैती में शामिल था। यह वारदात दिनदहाड़े हुई थी, जिसमें पांच बदमाशों ने मिलकर बैंक को निशाना बनाया था। डकैतों ने करीब 20 लाख रुपये नकद और भारी मात्रा में सोना लूटा था। लूटे गए सोने की कीमत लगभग 10 से 15 करोड़ रुपये के बीच आंकी जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी अलग-अलग दिशाओं में फरार हो गए थे।

रेलवे के एएसपी आलोक कुमार सिंह के अनुसार आरोपी कमलेश कुमार डकैती में मिले अपने हिस्से के साथ सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस से भागने की फिराक में था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर गश्त कर रहे आरपीएफ जवान उमाकांत और एमडी नाजिम को उस पर शक हुआ। जवानों ने तुरंत इसकी सूचना आरपीएफ इंस्पेक्टर रामविलास राम को दी। तलाशी में भारी मात्रा में कैश और सोना बरामद हुआ।

चिनाब नदी में गिरे तीन लोग चार महीने के मासूम की मौत

किश्तवाड़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। किश्तवाड़ के मुगलमैदान इलाके में रविवार दोपहर चिनाब नदी के किनारे एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें तीन लोग नदी के तेज बहाव में बह गए। इनमें दो महिलाओं को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया जबकि 4 महीने के मासूम बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नदी किनारे पैर फिसलने से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, जिसमें एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से दोनों महिलाओं को सुरक्षित बाहर

निकाला गया और उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। काफी तलाश के बाद बच्चे को भी नदी से निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

ईरान का बड़ा दावा

अब तक 180 ड्रोन मार गिराए, एफ-35 को भी बनाया निशाना; सैन्य ताकत पर दुनिया को दिया संदेश

तेहरान, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने एक बार फिर अपनी सैन्य क्षमता को लेकर बड़ा दावा किया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा कि उनके बलों ने करीब 180 ड्रोन को निष्क्रिय किया और अमेरिकी एफ-35 स्टेल्थ फाइटर जेट को भी निशाना बनाया। उन्होंने इसे कोई एक बार की घटना नहीं बताते हुए कहा कि यह ईरान की तकनीकी और रणनीतिक क्षमता का उदाहरण है। ईरान की समाचार एजेंसी के अनुसार गालिबफ ने यह बयान वाशिंगटन के साथ चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता की वर्तमान स्थिति पर अधिकारियों को जानकारी देते हुए दिया। गालिबाफ ने कहा कि एफ-35 जैसे आधुनिक फाइटर जेट को निशाना बनाना दिखाता है कि ईरान रक्षा तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, यह कार्रवाई कई स्तरों पर योजनाबद्ध थी। हालांकि, ऐसे दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पहले भी अमेरिका इन दावों को खारिज करता रहा है।

कुछ रिपोर्ट्स में यह जरूर सामने आया था कि एक अमेरिकी एफ-35 को मिशन के दौरान नुकसान पहुंचा और उसे इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिका और उसके सहयोगियों से जुड़े लगभग 180 ड्रोन को भी मार गिराया।

इससे पहले भी ईरान कई बार बड़ी संख्या में ड्रोन इंटरसेप्ट करने की बात कह चुका है। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में ड्रोन और एयर ऑपरेशन युद्ध का अहम हिस्सा बन चुके हैं। गालिबाफ ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में कुछ मुद्दों पर सहमति बनी है, लेकिन कई बड़े मतभेद अभी भी बाकी हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी देशों का दबाव काम नहीं आया, जिसके बाद अब बातचीत का रास्ता अपनाया जा रहा है। ईरानी स्पीकर ने हालिया युद्धविराम को लेकर कहा कि यह ईरान की रणनीतिक जीत का परिणाम है, जबकि अमेरिका ने इसे अलग नजरिए से स्वीकार किया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने उद्देश्यों जैसे शासन परिवर्तन या ईरान की सैन्य क्षमता को खत्म करनामें सफल नहीं हो पाया।

इटली में बैसाखी के दौरान गोली मारकर दो भारतीयों की हत्या, कार से फरार हुआ हमलावर; जांच तेज

रोम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां दो भारतीय नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना उत्तरी इटली के बर्गामो प्रांत के कोवो इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार, यह हमला शुक्रवार रात हुआ। दोनों लोग एक वेयरहाउस से बाहर निकल रहे थे, जिसे धार्मिक गतिविधियों और वैसाखी समारोह के दौरान सभा स्थल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। यह जगह गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी के पास स्थित है।

बता दें कि मृतकों की पहचान 48 वर्षीय रागिंदर सिंह, जो कोवो में रहते थे और अग्नाडेलो के निवासी 48 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, हमलावर अचानक वहां पहुंचा और दोनों पर गोलियां चला दीं। इसके बाद वह कार से मौके से फरार हो गया। पुलिस का मानना है कि यह कोई अचानक हुआ झगड़ा नहीं था, बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है।

पाकिस्तान पर भरोसा ना करे अमेरिका'

चौधरी बने आसिम मुनीर के ईरान दौरे पर भड़के एक्सपर्ट

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ईरान के दौरे पर गए थे।

ये यात्रा खास थी क्योंकि वे युद्ध के दौरान ईरान जाने वाले पहले विदेशी नेता हैं। आसिम मुनीर को एक ऐसे शख्स के रूप में देखा जाता है, जिनके संबंध अमेरिका और ईरान दोनों के साथ मजबूत माने जाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जब वह 2016 और 2017 में पाकिस्तान के मिलिट्री इंटेलिजेंस के प्रमुख थे, तभी से उन्होंने ईरान के साथ अपने रिश्ते बनाना शुरू कर दिया था। उन्होंने ईरान की सरकार, खुफिया एजेंसियों और खास तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा। पाकिस्तानी रिटायर्ड जनरल अहमद सईद ने कहा, 'आसिम मुनीर के संबंध सिर्फ आईआरजीसी तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ईरान की सेना और खुफिया तंत्र से भी जुड़े रहे हैं।

यहां तक कि उनके ईरान के कुछ बड़े सैन्य नेताओं के साथ व्यक्तिगत रिश्ते भी रहे हैं, जिनमें कासिम सुलेमानी और हुसैन सलामी शामिल हैं। पाकिस्तानी रिटायर्ड जनरल अहमद सईद ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मुनीर लीडरशिप के साथ बातचीत कर रहे हैं। वह इंटेलिजेंस कम्युनिटी के साथ बातचीत कर रहे हैं। वह इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ बातचीत कर रहे हैं।'

फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के एक सीनियर फेलो बिल रोगियो ने कहा, 'ट्रंप को पाकिस्तानियों पर भरोसा नहीं करना चाहिए और मुनीर के आईआरजीसी से संबंध यूएस के लिए एक रेड फ्लैग हैं। अफ़गानिस्तान से संबंधित मामलों में पाकिस्तान हमारा दोस्त होने का दिखावा करता रहा और अफ़गानिस्तान का साथ देता रहा है। वह धोखेबाज है।'

इस बीच पाकिस्तानी एनालिस्ट रज़ा रूमी ने भी मुनीर की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'मुनीर जैसे लोगों का आगे बढ़ना सिर्फ़ यह दिखाता है कि कैसे मिलिट्री पाकिस्तान में सिविलियन लीडरशिप को तेज़ी से पीछे छोड़ रही है।'

नेतन्याहू के गुस्से से घबराए ट्रंप?

इस्राइल को बताया महान सहयोगी, पहले लेबनान में हमलों को लेकर कही थी ये बात

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संकट और इस्राइल-लेबनान तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल के रिश्तों में भी हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों ने कूटनीतिक स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। क्षेत्रीय अस्थिरता के इस दौर में, विशेष रूप से युद्धविराम प्रोटोकॉल और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री संचालन की सुरक्षा को लेकर बातचीत जटिल बनी हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि इस्राइल को लेबनान में एयरस्ट्राइक रोकनी होगी।

उन्होंने लिखा था कि 'अब बहुत हो गया', जिससे यह संकेत गया कि अमेरिका ने इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया है। इस बयान के बाद इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सलाहकारों में चिंता बढ़ गई और व्हाइट हाउस से स्पष्टीकरण मांगा गया।

विवाद बढ़ने के बाद ट्रंप ने अपने रुख में नरमी दिखाई और इस्राइल की तारीफ करते हुए उसे अमेरिका का महान सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस्राइल साहसी, मजबूत, वफादार और समझदार देश है, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती से खड़ा रहता है। ट्रंप के इस बयान को उनके पहले दिए गए सख्त संदेश के उलट माना जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि समझौता केवल आक्रामक सैन्य अभियानों पर रोक लगाता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार सुरक्षित रहता है। इस बयान से यह स्पष्ट करने की कोशिश की गई कि इस्राइल अपनी सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है।

'एपस्टीन विवाद से ध्यान भटकाने की चाल'

कमला हैरिस का ट्रंप पर हमला, बोलीं- अमेरिकी जनता नहीं चाहती ये जंग

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब जिद और ताकत की खतरनाक लड़ाई में बदल चुका है, जहां हालात हर दिन और विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक महीने से ज्यादा समय तक चले अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ टकराव ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया। अब इसी उथल-पुथल के बीच अमेरिका की राजनीति भी इस आग में झुलसती नजर आ रही है। इसका बड़ा कारण है कि जारी तनाव के बीच अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। हैरिस ने अपने बयान में कहा कि ट्रंप को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ सैन्य टकराव में खींच लिया है। बढ़ते तनाव के समय अमेरिकी उपराष्ट्रपति के इस बयान ने न सिर्फ अमेरिकी सत्ता में हलचल मचा दी है,

बल्कि वैश्विक कूटनीति में भी नई बहस और तनाव को जन्म दे दिया है, जिससे हालात और ज्यादा विस्फोटक बनते जा रहे हैं। अपने बयान में कमला हैरिस ने इस पूरे घटनाक्रम को एक ऐसा कदम बताया जो अमेरिका की जनता की इच्छा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध ऐसा है जिसे अमेरिकी जनता नहीं चाहती, लेकिन फिर भी सरकार इसे आगे बढ़ा रही है। हैरिस ने आरोप लगाया कि यह युद्ध असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है, खासकर एपस्टीन फाइल्स जैसे विवादों से। उनके मुताबिक, सरकार ऑपरेशन एपिक फ्यूरी जैसे अभियानों का इस्तेमाल लोगों का ध्यान हटाने के लिए कर रही है।

मिशिगन में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए हैरिस ने ट्रंप प्रशासन को अब तक का सबसे भ्रष्ट, बेरहम और अयोग्य प्रशासन बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा नेतृत्व ताकत दिखाने के नाम पर सेना का इस्तेमाल अपनी मर्जी से करना चाहता है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका की विदेश नीति को कमजोर कर दिया है। उनके अनुसार, अमेरिका ने अपने पुराने सहयोगियों और मित्र देशों के साथ भरोसा खो दिया है। इससे दुनिया में अमेरिका की विश्वसनीयता भी कम हुई है।

हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय नियमों, संप्रभुता और वैश्विक समझौतों को गंभीरता से नहीं लेते। उनका कहना है कि इससे वैश्विक व्यवस्था कमजोर हो रही है और अमेरिका का प्रभाव घट रहा है। इसके अलावा घरेलू मुद्दों पर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की, जिसमें अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं के अधिकार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में सरकार की नीतियां लोगों के हित में नहीं हैं।

अंत में कमला हैरिस ने विश्वास जताया कि डेमोक्रेटिक पार्टी आने वाले मध्यावधि चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी और जनता बदलाव चाहती है।

'घर से कॉलेज जाते हैं, लेकिन लौटकर नहीं आ पाते', बलूचिस्तान में पाकिस्तान के अत्याचार की पोल खुल गई

काबुल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। यूं तो बलूचिस्तान पर पाकिस्तान का कब्जा है, लेकिन वह यहां जिस तरह से अत्याचार और जुल्म करता है वह दिखाता है कि यहां मानवाधिकार अब बचा ही नहीं है। लोगों का लापता होना और हत्या होना।।। ये सब यहां आम हो गया है। इस बीच एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान जिस तरह की सख्ती और उपाय यहां आजमा रही है, वह उसकी कमजोरी और डर को दिखाते हैं। श्रीलंका गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान में 'गायब कर देना' अब सिर्फ आरोप नहीं, बल्कि सरकार का एक 'तरीका' बन गया है। यह डर की भाषा बन चुकी है और कई परिवारों के लिए सरकार का सबसे 'क्रूरतम चेहरा' है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब पाकिस्तान दुनिया के सामने अच्छा बनने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और ईरान में सुलह कराने की कोशिश में जुटा है। ये रिपोर्ट पाकिस्तान के इस चेहरे को बेनकाब करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई मामलों में युवक कॉलेज के लिए घर से निकलते हैं और वापस नहीं लौटते, या सुरक्षा चौकियों से उठाए जाने के बाद लापता हो जाते हैं।

पहलगाम हमले की पहली बरसी

कैपिटल हिल में भारत लगाएगा प्रदर्शनी, उजागर होगा पाकिस्तान प्रायोजित आतंक का काला सच

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत एक बार फिर वैश्विक मंच पर आतंकवाद के मुद्दे को मजबूती से उठाने जा रहा है। अमेरिका की संसद भवन कैपिटल हिल में भारतीय दूतावास 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म' शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की सच्चाई को दुनिया के सामने लाना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा करेंगे। यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब पाकिस्तान खुद को अमेरिका-ईरान संघर्ष में शांति दूत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। यह प्रदर्शनी विशेष रूप से पहलगाम आतंकवादी हमले की पहली बरसी के अवसर पर आयोजित की जा रही है,

जो ऑपरेशन सिंदूर के रूप में समाप्त हुआ था। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा उठाया है। पिछले साल जुलाई में, जब पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष था, भारत ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भी इसी तरह की एक प्रदर्शनी आयोजित की थी। इसका उद्देश्य वैश्विक समुदाय का ध्यान इस गंभीर मुद्दे पर केंद्रित करना था। यह डिजिटल प्रदर्शनी दुनिया भर में हुए भयावह आतंकवादी हमलों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रदर्शित करेगी।

इसमें 1993 के मुंबई बम धमाके, 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले और हाल ही में हुए पहलगाम आतंकवादी हमला जैसे दिल दहला देने वाले कृत्य शामिल होंगे। प्रदर्शनी में प्रत्येक हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी संगठनों के नामों का भी उल्लेख किया जाएगा, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा जैसे कई पाकिस्तान-आधारित व्यक्ति और संगठन शामिल हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की पहली बरसी है। इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों ने बैसरन घाटी में पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई थी। यह हमला भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद की एक और भयावह मिसाल बनकर सामने आया था।

यूक्रेन में बंदूकधारी ने मचाया कत्लेआम

सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बनाया; फिर 6 को मार डाला

कीव, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक बंदूकधारी ने एक सुपरमार्केट में कुछ लोगों को बंधक बना लिया। उसने बाद में 6 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि बाद में पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। घटना की जानकारी देते हुए यूक्रेनी गृह मंत्रालय के प्रमुख इहोर क्लिमेंको ने बताया कि पुलिस के विशेष दस्ते ने बंधक बनाने वाले व्यक्ति से बातचीत का प्रयास किया, लेकिन बातचीत विफल होने के बाद पुलिस टीम ने स्टोर में प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि बंदूकधारी द्वारा गिरफ्तारी का विरोध किए जाने पर पुलिस ने उसे मार गिराया।

दरअसल, ये घटना यूक्रेन के होलोसिव्स्की जिले में हुई। इहोर क्लिमेंको ने एक बयान में कहा पुलिस वार्ताकारों ने इमारत पर धावा बोलने से पहले हमलावर से लगभग 40 मिनट तक बात की। उन्होंने कहा, "हमें पता था कि अंदर कोई घायल व्यक्ति हो सकता है, इसलिए हमने उसे समझाने की कोशिश की। हमने खून रोकने के लिए पट्टी लाने की पेशकश भी की, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। नतीजतन, उसे काबू करने का आदेश दिया गया। सुपरमार्केट में घुसने से पहले बंदूकधारी ने सड़क पर चार राहगीरों को मार डाला था और फिर पांचवें व्यक्ति को भी मार डाला। वहीं मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि छठी पीड़ित, एक युवती, की अस्पताल में चोटों के कारण मौत हो गई। इहोर क्लिमेंको ने बताया कि उस व्यक्ति के पास एक कार्बाइन थी, जो कानूनी रूप से पंजीकृत थी।

इसके अलावा, पिछले साल दिसंबर 2025 में, उसने लाइसेंसिंग अधिकारियों से संपर्क किया था ताकि लाइसेंस की अवधि समाप्त होने पर हथियार का परीक्षण कराया जा सके। उसने एक मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिया था। उसने हथियार के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन भी जमा किया था। अभी के लिए हम बस इतना ही कह सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि जांच से पता चलेगा कि किस चिकित्सा संस्थान ने सर्टिफिकेट जारी किया था।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

हाई अलर्ट पर जापान; दक्षिण कोरिया भी सतर्क

सियोल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। एशिया में एक बार फिर तनाव की लहर तेज हो गई है। रविवार को दक्षिण कोरिया ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब क्षेत्र पहले से ही सुरक्षा चुनौतियों और शक्ति संतुलन के दबाव से जूझ रहा है।

लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षण न केवल पड़ोसी देशों के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता की आशंका को बढ़ा रहे हैं। दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके सिनपो से छोड़ी गईं। यह इलाका पहले भी मिसाइल परीक्षणों के लिए जाना जाता रहा है।

दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। इतना ही नहीं रविवार सुबह जापान में उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की खबर सामने आई। स्थिति को गंभीर मानते हुए जापान सरकार तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई और देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे उत्तर कोरिया की ओर से कई मिसाइलें छोड़ी गईं। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर ही समुद्र में गिर गईं, जिससे किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया मिलकर स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं।

सभी देश मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इन मिसाइलों का मकसद क्या था और आगे क्या खतरा हो सकता है। घटना के तुरंत बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक आपात बैठक बुलाई।

इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे तेजी से जानकारी जुटाएं और हर स्थिति के लिए तैयार रहें। इस बीच दक्षिण कोरिया ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है और वह लगातार अमेरिका और जापान के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से दागी गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल यह उत्तर कोरिया का सातवां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है और अप्रैल महीने में ही चौथा परीक्षण है।

यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है, क्योंकि इन नियमों के तहत उत्तर कोरिया को ऐसे परीक्षण करने की अनुमति नहीं है।

लेबनान में फ्रांस के पीसमेकर फौजी की मौत, हिज्बुल्लाह पर लग रहे घात लगाकर हमले के आरोप

तेल अवीव, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण लेबनान में शांति स्थापित करने के मिशन पर निकले संयुक्त राष्ट्र के काफिले पर घात लगाकर किए गए एक भीषण हमले में फ्रांस के एक शांति सैनिक की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य सैनिक घायल हुए हैं। इस हमले ने इलाके में पहले से ही नाजुक शांति समझौते और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना उस समय हुई जब 'यूनिफिल' का एक गश्ती दल दक्षिणी लेबनान के एक गांव में अपना काम कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, यह कोई इत्तेफाक नहीं बल्कि एक जानबूझकर किया गया हमला था। फ्रांस की सशस्त्र बल मंत्री कैथरीन वॉट्रिन ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शांति सैनिक एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर थे। वे हालिया जंग के कारण कटे हुए एक यूनिफिल पोस्ट तक पहुंचने का रास्ता साफ कर रहे थे, तभी एक सशस्त्र समूह ने बहुत करीब से उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वॉट्रिन के अनुसार, फ्रांसीसी सैनिक को बेहद करीब से सीधे गोली लगी। उनके साथी सैनिकों ने उन्हें बचाने और पुनर्जीवित करने की पूरी कोशिश की,

होर्मुज संकट गहराया: ईरान ने ईयू की आलोचना की, बिना शर्त ट्रांजिट को बताया कल्पना वैश्विक व्यापार पर खतरा

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में एक बार फिर हालात खराब होते नजर आ रहे हैं। जहां अब ईरान और यूरोपीय संघ के बीच टकराव खुली जुबानी में बदलती नजर आ रही है और इसका कारण दुनिया की तेल सप्लाई की धड़कन माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य पर घमासान छिड़ गया है। ईरान ने यूरोप पर पाखंड और दोहरे खेल का करारा वार किया है, जिससे हालात और भड़क उठे हैं। बढ़ते तनाव के बीच हर बयान अब आग में घी डालने जैसा साबित हो रहा है और वैश्विक संकट गहराने की आशंका तेज हो गई है।

इस जुबानी जंग की शुरुआत ऐसे हुई कि ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने यूरोपीय संघ पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोप अंतरराष्ट्रीय कानून की बात तो करता है, लेकिन खुद उसका पालन नहीं करता। बघाई ने यह भी कहा कि ईरान को अपने तटीय क्षेत्र में सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। ईरान का कहना है कि अगर उसकी सुरक्षा को खतरा होता है, तो वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण लगा सकता है। यहां तक कि उसने संकेत दिया है कि अब वही जहाज पहले गुजर पाएंगे, जो तय शुल्क देंगे और नए नियमों का पालन करेंगे। वहीं,

नेपाल अरबों का यूरेनियम भंडार अमेरिका को सौंपने की कर रहा तैयारी

चीन की सीमा के पास स्पेशल जोन, बालेन शाह मजबूर?

काठमांडू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल सरकार क्या हिमालय में स्थित यूरेनियम का बड़ा भंडार अमेरिका को सौंपने जा रही है? इस बात की अटकल उस वक्त और बढ़ गई है जब अमेरिका के विदेश राज्य मंत्री समीर पॉल कपूर अचानक नेपाल का दौरा कर रहे हैं। खास बात ये है कि उनका ये दौरा सिर्फ और सिर्फ नेपाल का होगा जबकि अभी तक कोई भी अमेरिकी अधिकारी सिर्फ नेपाल का दौरा नहीं करता था। वो नेपाल के साथ बांग्लादेश और श्रीलंका का भी दौरा करता था। दावे के मुताबिक लो मन्थांग, अपर मुस्तांग में 30 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को मुस्तांग स्पेशल जोन घोषित करने की तैयारी चल रही है।

ताकि पैक्स सिलिका गठबंधन के तहत अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को यूरेनियम प्रोसेसिंग के लिए विशेष अधिकार दिए जा सकें। हालांकि नेपाल की पूर्व प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल ने इस समझौते से इनकार किया था लेकिन कुछ गोपनीय दस्तावेजों से पता चलता है कि मार्च 2026 में एमसीसी प्रोजेक्ट की ऊर्जा को नए एआई डेटा केंद्रों से जोड़ने और डेटा संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी गई है।

वहीं नेपाल में यूरेनियम के अन्य संभावित स्थलों में मकवानपुर और सिंधुली शामिल हैं। आपको बता दें कि नेपाल और अमेरिका के बीच 2017 में एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे जिसे 'एमसीसी प्रोजेक्ट' कहा जाता है। इसके तहत अमेरिका ने नेपाल को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अनुदान दिया था। नेपाल में इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी विरोध हुआ था और ये विरोध चीन की शह पर किया गया था। चीन इस प्रोजेक्ट को नेपाल में अपने प्रभुत्व के लिए खतरा मानता है। रिपोर्ट के मुताबिक इसी एमसीसी प्रोजेक्ट से मुस्तांग में यूरेनियम प्रोसेसिंग के लिए बिजली सप्लाई करने की बात चल रही है।

मल्टीपोलर प्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेपाल सरकार मुस्तांग में पाए गए यूरेनियम की प्रोसेसिंग की जिम्मेदारी संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंपने की तैयारी कर रही है। ऊपरी मुस्तांग के लो मानथांग में स्थित बताए जा रहे यूरेनियम की प्रोसेसिंग का काम, नेपाली सेना के कॉर्डिनेशन में, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की एक संयुक्त तकनीकी टीम को सौंपने की तैयारियां चल रही हैं।

लेकिन इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेपाल सरकार का इरादा ऊपरी मुस्तांग के लो मानथांग में 30 वर्ग किलोमीटर के उस क्षेत्र को जहां यूरेनियम के भंडार होने की बात कही जाती है उसे 'मुस्तांग विशेष क्षेत्र' घोषित करने का फैसला करने वाली है। प्रस्ताव के मुताबिक इस क्षेत्र को एक 'उच्च-सुरक्षा अनुसंधान क्षेत्र' के रूप में विकसित किया जाएगा जहां सिर्फ नेपाली सेना और ऑस्ट्रेलियाई-अमेरिकी तकनीकी टीम को ही प्रवेश की विशेष अनुमति होगी।

सूत्रों का दावा है कि नेपाल की संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 4 मार्च को हुए चुनावों से पहले ही इस मामले को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। 'दुर्लभ मृदा' और 'महत्वपूर्ण खनिजों' (जिनमें यूरेनियम भी शामिल है) के क्षेत्र में चीनी वर्चस्व का मुकाबला करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका नामक एक गठबंधन का गठन किया गया है। सूत्रों के अनुसार इसी संगठन के माध्यम से मुस्तांग में यूरेनियम और अन्य दुर्लभ मृदा खनिजों के निष्कर्षण की तैयारियां की जा रही हैं।

अमेरिकी प्रतिबंध की मार झेल रहा क्यूबा

गहराया ईंधन संकट, स्पेन समेत कई देशों की बढ़ी चिंता?

मैड्रिड, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और क्यूबा के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ रिपोर्ट के अनुसार, तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो।

इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया। अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया।

इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। इसके साथ ही देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं।

मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

हर साल घटता-बढ़ता है शिवलिंग क्या है अमरनाथ धाम का रहस्य?

हिमालय की गोद में स्थित बाबा बर्फानी के दर्शन की आस लगाए भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी है. साल 2026 की अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान हो चुका है. इस साल यह पावन यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू हो रही है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अमरनाथ गुफा में बनने वाला वह पवित्र शिवलिंग चंद्रमा की कलाओं के साथ घटता-बढ़ता क्यों है? आइए जानते हैं इसके पीछे की आस्था और विज्ञान के अद्भुत संगम के बारे में.

क्या है बर्फ के शिवलिंग का रहस्य?

अमरनाथ गुफा में बनने वाला शिवलिंग पूरी तरह प्राकृतिक है, जो बर्फ की बूंदों के जमने से तैयार होता है. गुफा की छत से टपकने वाला पानी बेहद ठंडे तापमान में जमकर धीरे-धीरे शिवलिंग का आकार ले लेता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह शिवलिंग चंद्रमा की कलाओं के अनुसार घटता-बढ़ता है. पूर्णिमा के समय इसका आकार सबसे बड़ा होता है, जबकि अमावस्या के आसपास यह छोटा हो जाता है. भक्त इसे भगवान शिव का दिव्य चमत्कार मानते हैं.

आस्था बनाम विज्ञान

जहां एक ओर श्रद्धालु इसे भगवान शिव की कृपा और चमत्कार मानते हैं, वहीं वैज्ञानिक इसे प्राकृतिक प्रक्रिया बताते हैं. विज्ञान के अनुसार, गुफा के अंदर तापमान, नमी और पानी के जमने-पिघलने की प्रक्रिया इस बदलाव के पीछे का कारण है. हालांकि, यह बातें लोगों की आस्था को कम नहीं कर पाती, क्योंकि सदियों से यह परंपरा और विश्वास का केंद्र बना हुआ है.

अमरनाथ यात्रा 2026 कब से शुरू है?

इस साल अमरनाथ यात्रा 2026 की शुरुआत 3 जुलाई 2026 से होगी, जो 28 अगस्त 2026 (रक्षा बंधन) तक चलेगी. यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है. श्रद्धालु ऑनलाइन और अधिकृत बैंकों के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं.

अमरनाथ यात्रा का धार्मिक महत्व

अमरनाथ धाम को भगवान शिव के सबसे पवित्र स्थलों में गिना जाता है. मान्यता है कि यहीं भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था. इसी कारण इस गुफा को अमर कथा का स्थान भी कहा जाता है. हर साल लाखों श्रद्धालु कठिन पहाड़ी रास्तों को पार कर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं.

क्यों खास है अमरनाथ धाम?

अमरनाथ धाम सिर्फ एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि आस्था, रहस्य और प्रकृति का अद्भुत संगम है. यहां का शिवलिंग जहां एक ओर वैज्ञानिक दृष्टि से एक प्राकृतिक घटना है, वहीं दूसरी ओर यह करोड़ों लोगों की अटूट श्रद्धा का प्रतीक भी है. यही वजह है कि हर साल लाखों श्रद्धालु इस कठिन यात्रा को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ करते हैं.

नीम करोली बाबा की 3 शिक्षाएं

मन की शांति और सच्ची खुशी पाने का आसान रास्ता क्या है?

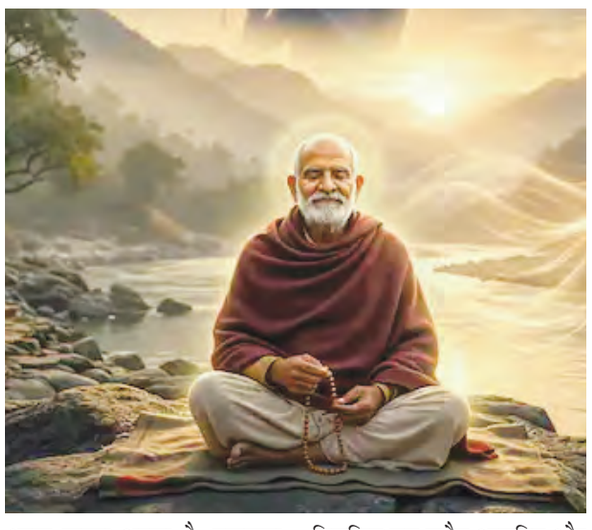

नीम करोली बाबा आधुनिक युग के सबसे प्रभावशाली और पूजनीय संतों की सूची में शामिल है. स्नेहपूर्वक महाराजजी कहलाने वाले बाबा नीम करोली की शिक्षाएं, जो निस्वार्थ प्यार, भक्ति और सेवा पर आधारित थीं, दुनियाभर में फैलीं. इस लेख के माध्यम से हम जीवन के सबसे कठिन संघर्षों के दौरान पूर्ण आंतरिक शांति और सामंजस्य प्राप्त करने के लिए इस महान संत की 3 शक्तिशाली शिक्षाओं का जानना जरूरी है.

महाराज जी कहते थे कि, ईश्वर के प्रेम के अलावा बाकी सब कुछ क्षणभंगुर (कम समय) है. मौत और नश्वर जीवन हमारे जीवन की दो ऐसे पहलू हैं, फिर भी हममें से कई लोग ऐसे जीते हैं, जैसे यह हमारे व्यक्तिगत जीवन में लागू ही नहीं होता है.

भले ही किसी परिचित के देहांत होने पर हमें इन सच्चाईयों का स्मरण हो लेकिन जब मनुष्य जीवन की पलभर की इंद्रिय सुखों के निरर्थक होने पर गहराई से विचार करता है, तो मन में एक गहरा समभाव पैदा हो सकता है. आसान शब्दों में कहें तो, नीम करोली बाबा हमें ईश्वर के प्रेम में शांति पाने और चीजों की अनित्यता के प्रति जागरूकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं.

जाता है, लेकिन जीवन की तुच्छ बातें और पल भर का आकर्षण हमें फौरन निरर्थक इच्छाओं और घृणाओं के सागर में वापस खींच लेता है.

नीम करोली बाबा कहते हैं कि, ध्यान करना अच्छा है, एकाग्रता और वैराग्य से शुद्ध मन प्राप्त होता है. एक बिंदु पर ध्यान करो और तुम्हें ईश्वर का ज्ञान प्राप्त हो जाएगा. भगवद् गीता के अध्याय ध्यान योग में भी भगवान श्रीकृष्ण ने एकाग्रचित होकर ध्यान करने के बारे में कहा है, योगी को एकाग्रचित्त होकर ध्यान में मग्न होकर मन को शुद्ध करने की कोशिश करनी चाहिए. सभी विचारों और गतिविधियों को नियंत्रित करना चाहिए. उसे शरीर, गर्दन और सिर को एक सीधी रेखा में स्थिर रखना चाहिए और आंखों को भटकने दिए बगैर नाक की नोक पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

एक मूलभूत सत्य जिसे हमें समझना चाहिए, वह यह है कि, मन शांत हो जाता है, तो हमारी चेतना परम सत्ता के साथ परम एकात्मकता विकसित करने का काम करती है. दूसरी और विचलित मन सदैव आसक्ति और दुखों का स्त्रोत बना रहता है. इसलिए भगवान कृष्ण और महाराजजी के वचनों में समाए ज्ञान को आत्मसात करके हम रोजाना कुछ घंटे या मिनट ध्यान के लिए निकालने चाहिए.

संतों की आंखें हमेशा परम सत्य को जानने पर टिकी होती हैं. जिस पल उन्हें खुद का आभास हो जाता है, संत्वत खो जाता है. रोजाना ध्यान और अनित्यता के ज्ञान के साथ-साथ अपने कर्मों को ईश्वर को अर्पित करके उनका पालन करना शुरू कर सकते हैं. परिणामों की चिंता छोड़ दें. परम आत्मा या ईश्वर में आस्था को मजबूत करें.

ईमानदारी और लगन से काम करना चाहिए. समय बीतने के साथ साथ आपका मन गहराई से शुद्ध हो जाएगा और आपके कर्तव्य फलदायी होंगे, जिससे मोक्ष के द्वार खुल जाएंगे.

हमें चमत्कारों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

सफलता सही दिशा में निरंतर मेहनत करने से मिलती है

रामायण में देवी सीता की खोज करते हुए हनुमान जी लंका पहुंच गए थे। लंका में देवी सीता से भेंट कर हनुमान श्रीराम के पास लौट आए। इसके बाद श्रीराम अपनी वानर सेना के साथ लंका की ओर बढ़े, तब सबसे बड़ी चुनौती थी- समुद्र को पार करना। सामने विशाल समुद्र था और पीछे पूरी वानर सेना, जो यह नहीं समझ पा रही थी कि इतनी बड़ी बाधा को कैसे पार किया जाए।

वानर सेना के सबसे अनुभवी और बुद्धिमान सदस्य जामवंत ने स्थिति को समझते हुए श्रीराम को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आपमें अद्भुत शक्ति है, आप चाहें तो इस समुद्र को भी नियंत्रित कर सकते हैं। यह सुनकर कुछ वानर आश्चर्य में पड़ गए और उन्हें लगा कि शायद कोई चमत्कार हो सकता है, जिससे समुद्र स्वयं सूख जाए या रास्ता बन जाए, लेकिन श्रीराम ने किसी भी चमत्कार या आसान उपाय पर निर्भर होने के बजाय एक व्यावहारिक मार्ग चुना।

श्रीराम ने कहा कि समुद्र को सुखाना समाधान नहीं है, बल्कि हमें ऐसा तरीका खोजना होगा जो सभी के सहयोग से संभव हो। उस समय समुद्र देव ने नल और नील के बारे में बताया। नल-नील को ऋषियों से यह वरदान प्राप्त था कि वे जिस भी वस्तु को जल में डालेंगे, वह डूबेगी नहीं।

श्रीराम ने पूरी वानर सेना को संगठित किया और नल-नील की सहायता से समुद्र पर सेतु निर्माण का कार्य शुरू हुआ। सभी वानर छोटे-छोटे पत्थर, पेड़ और अन्य सामग्री लाकर समुद्र में डालने लगे। आश्चर्यजनक रूप से वह सभी सामग्री पानी पर तैरने लगी और धीरे-धीरे एक मजबूत पुल का रूप लेने लगी।

दिन-रात की मेहनत, अनुशासन और टीमवर्क के साथ वह सेतु तैयार हो गया। पूरी वानर सेना ने उसे पार किया और श्रीराम लंका पहुंच गए। यह केवल एक सैन्य विजय नहीं थी, बल्कि यह विश्वास, मेहनत और सामूहिक प्रयास की जीत थी।

इस घटना ने यह सिद्ध किया कि जब लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास संगठित हों, तो असंभव लगने वाले कार्य भी संभव हो जाते हैं।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग में जीवन प्रबंधन के कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं, जो आज के समय में भी उतने ही उपयोगी हैं। सबसे पहला और महत्वपूर्ण संदेश यह है कि हमें चमत्कारों या शॉर्टकट पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। जीवन में सफलता अचानक नहीं मिलती, बल्कि निरंतर मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से मिलती है। यदि हम केवल भाग्य या बाहरी सहायता पर भरोसा करेंगे, तो हम अपने वास्तविक सामर्थ्य को कभी नहीं पहचान पाएंगे।

दूसरा संदेश है - आत्मविश्वास बनाए रखना। श्रीराम ने दिखाया कि जब व्यक्ति अपनी क्षमताओं पर भरोसा करता है, तो वह किसी भी समस्या का समाधान खोज सकता है। आत्मविश्वास हमें कठिन परिस्थितियों में भी स्थिर बनाए रखता है और निर्णय लेने की क्षमता देता है।

तीसरा महत्वपूर्ण संदेश है- टीमवर्क। वानर सेना का हर सदस्य सेतु निर्माण के कार्य में शामिल था। नल और नील ने तकनीकी भूमिका निभाई, जबकि बाकी वानरों ने सामग्री एकत्र की। इससे यह स्पष्ट होता है कि बड़े लक्ष्य अकेले पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें सामूहिक प्रयास से ही हासिल किया जा सकता है। चौथा संदेश है कुशल नेतृत्व जरूरी है। श्रीराम ने केवल आदेश नहीं दिए, बल्कि सभी को दिशा दी और टीम के सदस्यों यानी नल-नील की क्षमताओं का सही उपयोग किया। अच्छा नेतृत्व वही होता है जो लोगों को प्रेरित करे और उन्हें उनके सर्वोत्तम योगदान के लिए प्रेरित करे।

पांचवां संदेश है धैर्य और निरंतरता। सेतु निर्माण एक दिन में पूरा नहीं हुआ, इसके लिए लगातार प्रयास और समय लगा। जीवन में भी बड़े लक्ष्य समय और धैर्य मांगते हैं। ध्यान रखें यदि हमारे पास सही सोच, संगठित प्रयास और मजबूत विश्वास हो, तो मुश्किल काम भी आसानी से पूरे हो सकते हैं।

सनातन धर्म के मास्टर माइंड थे आदि शंकराचार्य

जानें 4 दिशाओं में क्यों बनाए चार धाम

आदि शंकराचार्य की जयंती 21 अप्रैल 2026 को है. ये दिन हिंदूओं के लिए खास है, क्योंकि शंकराचार्य ने ही हिंदुओं के एकजुट रहने की नींव रखी थी. बड़ा रोचक है उनका इतिहास

सनातन धर्म में आदि शंकराचार्य को एक महान दार्शनिक, संत और धर्म सुधारक के रूप में जाना जाता है. शंकराचार्य जयंती 21 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी. इस दिन आदि शंकराचार्य की 1238वीं जन्म वर्षगांठ होगी. उन्होंने उस समय हिन्दु संस्कृति को पुनर्जीवित किया, जिस समय हिन्दु संस्कृति अपने पतन की ओर अग्रसर थी. अद्वैत वेदांत का प्रचार-प्रसार किया. आदि शंकराचार्य का इतिहास, उन्होंने भारत में मठों की स्थापना क्यों की आइए जानते हैं.

कौन है आदि शंकराचार्य

आदि शंकराचार्य 8वीं शताब्दी के महान हिंदू दार्शनिक थे, जिनका जन्म केरल के कालड़ी गांव में हुआ था. उनका पूरा नाम शंकर था और उन्हें "आदि" (प्रथम) शंकराचार्य इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने शंकराचार्य परंपरा की स्थापना की. इनके पिता शिवगुरु और माता आर्याम्बा थीं, आदि शंकराचार्य बचपन से ही असाधारण बुद्धिमत्ता के धनी थे. 8 वर्ष की आयु में ही वेदों का ज्ञान प्राप्त कर लिया. कहा जाता है कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र में ही संन्यास ले लिया और ज्ञान की खोज में निकल पड़े.

आदि शंकराचार्य ने चारों दिशाओं में क्यों की मठों की स्थापना

समाज में धार्मिक भ्रम, अलग-अलग मतों के बीच टकराव और वेदों की सही शिक्षा का अभाव के चलते और इन चुनौतियों को दूर करने के लिए मठों की स्थापना आदि शंकराचार्य का एक दूरदर्शी कदम था. आदि शंकराचार्य ने भारत के चारों दिशाओं में मठ (पीठ) केवल धार्मिक केंद्र बनाने के लिए नहीं, बल्कि सनातन धर्म की रक्षा, संगठन और ज्ञान के प्रसार के लिए स्थापित किए थे.

श्रृंगेरी मठ (दक्षिण – कर्नाटक)
द्वारका मठ (पश्चिम – गुजरात)
पुरी मठ (पूर्व – ओडिशा)
ज्योतिर्मठ (बद्रीनाथ) (उत्तर – उत्तराखंड)

आदि शंकराचार्य के विचार

आदि शंकराचार्य के रचित श्लोक आज भी आध्यात्मिक जीवन का मार्ग दिखाते हैं.

ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः॥

अर्थः - ब्रह्म (ईश्वर) ही सत्य है. यह संसार मिथ्या (अस्थायी) है. जीव (आत्मा) और ब्रह्म अलग नहीं हैं.

भज गोविन्दं भज गोविन्दं गोविन्दं भज मूढ़मते. सम्प्राप्ते सन्निहिते काले न हि न हि रक्षति डुकृञ्करणे॥

अर्थ - हे मनुष्य! भगवान गोविंद (श्रीकृष्ण) का भजन करो. केवल व्याकरण या विद्या (ज्ञान का अहंकार) तुम्हें मृत्यु के समय नहीं बचा सकती. जीवन में केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि भक्ति और ईश्वर से जुड़ाव भी आवश्यक है.

गलत दान आपको ही बना देगा गरीब

हिंदू धर्म में दान को बहुत पुण्य का काम माना गया है। कहते हैं कि जरूरतमंद की मदद करने से सकारात्मक फल मिलता है। लेकिन आचार्य चाणक्य ने दान को सिर्फ भावना नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से जुड़ा काम बताया है। चाणक्य के अनुसार दान कई बार लाभ की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है। दान देने वालों के लिए आचार्य चाणक्य की सलाह क्या हैं? चलिए जानते हैं चाणक्य नीति में बताए गए दान के सही और गलत नियम।

दान में समझदारी क्यों जरूरी है

चाणक्य के अनुसार दान करना तभी सफल होता है जब उसमें विवेक हो। कई लोग भावनाओं में आकर अपनी पूरी संपत्ति तक दान कर देते हैं, जिससे आगे चलकर उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। दान हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार ही करना चाहिए।

अयोग्य व्यक्ति को दान देने का नुकसान

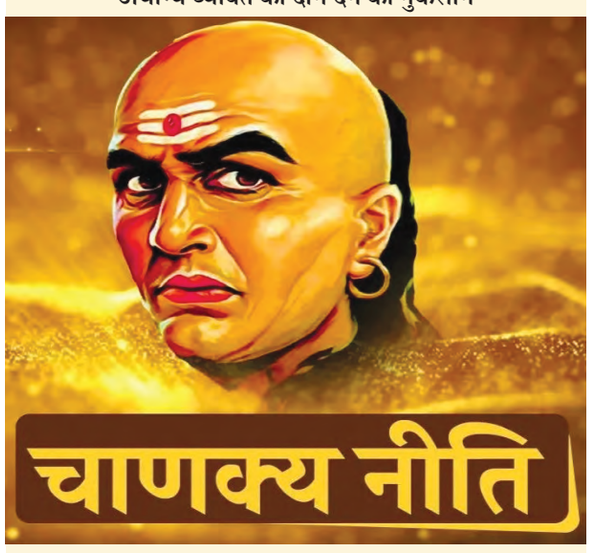

चाणक्य नीति में बताया गया है कि अयोग्य व्यक्ति को दिया गया दान व्यर्थ चला जाता है। अगर कोई व्यक्ति जिम्मेदारी नहीं संभाल सकता, तो उसे बड़ी राशि या कीमती चीज देना नुकसानदायक हो सकता है। दान देने से पहले व्यक्ति की जरूरत और योग्यता को समझना जरूरी है।

कृतघ्न लोगों से बचें

जो लोग उपकार को भूल जाते हैं या आपकी मदद का गलत फायदा उठाते हैं। ऐसे लोग दान लेने के बाद भी आभार नहीं जताते और कई बार गलत सोच रखते हैं। चाणक्य के अनुसार ऐसे लोगों को दान देना अपने ही नुकसान को आमंत्रण देने जैसा है।

दिखावे का दान भी हानिकारक

चाणक्य नीति में यह भी कहा गया है कि केवल दिखावे के लिए किया गया दान वास्तविक पुण्य नहीं देता। कई लोग समाज में अपनी छवि बनाने के लिए दान करते हैं, लेकिन इससे न तो लाभ मिलता है और न ही मानसिक संतुष्टि।

जरूरत और परिस्थिति का ध्यान रखें

चाणक्य कहते हैं कि दान हमेशा जरूरत के अनुसार होना चाहिए। बिना जरूरत समझे दिया गया दान कभी-कभी गलत दिशा में भी जा सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति को वास्तव में सहायता की आवश्यकता हो तभी दान किया जाए।

सही दिन और सही स्थान का महत्व

चाणक्य अनुसार मंदिरों में और शुभ दिनों पर किया गया दान अधिक फलदायी होता है। अलग-अलग दिनों पर अलग देवताओं को दान करने की परंपरा बताई गई है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

क्या है जेड स्टोन?

जेड स्टोन एक लोकप्रिय रत्न है जिसे गुड लक और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे ड्रीम स्टोन भी कहा जाता है क्योंकि यह व्यक्ति के सपनों को साकार करने में मददगार माना जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, यह रत्न जीवन में तरक्की और सफलता लाने में सहायक होता है।

धन और सफलता के लिए कैसे फायदेमंद

जेड स्टोन को धारण करने से व्यक्ति के जीवन में धन के नए अवसर खुल सकते हैं। माना जाता है कि यह व्यापार में लाभ दिलाता है और रुका हुआ पैसा वापस लाने में मदद करता है। इसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होने लगती है।

मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा

इस रत्न को पहनने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम होता है। यह आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता को बढ़ाता है। यही कारण है कि इसे सुख-शांति और संतुलन का प्रतीक भी माना जाता है।

कैसे करें जेड स्टोन धारण

जेड स्टोन को अंगूठी, ब्रेसलेट या पेंडेंट के रूप में पहना जा सकता है। इसे सोने या चांदी में जड़वाना शुभ माना जाता है। अगर इसे पहनना संभव न हो तो इसे तिजोरी, कैश बॉक्स या ऑफिस डेस्क पर भी रखा जा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 अप्रैल - 2026

क्यों नहीं बनी सहमति ?

महिला आरक्षण और चुनाव क्षेत्र परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संसद में सहमति का अभाव केवल एक राजनीतिक असहमति भर नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं और चुनौतियों का भी स्पष्ट संकेत है। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर है कि बड़े और दूरगामी प्रभाव वाले निर्णय व्यापक सहमति से लिए जाएं। लेकिन हाल की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन महत्वपूर्ण सुधारों को लेकर अभी राजनीतिक इच्छाशक्ति और विश्वास का वातावरण पर्याप्त मजबूत नहीं बन पाया है। महिला आरक्षण का मुद्दा लंबे समय से भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संतुलन से भी जुड़ा विषय है। 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों के बीच आरक्षण के स्वरूप और उसके क्रियान्वयन को लेकर मतभेद बने हुए हैं। विशेष रूप से पिछड़े वर्गों और अन्य वंचित समुदायों की महिलाओं के लिए अलग से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग ने इस बहस को और जटिल बना दिया है। इसी के साथ चुनाव क्षेत्र परिसीमन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 1976 के बाद से देश में परिसीमन की प्रक्रिया स्थगित रही है, जबकि इस दौरान देश की जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है। संविधान निर्माताओं की मूल भावना यह थी कि जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व समय-समय पर संतुलित किया जाए, ताकि लोकतांत्रिक ढांचा मजबूत बना रहे। आज कई संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या इतनी अधिक हो चुकी है कि प्रभावी प्रतिनिधित्व एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। परिसीमन को लेकर उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच उभरते मतभेद भी चिंता का विषय हैं। दक्षिण भारत के राज्यों को आशंका है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनकी सफलता के बावजूद परिसीमन के बाद उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी कम हो सकती है। वहीं उत्तर भारत के राज्यों का तर्क है कि बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व बढ़ना लोकतांत्रिक आवश्यकता है। इस प्रकार यह विषय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन और संघीय ढांचे से भी जुड़ गया है। विशेष सत्र में इन मुद्दों पर अपेक्षित सहमति का अभाव यह दर्शाता है कि संवैधानिक संशोधनों जैसे गंभीर विषयों पर अभी भी संवाद और सहयोग की आवश्यकता है। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण होता है विश्वास और सहभागिता का वातावरण। यदि ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय बिना व्यापक सहमति के लिए जाते हैं, तो उनकी स्वीकार्यता और प्रभाव दोनों प्रभावित हो सकते हैं। महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दे केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश के लोकतांत्रिक भविष्य से जुड़े हुए प्रश्न हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल इन विषयों को तात्कालिक लाभ-हानि के नजरिये से देखने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से देखें। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और संतुलित प्रतिनिधित्व वाला परिसीमन भारतीय लोकतंत्र को और अधिक समावेशी तथा प्रभावी बना सकता है। इसलिए यह समय टकराव का नहीं, बल्कि सहमति के साथ आगे बढ़ने का है। तभी लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती सुनिश्चित की जा सकेगी।

मूल्यविहीन होता समाज

रघु ठाकुर

भारतीय राजनीति अब संक्रमण के दौर में नहीं बल्कि पतन के गंभीर दौर में है। संक्रमण का दौर अस्थाई होता है और जिसके अल्पावधि में बदलाव की संभावना होती है। भारतीय राजनीति पिछले कई वर्षों से लगातार पतन की खाई में गहरी धसती जा रही है। जहाँ एक तरफ राजनीति अधोपतन की ओर है वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज भी मानसिक रूप से आमतौर पर मूल्यविहीन और पतनोन्मुख बन रहा है।

एक तो यह दुखद प्रवत्ति उभरी है कि अपवाद छोड़कर बकाया सभी दल परिवारवाद की दिशा में प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से आगे बढ़ रहे हैं। आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने जिस परिवारवाद को और परिवार के केंद्रीयकरण को स्थापित किया था वह अब जनमत के दृरुटिकोण से पराजित हो चुका है। यह मिट भी रहा है परंतु उसका स्थान लोकतांत्रिक नेतृत्व के बजाय परिवार जनित नेतृत्व ही ले रहा है। जम्मू कश्मीर में दो परिवारों के बीच मुकाबला रहता है। एक पीडीपी है और दूसरी नेशनल कांफ्रेंस याने एक मरहूम मुफ्ती मोहम्मद सईद का परिवार दूसरा मरहूम शेख अब्दुल्ला का परिवार। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्य भी ऐसे ही परिवारों से है हालांकि कांग्रेस अब वहाँ फारूक अब्दुल्ला की पिछलग्गू पार्टी है इसलिए उसके नेतृत्व की कोई विशेरुा चर्चा नहीं है। पंजाब में भी प्रकाश सिंह बादल का परिवार है मुकाबले में पहले अमरिंदर सिंह का परिवार था अब दूसरे नए परिवार उभर रहे है। कुछ परिवार तो इतिहास के गर्त में समा चुके है। इसके बावजूद भी अभी उनकी असीम इच्छाएं अंदर अंदर धधक रही है। हरियाणा में भी हुड़ा परिवार, चौधरी देवीलाल का परिवार, दिल्ली में शीला दीक्षित, सुरुामा स्वराज और साहिब सिंह वर्मा का परिवार है। याने मुकाबले में कम से कम राज्यों में तो कांग्रेस और भाजपा तथा अन्य दलों के भी परिवारों के बीच ही मुकाबला है। उत्तर प्रदेश में भी मुलायम सिंह परिवार और मायावती परिवार है और कांग्रेस तो खंडहर परिवारों का समुच्य है। यही स्थिति तमिलनाडू, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महारारुट्र और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों की भी है। बंगाल में अभी चुनावी दृरुटिकोण से मुकाबला ममता और कांग्रेस के परिवार में है। ममता का परिवार भी यद्यपि अभी तक प्रत्यक्ष सत्ता में नहीं पहुँचा है परंतु पहुचने के मार्ग में है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दो योग्यताएं लोगों में चर्चित हैं, एक तो ये कि उनका कोई परिवार नहीं है और दूसरा कि वे पिछड़ी जाति के हैं। यह देश के पिछड़ी जातियों को लुभाता है और परिवार विरोधी मानसिकता को भाजपा के पक्ष में तर्क को बल देता है। हालांकि इसे भी अर्धसत्य माना जाना चाहिए क्योकि एक तो प्रधानमंत्री का एक वैकल्पिक परिवार है, जो संस्था व सरकार को स्थाई नियंत्रित करता है और दूसरा प्रधानमंत्री का पिछड़ी जाति में जन्म लेना संघ और भाजपा की स्थापित सामाजिक शक्तियों को इस अर्थ में फायदेमंद है कि देश में पिछड़ी जातियों का महत्व मोदी के पक्ष में डालने के लिए लुभाता है। हालांकि श्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक के बारह वर्रुों में पिछड़ी जातियों के लिए कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है। यहाँ तक कि रोहिणी आयोग की रिपोर्ट भी वे लागू करना तो दूर उसका सार्वजनिक प्रेक्षण भी नहीं कर पाए है। दरअसल, श्री नरेंद्र मोदी सवर्णवादी शक्तियों के लिए पिछड़ी जातियों को फासने के लिए गारे या दाने के समान है जो केवल फंसाने के काम आता है। भाजपा ने राज्य के स्तर पर परिवार वाद को नया स्वरूप दिया है और संघ के पुराने निरुठावान स्वयंसेवकों के परिवारजनों को योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया है। क्या ये परिवारवाद नहीं है कि महारारुट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के पिता संघ और जनसंघ के जुड़े थे और नागपुर से पारुद चुने गए थे। इसलिये मुख्यमंत्री बने। इसी प्रकार राजस्थान में विजयाराजे सिंधिया का परिवार है याने श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया हैं, कांग्रेस के श्री अशोक गहलोत का परिवार है और ऐसे ही कितने ही छोटे बड़े परिवार है। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष श्री जे पी नक्डा, जबलपुर के संघ के प्रचारक स्वर्गीय बनर्जी और श्रीमती जयश्री बनर्जी के दामाद हैं। अब बिहार के श्री नितिन नवीन को पार्टी का रारुट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है उनके पिता जी भी संघ और जनसंघ के थे और उन्हें पुरस्द्धत किये जाने के पीछे एक कारण ये भी है। बिहार में तो आरजेडी के नेता लालू प्रसाद का पूरा परिवार है। भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शकुनि चौधरी के बेटे हैं और अब श्री नीतीश कुमार के सुपुत्र निशांत कुमार जदयू के नेता हैं। कुल मिलाकर देश की स्थिति ये ही है कि लोकतंत्र का नया सामन्तीकरण हो रहा है और वह परिवारों में सिमट रहा है।

दूसरी दुखद घटना यह है कि उम्मीद थी कि आजादी के बाद लोकतांत्रिक मानस का विस्तार होगा, लोकतंत्र परिपक्व होगा और चुनाव की प्रक्रिया से नया और काबिल नेतृत्व सामने आएगा परंतु यह उम्मीद भी धूमिल हुई है। भारतीय लोकतंत्र आज धनतंत्र, सत्तातंत्र, शक्तितंत्र और जाति तंत्र का बंदी बन गया है। हाल ही की एडीआर रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग की जानकारी प्रकाशित हुई, जिसके अनुसार पिछले वर्रु भारतीय जानता पार्टी को 6600 करोड़ का चंदा मिला है और कांग्रेस पार्टी जो देश के केंद्रीय रंगमंच से पिछले बारह साल से बाहर है और कई राज्यों में सत्ता से बाहर है को लगभग 450 करोड़ रुपया का चंदा मिला है और ऐसी ही अन्य दलों की स्थिति है। उद्योगपति चुनाव के लिए चंदा नहीं देते है बल्कि वे राजनीति में पूंजी निवेश करते है। याने पैसे से जन्मी राजसत्ता और राजसभा से पोरुित पूँजीपतियों का एक गठजोड़ बन गया है। इसकी चक्की में देश पिस रहा है और सभी संवैधानिक संस्थाओं की साख संदिग्ध है। चाहे वह न्यायपालिका हो, कार्यपालिका हो, विधान पालिका हो या फिर चुनाव आयोग हो। अनास्था के समुद्र में देश डूब रहा है।

मतदाता ने भी अपने तात्कालिक लाभ को ही राजनीतिक कर्म मान लिया है। जो भी राजनीति की रिश्वत देगा वहाँ वोट पड़ेगा। वह चाहे मुफ्त बिजली, पानी या राशन हो, लाड़ली बहना हो या कुछ और अब मतदाता का विश्वास राजनीति और राजनेताओं पर नहीं रह गया है। वे नेताओं प्रति विश्वास और आस्था खो चुके है इसलिए जो आज मिलना है वही लेकर अपने वोट का इस्तेमाल करते है।

न्यायपालिका की साख भी गिरावट पर है। हालत यह है कि न्यायपालिका के अंदर से भी आरोप उठ रहे हैं और बाहर से भी, न्यायपालिका न्याय करने के बजाए उपदेशक बन गई है।

राजनीति का स्वरूप घात प्रतिघात का हो गया है। दलों ने अपने आंख और कान पर पट्टे बांध लिए है। वे उतना ही देखते हैं जो उन्हें अपने राजनैतिक आरोप के लिए देखना जरूरी है। पिछले पंद्रह दिनों से दुनिया विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है और युद्ध का फैलाव हो रहा है। इसका असर दुनिया के सभी देशों पर पड़ना स्वाभाविक है चाहे वे शक्तिशाली हो, अमीर हो या गरीब हो।

अतिक्रमण रोकने में सरकारों की सुस्ती

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के साथ-साथ एक गंभीर समस्या लगातार गहराती जा रही है, जिसे हम अतिक्रमण के नाम से जानते हैं। अतिक्रमण केवल जमीन पर अवैध कब्जा नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक संसाधनों, सड़कों, फुटपाथों, जल निकायों और सरकारी भूमि के अनियंत्रित उपयोग का प्रतीक बन चुका है। यह समस्या केवल सौंदर्य और व्यवस्था को प्रभावित नहीं करती, बल्कि इससे यातायात, पर्यावरण, सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक न्याय पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अतिक्रमण की समस्या सबको दिखाई देती है, फिर भी सरकारों और प्रशासन की प्रतिक्रिया अक्सर धीमी, असंगत और अस्थायी होती है। प्रश्न यह उठता है कि आखिर अतिक्रमण रोकने में सरकारों की सुस्ती क्यों बनी रहती है।

भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न समयों पर जारी रिपोर्टों और कार्यक्रमों के संदर्भ में यह तथ्य सामने आता है कि देश की शहरी आबादी लगातार बढ़ रही है और 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की लगभग 31 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में निवास करती थी, जो कि 2021 के अनुमानों में 35 प्रतिशत से अधिक मानी जा रही है। शहरीकरण की इस तीव्र गति के साथ यदि नियोजन और भूमि प्रबंधन समान गति से न हो, तो अतिक्रमण की समस्या स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। जब लोगों को वैध आवास, व्यापार या आजीविका के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलता, तो वे अनौपचारिक रूप से सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना शुरू कर देते हैं। अतिक्रमण की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। कई बार अतिक्रमण करने वाले लोग स्थानीय स्तर पर एक बड़े मतदाता वर्ग का हिस्सा होते हैं। ऐसे में राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से बचते हैं, क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक के प्रभावित होने का भय रहता है। यह स्थिति प्रशासन को भी निष्क्रिय बना देती है, क्योंकि प्रशासनिक अधिकारियों पर अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष राजनीतिक दबाव बना रहता है। परिणामस्वरूप अतिक्रमण हटाने के अभियान या तो शुरू ही नहीं होते, या यदि होते भी हैं तो थोड़े समय बाद ठंडे पड़ जाते हैं।

दूसरा प्रमुख कारण है प्रशासनिक तंत्र की जटिलता और समन्वय की कमी। भूमि प्रबंधन, नगर नियोजन, पुलिस, राजस्व विभाग और स्थानीय निकाय-सभी का इस विषय में अलग-अलग दायित्व होता है। लेकिन इन विभागों के बीच समन्वय का अभाव अक्सर कार्रवाई को धीमा कर देता है। उदाहरण के लिए, यदि नगर निगम अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाना चाहता है, तो उसे पुलिस बल की आवश्यकता होती है। यदि पुलिस सहयोग नहीं करती या पर्याप्त बल उपलब्ध नहीं होता, तो कार्रवाई अधूरी रह जाती है। इसी प्रकार, भूमि के स्वामित्व को लेकर विवाद भी कार्रवाई को जटिल बना देते हैं।अतिक्रमण हटाने में सुस्ती का एक और कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। कई मामलों में अतिक्रमण करने वाले लोग अदालतों का सहारा लेते हैं और स्थगन आदेश प्राप्त कर लेते हैं। जब तक मामला न्यायालय में लंबित रहता है, तब तक प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाता। भारत में न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या अत्यधिक है, और विधि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 तक देश में विभिन्न स्तरों की अदालतों में 4 करोड़ से अधिक मामले लंबित थे। ऐसे में अतिक्रमण से जुड़े मामलों का भी वर्षों तक समाधान नहीं हो पाता, जिससे समस्या बनी रहती है। अतिक्रमण का आर्थिक पहलू भी सरकारों की सुस्ती का एक महत्वपूर्ण कारण है। कई बार अतिक्रमण से अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक गतिविधियाँ जुड़ी होती हैं, जैसे छोटे व्यापारी, ठेला विक्रेता और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक। ये लोग अपनी आजीविका के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करते हैं। यदि प्रशासन अचानक अतिक्रमण हटाता है, तो इन लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित होती है, जिससे सामाजिक असंतोष उत्पन्न हो सकता है। इस कारण सरकारें अक्सर कठोर कार्रवाई से बचती हैं और समस्या को टालने की प्रवृत्ति अपनाती हैं।

भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत यह स्वीकार किया गया है कि शहरी गरीबों के लिए आजीविका के अवसरों की कमी एक बड़ी चुनौती है। जब तक इन लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक अतिक्रमण हटाना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। लेकिन दुर्भाग्य से, पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था के प्रयास अक्सर अपर्याप्त और धीमे होते हैं, जिससे समस्या जस की तस बनी रहती है।

अतिक्रमण की समस्या में भ्रष्टाचार भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई बार स्थानीय स्तर पर अधिकारी और कर्मचारी अतिक्रमण को नजरअंदाज करते हैं या उससे लाभ उठाते हैं। अवैध कब्जों के बदले में रिश्वत लेना या राजनीतिक संरक्षण देना एक आम शिकायत रही है। पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी इस समस्या को और बढ़ाती है। जब तक प्रशासनिक तंत्र में ईमानदारी और सख्ती नहीं होगी, तब तक अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी अतिक्रमण एक गंभीर खतरा है। जल निकायों, नदियों और हरित क्षेत्रों पर अतिक्रमण के कारण बाढ़, जलभराव और प्रदूषण की समस्याएँ बढ़ती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्टों में यह उल्लेख किया गया है कि शहरी जल निकायों के अतिक्रमण और प्रदूषण के कारण जल गुणवत्ता में गिरावट आई है। उदाहरण के लिए, कई शहरों में नालों और झीलों पर अतिक्रमण के कारण वर्षा के समय जल निकासी बाधित हो जाती है, जिससे शहरी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है।

अतिक्रमण रोकने में सुस्ती का एक कारण जन जागरूकता की कमी भी है। जब तक नागरिक स्वयं यह नहीं समझेंगे कि अतिक्रमण उनके ही जीवन को प्रभावित करता है, तब तक इस समस्या का समाधान कठिन है। लोग अक्सर अपनी सुविधा के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करते हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक दुष्परिणामों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह मानसिकता भी अतिक्रमण को बढ़ावा देती है। तकनीकी संसाधनों का अपर्याप्त उपयोग भी इस समस्या को बढ़ाता है। आज के समय में भौगोलिक सूचना प्रणाली, उपग्रह चित्रण और डिजिटल मानचित्रण के माध्यम से भूमि उपयोग की निगरानी की जा सकती है, लेकिन इन तकनीकों का व्यापक और प्रभावी उपयोग अभी भी सीमित है। यदि इनका सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो अतिक्रमण की पहचान और रोकथाम अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। समाधान की दृष्टि से यह आवश्यक है कि सरकारें अतिक्रमण को केवल एक प्रशासनिक समस्या न मानकर इसे एक समग्र सामाजिक-आर्थिक चुनौती के रूप में देखें।

पश्चिम एशिया में सत्ता बचाने का औजार बन गई है जंग

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

इतिहास में युद्ध अक्सर सीमाओं की रक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लड़े जाते रहे हैं। लेकिन कुछ दौर ऐसे भी आते हैं जब युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं रह जाता, बल्कि सत्ता बचाने और राजनीतिक समीकरण बदलने का औजार बन जाता है। पश्चिम एशिया में चल रहा वर्तमान संकट धीरे-धीरे उसी दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है, जहां बारूद की गूंज के पीछे चुनावी रणनीतियों और नेतृत्व की मजबूरियों की आहट भी सुनाई देने लगी है।

7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने अचानक पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई और सैकड़ों नागरिकों को बंधक बना लिया गया। इसके बाद इज़राइल की सैन्य कार्रवाई तेज हुई और गाज़ा एक लंबे संघर्ष का केंद्र बन गया। लेकिन समय बीतने के साथ यह सवाल और गहरा होता गया कि क्या यह युद्ध केवल सुरक्षा का जवाब है या इसके पीछे राजनीति की कोई और कहानी भी छिपी है।

दरअसल, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों, न्यायिक सुधारों को लेकर विवाद और देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों से घिरे हुए थे। उनकी सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे।

ऐसे समय में युद्ध ने अचानक राष्ट्रीय विमर्श की दिशा बदल दी। विरोध की आवाजें धीमी पड़ीं और सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा बन गया। इतिहास बताता है कि संकट के समय जनता अक्सर नेतृत्व के पीछे खड़ी हो जाती है। यही स्थिति यहां भी देखने को मिली।

लेकिन यह संघर्ष केवल गाज़ा तक सीमित नहीं रहा। लेबनान सीमा पर हिजबुल्लाह की सक्रियता ने इस युद्ध को एक बड़े क्षेत्रीय टकराव का रूप दे दिया। उत्तर की सीमा पर लगातार बढ़ते तनाव ने इज़राइल को दो मोर्चों पर सतर्क रहने के लिए मजबूर कर दिया। इससे यह आशंका भी बढ़ी कि यह संघर्ष कभी भी व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है।

इसी बीच ईरान की भूमिका को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज हुई।

पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक निर्णायक शक्ति रहा है। खासकर होरमुज़ जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक क्षेत्र में उसकी मौजूदगी पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ऐसे में यदि इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

युद्ध के इस फैलते दायरे का असर अमेरिका की राजनीति पर भी साफ दिखाई देने लगा है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव का माहौल बन रहा है और विदेश नीति हमेशा वहां चुनावी बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार मौजूदा रणनीतियों पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि उनके समर्थकों का एक वर्ग इस युद्ध को अनावश्यक मानता है। इससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया का संकट अब केवल अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि अमेरिकी चुनावी विमर्श का भी हिस्सा बन चुका है।

यह पहली बार नहीं है जब युद्ध और राजनीति का रिश्ता इतना स्पष्ट दिखाई दे रहा हो। इतिहास में कई उदाहरण मिलते हैं जब संकट के समय नेतृत्व ने अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए युद्ध का सहारा लिया।

लेकिन आज की दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। इसलिए किसी एक क्षेत्र का युद्ध अब केवल स्थानीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

सबसे चिंताजनक पहलू इस पूरे संघर्ष का मानवीय पक्ष है। हजारों निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, लाखों लोग बेघर हो चुके हैं और एक पूरी पीढ़ी असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हो गई है।

इसके बावजूद राजनीतिक बयानबाजी और रणनीतिक लाभ-हानि की चर्चा लगातार जारी है। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या आधुनिक विश्व व्यवस्था में मानवता का स्थान अब पीछे छूटता जा रहा है। आज पश्चिम एशिया का संकट केवल एक युद्ध नहीं है।

यह वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला मोड़ बनता जा रहा है।

यदि युद्ध धीरे-धीरे चुनावी रणनीतियों और सत्ता संतुलन का हिस्सा बनता गया, तो आने वाले वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां और बढ़ सकती हैं।

युद्ध कभी स्थायी समाधान नहीं देता। वह केवल अस्थायी संतुलन बनाता है। स्थायी समाधान हमेशा संवाद, कूटनीति और विश्वास से ही निकलते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि वैश्विक नेतृत्व युद्ध को रणनीति नहीं, अंतिम विकल्प के रूप में देखे। आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है । क्या युद्ध भविष्य तय करेगा या राजनीति शांति का रास्ता चुनेगी? यही प्रश्न आने वाले समय की दिशा भी तय करेगा और इतिहास का फैसला भी।

समय का वह अनमोल पड़ाव जहाँ हर आरंभ अक्षय हो जाता है

कृति जैन

जब समय अपने सामान्य प्रवाह से आगे बढ़कर किसी विचार और विश्वास का वाहक बन जाता है, तब एक साधारण दिन भी विशेष अर्थ ग्रहण कर लेता है। अक्षय तृतीया उसी विशेषता का सजीव उदाहरण है, जहाँ शुरुआत को केवल आरंभ नहीं बल्कि निरंतर परिणाम देने वाली प्रक्रिया माना जाता है। वैशाख शुक्ल तृतीया को मनाया जाने वाला यह पर्व किसी सीमित परंपरा या क्षेत्र का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरे भारत में फैली उस सांस्कृतिक समझ का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें हर शुभ कार्य को स्थायित्व और विस्तार से जोड़ा जाता है। यह अवसर नए कार्यों की शुरुआत, दान, आर्थिक निर्णयों और सामाजिक व्यवहार के ऐसे संतुलन को जन्म देता है जहाँ परंपरा और जीवन अनुभव मिलकर एक सामूहिक विश्वास का रूप ले लेते हैं।

प्राचीन भारतीय परंपराओं में अक्षय तृतीया को अत्यंत शुभ और महत्वपूर्ण तिथि माना गया है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग से त्रेतायुग का परिवर्तन हुआ था, इसलिए इसे समय-चक्र का प्रमुख पड़ाव माना जाता है। भगवान विष्णु के परशुराम अवतार से जुड़ी घटनाएँ भी इसे विशेष बनाती हैं, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष कर व्यवस्था की स्थापना में भूमिका निभाई। इसी तिथि पर गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की कथा भी प्रचलित है, जिसने जीवन में शुद्धता और कल्याण की भावना को सुदृढ़ किया। महाभारत की रचना की शुरुआत और गणेश जी द्वारा उसे लिपिबद्ध किए जाने का उल्लेख भी इसी दिन से जुड़ा है। जैन परंपरा में भी यह दिन महत्वपूर्ण है, जहाँ तीर्थंकर ऋषभदेव द्वारा दीर्घ तपस्या के बाद उपवास समाप्त करने की घटना इसे धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से और अधिक अर्थपूर्ण बनाती है। अक्षय तृतीया को "अबूझ मुहूर्त" कहा जाना इसे और भी विशेष बनाता है, जहाँ शुभ कार्यों के लिए किसी अतिरिक्त समय या गणना की आवश्यकता नहीं रहती। विवाह, गृह प्रवेश, व्यापार आरंभ, संपत्ति क्रय या नई योजनाओं की शुरुआत- इन सभी को इस दिन स्वाभाविक रूप से सफल माना जाता है। इसी कारण बाजारों में स्वर्ण और रजत की खरीदारी का उत्साह बढ़ जाता है, क्योंकि इसे स्थिर समृद्धि का प्रतीक समझा जाता है। दान की परंपरा भी इस दिन विशेष महत्व रखती है, जिसमें अन्न, वस्त्र, जल, छाता और आवश्यक वस्तुओं का दान सामाजिक संतुलन और सहयोग की भावना को मजबूत करता है।

इस प्रकार यह दिन आस्था और व्यवहार को एक सूत्र में जोड़कर जीवन को दिशा देता है। अक्षय तृतीया का रूप भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दिखाई देता है, पर उसका संदेश एक ही रहता है। राजस्थान में लोकगीत और उत्सव इस दिन को सामाजिक आनंद से भर देते हैं। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में मंदिरों के विशेष दर्शन और आयोजन भक्तिमय वातावरण बनाते हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में किसान कृषि कार्य की नई शुरुआत करते हैं, जहाँ बीज बोना भविष्य की दिशा तय करने जैसा माना जाता है। हरियाणा और पंजाब में पारिवारिक और सामाजिक आयोजनों का विशेष महत्व रहता है। उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा की शुरुआत इस पर्व को आध्यात्मिक यात्रा का केंद्र बना देती है। पश्चिम भारत में अक्षय तृतीया का संबंध आर्थिक गतिविधियों और परंपरागत व्यवहार से गहराई से जुड़ा है।

महाराष्ट्र और गुजरात में इसे शुभ मुहूर्तों में विशेष स्थान दिया जाता है, जहाँ व्यापारी नए लेखा-जोखा की शुरुआत करते हैं और महिलाएँ पारिवारिक समृद्धि के लिए पूजा करती हैं। हल्दी-कुमकुम जैसे सामाजिक अनुष्ठान संबंधों को मजबूत बनाते हैं। सोना-चांदी की खरीद को स्थायी निवेश और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है।

वो बंद अलमारी

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के उस सबसे पुराने मोहल्ले की आखिरी गली में, जहाँ सूरज की रोशनी भी पड़ोसियों से इजाजत लेकर दाखिल होती थी, दीनदयाल जी का पुश्तैनी मकान खड़ा था। घर के भीतर एक गूँजती हुई खामोशी थी, जिसे मोहल्ले के लोग 'मर्यादा' कहते थे। दीनदयाल जी ने अपने पैंसठ सालों में कभी पलकें गीली नहीं कीं। उनके लिए पत्थर होना ही पुरुषार्थ का पर्याय था। उनके घर में भावनाओं का प्रवेश वैसे ही वर्जित था जैसे किसी मंदिर में चप्पल-जूतों का। उनका बेटा, जो अब खुद एक पिता बन चुका था, बचपन में जब घुटने छिलने पर सिसकता, तो दीनदयाल जी की कड़कती आवाज़ गूँजती, ₹भीतर ले जाओ इसे, मर्द की आँख का पानी खानदान की साख बहा देता है। वह घर एक ऐसा अजायबघर बन गया था जहाँ संवेदनाएं कांच के बक्सों में बंद थीं, जिन पर धूल जमी थी और चाबी कहीं खो गई थी। रिश्तों की उस सूखी ज़मीन पर तंज का नमक छिड़कना दीनदयाल जी की पुरानी आदत थी। मोहल्ले में जब कोई नौजवान अपनी प्रेमिका के विरह में या किसी शोक सभा में सुबकता, तो दीनदयाल जी अपनी लाठी ठोकते हुए कहते, आजकल की नस्ल के नल की टोटी ढीली हो गई है, ज़रा सा दबाव पड़ा नहीं कि रिसने लगती है। घर की दीवारों पर लगी पूर्वजों की तस्वीरें भी शायद अपनी कठोरता पर गर्व करती होंगी कि उन्होंने सदियों से इस वंश की सूखी आँखों की परंपरा को सहेज कर रखा है। एक शाम अचानक घर के आंगन में चीख-पुकार मच गई। दीनदयाल जी के इकलौते पोते की देह ठंडी पड़ चुकी थी। पूरा मोहल्ला उमड़ पड़ा। स्त्रियाँ छाती पीट रही थीं, बेटा बदहवास फर्श पर गिर गया था। हर आँख से सावन बरस रहा था, पर दीनदयाल जी पत्थर की मूर्ति बने बरामदे में बैठे थे। उनकी आँखों में वही चिर-परिचित सूखापन था। लोग कानाफूसी करने लगे कि क्या यह आदमी वाकई इंसान है या मिट्टी का ढेला? क्या इसकी धमनियों में खून नहीं, पानी दौड़ता है? श्मशान की ओर बढ़ते कदमों के बीच भी उनके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। वे उस दुखद नाटक के सबसे तटस्थ दर्शक थे। उनकी खामोशी एक भयावह रहस्य की तरह गहरा रही थी। अंत्येष्टि के समय जब अग्नि की लपटें आसमान चूमने लगीं, तब भी वे निर्विकार खड़े रहे, जैसे किसी लंबी यात्रा की थकान उतार रहे हों। घर लौटने के बाद जब सन्नाटा पूरी तरह पसर गया, तब दीनदयाल जी अपने उस बंद कमरे में गए जहाँ उनके सिवा किसी को जाने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने भीतर से सांकल चढ़ाई। अलमारी के सबसे पीछे छिपे एक पुराने लोहे के संदूक को निकाला। कमरे के बाहर सिसकियों की आवाज़ें अब भी आ रही थीं।

उन्होंने कांपते हाथों से संदूक खोला। भीतर कोई गहना या वसीयत नहीं थी, बल्कि कांच की सैकड़ों छोटी-छोटी शीशियां थीं, जिन पर तारीखें लिखी थीं। उन्होंने आज की तारीख वाली एक खाली शीशी उठाई और उसे अपनी आँखों के नीचे सटा दिया। अचानक, जैसे कोई बांध टूट गया हो। उनकी आँखों से रक्त-रंजित जल की बूंदें नहीं, बल्कि पिघला हुआ कांच गिरने लगा। वे चीख नहीं रहे थे, बस वो शीशी भर रहे थे।

'ट्रेंडी ब्लाउज' का फैशन

साड़ी और लहंगा ऐसे आऊटफिट्स है जिसका फैशन कभी आऊट नहीं होता। इंडियन वॉर्डरोब में साड़ी और लहंगे-चोली की खास जगह है। फिर वह कोई टैडिशनल इवेंट हो या शादी का

लिए फंक्शन, महिलाओं की पहली च्वाइस साडी या लहंगा पहनने की ही होती है। लहंगे और साड़ी का स्टाइल समय के साथ बदलता रहता है कभी हैवी तो कभी सिंपल सॉबर साड़ी पहनने का ट्रेंड आ जाता है, लेकिन इन दोनों ही डैस को डिफरेंट गैटअप देता है स्टाइलिश-सा ब्लाउज। ब्लाउज अगर टैंडी और फैशनेबल होगा तो लहंगा और साड़ी अगर सिंपल भी होंगे तो भी ग्रेसफुल लगेंगे। पेश हैं कुछ ट्रेंडी ब्लाउज डिजाइन्स जो इस समय खूब पसंद किए जा रहे हैं।

स्ट्रैपलैस ब्लाउज

स्ट्रैपलैस ब्लाउज यानी कि बिना स्लीव का ब्लाउज। इसका सही फिटिंग में होना जरूरी है। फिटिंग खराब होगी तो फिगर भी खराब दिखेगा और आप अनकम्फर्टेबल भी रहेंगी। चैता बच्चन ने अलग- अलग मौकों पर रेड कलर की बांधनी साड़ी और पिंक कलर के हैवी लहंगे के साथ इस तरह के ब्लाउज पहने थे। इस तरह के ब्लाउज को ट्यूब ब्लाउज भी कहते हैं।

पेपलमब्लाउज

पेपलम ब्लाउज, फुल लैथ टॉप की तरह होते हैं जिसकी किनारी पर फ्रित लगी होती है। फिल की लम्बाई बडी-छोटी आप अपनी पसंद से एडजस्ट करवा सकती है। इस तरह के ब्लाउज काफी पसंद किए जा रहे हैं। साड़ी-लहंगे के साथ ही नहीं बल्कि प्लाजो-सूट व जीस के साथ भी पेपलम ब्लाउज काफी अच्छे लगते हैं।

विंटेज स्टाइल पफ स्लीव्स ब्लाउज

विंटेज स्टाइल ब्लाउज भी सुंदर लगते हैं और अब ये ट्रेड में भी हैं। विंटेज लुक के लिए ट्रांसपेरेंट पफ स्लीव्स वाला ब्लाउज स्टिच करवाएं। अगर आपकी साडी और लहंगा सिपल है तो इसके साथ एफ स्लीव्स ब्लाउज ट्राई करें, इससे सिंपल साड़ी और लहंगा भी ग्रेसफुल लगेगे।

ब्लाउज विद जैकेट

इस तरह के ब्लाउज भी काफी टैंड में है। साडी या लहंगे के साथ सिंपल ब्लाउज स्टिच करवाएं, साथ ही में मैचिंग जैकेट। जैकेट आप शॉर्ट भी रख सकती हैं और लॉन्ग भी। जैकेट की जगह केप भी पहना जा सकता है। इस तरह के ब्लाउज स्टाइलिश के साथ बेहद कम्फर्टेबल भीहोते हैं।

ऑफ शोल्डर ब्लाउज

हाल ही में हुए नीता अंबानी के कल्चरल इवेंट में आलिया भट्ट सिल्वर-ग्रे साड़ी पहने पहुंची थी, इसके साथ आलिया ने मैचिंग सिल्वर ऑफ शोल्डर ब्लाउज पहना था। वहीं अगर बोल्ड लुक चाहती है तो इशिता दत्ता जैसे इस तरह के ब्लाउज को भी ट्राई कर सकती है।

'नैनोटैक्नोलॉजी' में रोजगार के अवसर

टैक्नोलॉजी की ही एक ब्रांच है नैनोटेक्नोलॉजी। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटैक्नोलॉजी क्या है?

नैनोटैक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है, जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन रसायन विज्ञान से लेकर कम्प्यूटर विज्ञान तक- अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.एससी; नैनोटैक्नोलॉजी में एम.टेक; सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एम.टेक; नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एम.टेक।

अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है।

नैनोटैक्नोलॉजी टैक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

नैनोटैक्नोलॉजी डिग्री क्या है? नैनोटैक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमैडिकल, कैमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर साइंस में बी.टेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी. एससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मास्टर पाठ्यक्रम : नैनोटैक्नोलॉजी में एम.एससी; डॉक्ट्रेट पाठ्यक्रम : नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी; नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी।

नैनोटैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बी.एससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक/ जैव चिकित्सा/ रसायन/ जैव प्रौद्योगिकी/ इलैक्ट्रॉनिक्स / कम्प्यूटर विज्ञान में बी.टेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बी.टेक एम.टेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्या स्कोप है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आई.टी. और इंटरनैट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बेंगलूर और चेन्नई आई.टी. और मैडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टैक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटैक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटैक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिक के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटैक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं, उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर हैं। पी. एचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

नैनोटैक्नोलॉजिस्ट, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, प्रोफैसर, इंजीनियर, चिकित्सा वैज्ञानिक, खाद्य वैज्ञानिक से लेकर सैमीकंडक्टर उद्योग, विनिर्माण उद्योग में भी मौके हैं।

'करियर चुनते समय' ध्यान रखें ये टिप्स

एक अच्छा करियर विकल्प बेहतर भविष्य की सीढ़ी की तरह होता है। अच्छे परफॉर्मेंस की रेस और बोर्ड परीक्षा में स्कोर करने के लिए एक छात्र को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, इसका फल तभी मिलेगा जब वह सही करियर का रास्ता चुने।

करियर का चुनाव करने से पहले मार्कीट रिसर्च अच्छा ऑप्शन है। आप जिस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में पूरी जानकारी लें जैसे उसकी पढ़ाई कहां- कहां से हो सकती है, कहां कितनी फीस ली जा रही है, उस कोर्स के बाद क्या और कहां जॉब ऑप्शन्स हैं, फ्यूचर में इसका कितना स्कोप है आदि।

अक्सर छात्र दोस्तों या परिवार से प्रभावित होकर भेड़ चाल यानी दोस्तों के पीछे-पीछे बेहतर करियर की तलाश में निकल पड़ते हैं। कई बार यह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है लेकिन इससे अच्छा है कि आप खुद पर विश्वास रखें और अपनी योग्यता, क्षमता, श्रुचि और ज्ञान के आधार पर सही करियर का चुनाव करें।

उन चीजों की लिस्ट बनाएं जिन्हें आप पसंद और नापसंद करते हैं। उदाहरण के लिए आपको कौन से विषय ज्यादा पसंद हैं, क्या आप आर्ट्स में रुचि रखते हैं, क्या आप साहसी हैं, क्या आप कम्प्यूटर और प्रोग्रामिंग आदि में रुचि रखते हैं।

'आत्मविश्वास' के साथ दें इंटरव्यू

आप चाहे किसी भी पोस्ट व स्तर पर इंटरव्यू देने जा रहे हो, चाहे आपका पहला इंटरव्यू हो या तीसरा व चौथा लेकिन अमूमन हर कोई अपने इंटरव्यू से पहले नर्वस होता ही है। इंटरव्यू से पहले थोड़ी घबराहट होना स्वाभाविक भी है।

आपके मन में इंटरव्यू में अपना चयन सुनिश्चित करने को लेकर ढेरों सवाल है, तो आइए जानते हैं प्रभावशाली तरीके से इंटरव्यू देने के टिप्स केवल योग्य होना ही आपके चयन की गारंटी नहीं है। आपका व्यक्तित्व भी प्रभावशाली होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपने लुक्स पर भी ध्यान देना चाहिए।

आप खुद का और आपकी बातों की प्रस्तुति किस प्रकार से करते है, यह भी इंटरव्यू में आपकी कामयाबी के लिए बहुत मायने रखता है।

इंटरव्यू में अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि आप पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं? इस तरह के प्रश्न आपके आत्मविश्वास को पखने के लिए पूछे जाते हैं, इसीलिए उनके जवाब आत्मविश्वास से भरे और तार्किक होने चाहिएं।

इंटरव्यू में जाते हुए यह याद रखें कि 'फर्स्ट इम्प्रैशन इज द लास्ट इम्प्रैशन।' कई बार आपके कपड़े भी आपका बना- बनाया काम बिगाड़ देते हैं इसलिए कपड़े ऐसे पहनें जो प्रैस किए हुए हों। इंटरव्यू पर जाने के वक्त फॉर्मल कपड़े पहनने चाहिएं।

सकारात्मक और नकारात्मक बातों का हमेशा ध्यान रखें। कभी भी इंटरव्यू में अपनी कमजोरी छुपाए नहीं। हां, इतना जरूर बताएं कि आप अपने इस नकारात्मक बिंदू को पहचानते हैं और उससे निकलना चाहते हैं।

कई स्टूडेंट्स का विदेश में जाकर पढ़ाई करने का सपना होता है। अगर आप भी विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी करनी चाहती हैं तो आप किस तरह से फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

विदेश में ऐसी कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज हैं जो हायर एजुकेशन के लिए बेस्ट माने जाते हैं। अगर आप भी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहती है, लेकिन आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि किस तरह से इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करनी चाहिए तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

फीस की पूरी जानकारी हासिल करें

आपको जिस भी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करनी है उसकी सारी डिटेल्स पता करें। यूनिवर्सिटी में कौन-कौन से कोर्स ऑफर किए जाते हैं इसके बारे में पता करने के साथ-साथ फीस के बारे में भी पूरी जानकारी हासिल करें। इसके बाद आपको फीस के अनुसार अपना बजट तय करना होगा। (विदेश में करना चाहती हैं पढ़ाई तो आसानी से इन सरकारी स्कीम में करें अप्लाई)इसके अलावा यह भी पता करें कि यूनिवर्सिटी किसी प्रकार की स्कॉलरशिप देती है या नहीं। आपको बता दें कि कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटीज तो स्कॉलरशिप में फीस का हिस्सा पूरी तरह से माफ कर देती हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स को सिर्फ विदेश में रहने के लिए ही खर्च करना पड़ता है।

बजट तय करना है जरूरी

विदेश में पढ़ाई पूरी करने के लिए सही तरह से बजट बनाना बहुत जरूरी होता है। इसमें आपको विदेश में रहने का खर्च और अन्य खर्चों को ध्यान में रखना होगा। अगर आप लोन लेने पर विचार कर रही हैं तो लोन लेने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि जो लोन आप लेंगी उसमें क्या-क्या कवर होगा। साथ ही आपको विदेश में पार्ट टाइम जॉब के लिए भी अप्लाई करना चाहिए। इससे आपके विदेश में रहने का खर्च आप संभाल पाएंगी।

आपको यह भी बता दें कि आप जिस भी जगह पढ़ाई के लिए जा रही हैं वहां के नियम-कानून के बारे में पहले से पता कर लें क्योंकि कुछ देशों में ऐसा भी है जहां जॉब करने की छूट नहीं होती है।

पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें

ज्यादातर लोग एजुकेशन लोन ले तो लेते हैं पर उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं होती है कि उनकी पढ़ाई पर कितना खर्च हो रहा है इसलिए यह जरूरी है कि आप पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें और साथ ही लोन के री-पेमेंट की स्ट्रैटेजी को बनाएं।

इन सभी टिप्स की मदद से आप विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी कर सकती हैं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

नए युग का भारत और बदलती शिक्षा

डॉ. विजय गर्ग

आज का भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में जाना जा रहा है। किसी भी देश की प्रगति का आधार उसकी शिक्षा प्रणाली है। उड़ता हुआ भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब हमारी शिक्षा प्रणाली उड़कती हो, अर्थात समय की हानी और अग्रगामी हो। आज भारत अपनी पुरानी परंपराओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत आज एक तेजी से विकासशील देश है, जिसे अक्सर 'उत्साही भारत' कहा जाता है। अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, उद्योग और अंतर्विषयक क्षेत्र में प्रगति ने देश को वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थान दिया है। लेकिन इस उभरते भारत की असली ताकत उसकी शिक्षा प्रणाली में छिपी हुई है। यदि शिक्षा उच्च उड़ान भरती है, तो देश भी नई ऊंचाइयों को छूता है।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की नींव है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव से ऑनलाइन शिक्षा ने नया रूप ले लिया है। स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म

और डिजिटल सामग्री ने छात्रों के लिए सीखना आसान और दिलचस्प बना दिया है। अब शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छात्र दुनिया भर की जानकारी तक पहुंच सकते हैं।

नई शिक्षा नीति ने भी शिक्षण को अधिक लचीला और छात्र-केंद्रित बनाने का प्रयास किया है। कौशल आधारित शिक्षा, रचनात्मकता और नवविचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये परिवर्तन छात्रों को न केवल नौकरियों के लिए बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

लेकिन इस उड़ती हुई शिक्षा के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। गांवों में अभी भी डिजिटल उपकरणों की कमी है, और शिक्षा की गुणवत्ता में असमानता भी दिखाई देती है। बहुत से बच्चे अभी भी बुनियादी सुविधाओं से दूर हैं। यदि भारत को वास्तव में आगे बढ़ाना है, तो शिक्षा को हर कोने तक पहुंचाया जाना चाहिए।

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि अच्छे नागरिक बनाने का माध्यम भी है। जब शिक्षा उच्च स्तर पर पहुंचती है, तो समाज में विचारशीलता, नैतिकता और सहयोग की भावना भी बढ़ती है।

पंजाब और शैक्षिक क्रांति यदि हम पंजाब की बात करें, तो यहां भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। 'स्कूल ऑफ एमिनेन्स' जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों का महाराज बदल दिया है। छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं (जेई/एनआईटी) के लिए तैयार करना और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजना इस 'उड़ती हुई शिक्षा' के जीवित उदाहरण हैं। चुनौतियां और समाधान यद्यपि हम प्रगति कर रहे हैं, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं:

अमीर-गरीब का अंतरः महंगी निजी शिक्षा के कारण गरीब बच्चों के लिए उच्च शिक्षा अभी भी एक सपना है।

बुनियादी ढांचा: कई ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और बिजली की कमी डिजिटल शिक्षा के लिए एक बाधा है।

मानसिक स्वास्थ्यः परीक्षाओं का बढ़ता बोझ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, जिसके लिए शिक्षा प्रणाली में 'भावनात्मक शिक्षा' को शामिल करना अनिवार्य है।

अंत में, भारत का विकास, उड़ती हुई शिक्षा एक सुंदर सपना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकती है। यदि हम सभी मिलकर शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। यही वह रास्ता है जो भारत को वास्तव में सार्वभौमिक बनाता है।

विराट कोहली के लाइक पर

जर्मन मॉडल ने तोड़ी चुप्पी

मुझे उनके लिए बुरा लगा, इतना बड़ा मुद्दा कैसे बन गया, समझ नहीं आया

जर्मन मॉडल लिजलाज की फोटो को कथित रूप से लाइक करने को लेकर विराट कोहली चर्चा में आ गए। लिजलाज ने इस पर रिएक्ट करते हुए बताया कि उन्हें इस बारे में खबरों से पता चला। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए लिजलाज ने कहा, 'मैं सुबह उठी तो देखा कि मैं खबरों में हूं। मुझे नहीं पता था कि विराट ने कब फोटो लाइक की। लोगों ने अलग-अलग प्लेटफॉर्म की खबरें मुझे भेजीं। मुझे बहुत सारे मैसेज मिले और लोग काफी उत्साहित थे।' उन्होंने बताया कि भारत यात्रा के दौरान उन्हें क्रिकेट के बारे में पता चला, जब वह पहली बार भारत आई थीं और यहां कई महीनों तक रहीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडिया, गोवा, मैसूर, कुर्ग, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद समेत कई जगहों की यात्रा की।

लिजलाज ने कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने अपने बेंगलुरु के दोस्तों के साथ मैच देखना शुरू किया और वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की फैन बन गईं। इसी दौरान उन्होंने विराट कोहली को खेलते देखा और उन्हें पसंद किया।

बाद में विराट द्वारा फोटो अनलाइक किए जाने पर लिजलाज ने कहा, 'मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा लगा। मुझे खुशी थी कि उन्होंने लाइक किया, लेकिन यह इतना बड़ा मुद्दा कैसे बन गया, समझ नहीं आया। शायद उनका ऐसा इरादा नहीं था, फिर भी मैं उनके सपोर्ट की सराहना करती हूं।'

लिजलाज का दावा-वायरल होने के बाद बढ़े ऑफर्स

लिजलाज ने दावा किया कि इस घटना के बाद उन्हें काम के कई ऑफर्स मिले हैं, लेकिन वह फिलहाल सोच-समझकर फैसला लेना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह म्यूजिक और व्लॉगिंग को लेकर सीरियस हैं और भारत में मौके मिलने पर फिर से आने पर विचार कर सकती हैं।

फोटोग्राफर ने स्क्रीनशॉट शेयर किए थे

बता दें कि लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए दावा किया कि विराट के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की एक पुरानी फोटो को लाइक किया गया।

'हम और हमारी दुआएं'

> बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताते दिखे नयनतारा और विग्नेश शिवन

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार नयनतारा और विग्नेश शिवन की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर पर्सनल लाइफ से जुड़ी झलकियां और फैमिली फोटोज शेयर करती दिखती हैं। आज शनिवार को एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्हें और विग्नेश को अपने जुड़वा बच्चों के साथ कीमती पल बिताते देखा जा सकता है।

नयनतारा ने शेयर कीं फैमिली फोटोज

नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। फोटोज में नयनतारा, विग्नेश शिवन और उनके बच्चे- उयिर और उलगम नजर आ रहे हैं। जुड़वा बच्चों ने मैचिंग ग्रीन शर्ट पहन रखी है। नयनतारा ब्लैक ट्राउजर और ब्लू प्रिंट की व्हाइट शर्ट में नजर आ रही हैं। विग्नेश ब्लैक टीशर्ट और ट्राउजर में देखा जा सकते हैं। तस्वीरों के साथ नयनतारा ने लिखा है, 'हम और हमारी दुआएं'।

फैंस ने लुटाया प्यार

नयनतारा के इस पोस्ट पर नेटिजंस के रिएक्शन आ रहे हैं। यूजर्स बच्चों को प्यार और दुआएं दे रहे हैं। साथ ही नयनतारा के लुक की तारीफ कर रहे हैं। यूजर लिख रहे हैं, 'लेडी सुपरस्टार का मॉम अवतार'। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपके परिवार को किसी की नजर न लगे। ऐसे ही खुशियां बनी रहें'।

हेरा फेरी 3 फिलहाल नहीं बन रही है

अक्षय कुमार ने किया कन्फर्म; बोले-कुछ बातें ऐसी हैं, जो नहीं बता सकते

एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में बताया कि फिल्म हेरा फेरी 3 फिलहाल नहीं बन रही है। यह बात अक्षय ने शुभांकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कही।

इंटरव्यू में अक्षय ने माना कि इस खबर से फैंस को झटका लगा है और उन्हें खुद भी उतना ही झटका लगा था। अक्षय ने बताया कि फिल्म में देरी की वजह सिर्फ कास्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि कई और समस्याएं हैं, जिनकी वजह से प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पा रहा। एक्टर ने यह भी साफ किया कि तीनों कलाकारों के साथ आने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वेलकम टू द जंगल में वो, सुनील शेट्टी और परेश रावल एक साथ काम कर रहे हैं।

कुछ बातें ऐसी हैं, जो नहीं बता सकते : अक्षय

अक्षय ने आगे कहा कि कुछ बातें ऐसी हैं, जिन्हें वो कैमरे पर नहीं बता सकते। उन्होंने समझौतों और दूसरे कारणों का जिक्र किया, जो इस फिल्म को पीछे धकेल रहे हैं। हालांकि, अक्षय ने उम्मीद जताई कि जब सही समय आएगा, तब हेरा फेरी 3 जरूर बनेगी।

उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि उम्मीद है तब तक वे सभी बहुत बूढ़े नहीं हो जाएंगे। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें परेश रावल का फिल्म से अलग होना भी शामिल था। हालांकि बाद में वो फिल्म से जुड़ गए। पहली फिल्म, हेरा फेरी, जिसे प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया था, 2000 में रिलीज हुई थी, जबकि इसके सीक्वल, फिर हेरा फेरी, जिसे नीरज वोरा ने डायरेक्ट किया था, 2006 में रिलीज हुई थी।

> 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी जंग <

दीपिका और रणवीर के काम करने के तरीके में बड़ा अंतर

हिंदी सिनेमा में आठ घंटे काम करने का मुद्दा दोबारा गरमा गया है। दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद सिनेमा में आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी। उनका कहना था कि इंडस्ट्री में 8 घंटे से ज्यादा काम करने को प्रतिबद्धता मान लिया गया है।

वहीं इस मुद्दे को दोबारा हवा देते हुए कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस का सपोर्ट किया, जिसके बाद इंडस्ट्री में दोबारा 8 घंटों की शिफ्ट को लेकर बहस छिड़ गई है लेकिन क्या आप जानते हैं कि काम के मामले में दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह दोनों की राय बहुत अलग है। दीपिका पादुकोण जहां आठ घंटे की शिफ्ट को मेंटल और फिजिकल हेल्थ से जोड़कर देखती हैं, वहीं रणवीर सिंह के लिए काम ही सब कुछ है। उन्होंने धुरंधर में लगातार बिना ब्रेक लिए काम किया था। जिसका खुलासा, वे कई पोस्ट में कर चुके हैं। निर्देशक आदित्य धर ने खुद बताया था कि रणवीर सिंह समेत पूरी टीम ने 16-18 घंटे काम किया था। वहीं अभिनेता ने एक पुराने इंटरव्यू में भी खुलासा किया था कि उनकी वजह से उनके बाकी को-स्टार को भी परेशानी होती थी, क्योंकि वह आठ घंटे की शिफ्ट पर यकीन नहीं करते। उन्होंने कहा था, हिंदी सिनेमा में या एक फिल्म को बनाने में आठ घंटे में काम कर पाना बहुत मुश्किल है, तो थोड़ा ज्यादा कर लो शूटिंग, क्योंकि मैं काम को 'ट्रांजेक्शन' या सिर्फ एक लेन-देन के रूप में नहीं देखता।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि मेरे को-स्टार भी मुझसे परेशान हैं क्योंकि उनको लगता है कि मेरी वजह से उन्हें भी शिफ्ट से ज्यादा काम करना पड़ेगा और मैं सिनेमा के शिफ्ट स्टैंडर्ड को खराब कर रहा हूं, लेकिन अगर जो चीज हमें सीन के लिए चाहिए, अगर वह आठ घंटे में नहीं निकली तो क्या हुआ, थोड़ा सा और कर लो शूटिंग।

बता दें कि रणवीर सिंह का बयान दीपिका पादुकोण के बयान से पहले आया था, जब दोनों साथ में कई फिल्में कर रहे थे। हालांकि दीपिका के बयान का बहुत सारे सिलेब्स ने सपोर्ट किया, सिवाय रणवीर सिंह के। जबकि संदीप रेड्डी वांगा और फराह खान जैसे निर्देशकों ने जमकर विरोध किया। यही कारण था कि दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' को ठुकरा दिया था, जिसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म में कास्ट किया गया।

सोनाली राउत का दावा : बिग बॉस मराठी में मरे हुए चूहे, खाने में कॉकरोच

वहां पड़ी हैं तान्या-अमाल की चीजें

एक्ट्रेस सोनाली राउत ने 'बिग बॉस मराठी 6' के मेकर्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं और अपनी शिकायतें बताई हैं। खबरों के मुताबिक, सोनाली ने निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि शो के दौरान उन्हें गंभीर मानसिक और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने यह भी दावा किया कि अस्वच्छ रहने की स्थिति के कारण उन्हें खुजली और स्किन की बीमारी हो गई। अब सोनाली ने सोशल मीडिया पर अपने शरीर के कुछ वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें उनकी पीठ, बांहें, पैर और धड़ सहित पूरे शरीर पर चकत्ते और निशान दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में बिग बॉस हाउस के अंदर की अस्वच्छ रहने की स्थिति वाला टेक्स्ट भी दिखाया गया है। टेक्स्ट में लिखा है, 'किचन में चूहे किराने का सामान खा रहे थे। खाने से तिलचट्टे निकल रहे थे। सजा के तौर पर 17 लोगों के लिए सिर्फ एक वॉशरूम था। वॉशरूम में लोग धूम्रपान करते थे, खाना खाते थे, चिकन, अंडे, कूड़ा, मरे हुए चूहे इधर-उधर पड़े रहते थे। कमी के कारण लोग एक-दूसरे के नैपकिन और तौलिये का इस्तेमाल करते थे।' सोनाली राउत ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'चकाचौंध के पीछे शोषण की एक काली सच्चाई छिपी है। मैंने भरोसे के साथ #बीबीमराठी6 में कदम रखा था, लेकिन एक संक्रामक बीमारी लेकर निकली। अब निर्माताओं को जवाबदेह ठहराने का समय आ गया है।'

सोनाली ने बताया खाने में थे तिलचट्टे

इससे पहले अपने बयान में सोनाली ने बिग बॉस हाउस की खराब स्थितियों को उजागर किया था। आईएएनएस के अनुसार, उन्होंने कहा था, 'वहां का वातावरण बेहद अस्वच्छ था। किचन में बड़े-बड़े चूहे थे जो किराने का सामान कुतर रहे थे और उसी का इस्तेमाल खाना पकाने और लोगों को खिलाने के लिए किया जा रहा था। 'वीकेंड का वॉर' के दौरान एंडेमोल प्रोडक्शन से आए खाने में तिलचट्टे निकल रहे थे।' सजा के तौर पर सभी 17 कंटेस्टेंट्स के लिए सिर्फ एक ही वॉशरूम इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें लोग धूम्रपान करते थे, कूड़ा फेंकते थे, खाना खाते थे... चिकन, अंडे के छिलके और मरे हुए चूहे इधर-उधर पड़े रहते थे, जैसा कि आप जानते हैं कि पुरुष और महिलाएं अलग-अलग होते हैं।

फर्श से अर्श तक अरशद वारसी

अनाथ हुए लेकिन नहीं हारी हिम्मत, आज हैं बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग'

'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' का सर्किट का किरदार हो या 'गोलमाल' सीरीज के माधव, कॉमेडी के मामले में अरशद वारसी को टक्कर दे पाना बहुत मुश्किल है।

इन दोनों ही किरदारों ने अरशद की जिंदगी बदल दी, लेकिन एक समय ऐसा था, जब अभिनेता ने सब कुछ खो दिया था और उनकी दुनिया पूरी तरीके से बदल गई थी। 19 अप्रैल को मुंबई में जन्मे अरशद वारसी के लिए हिंदी सिनेमा में पैर जमाना आसान नहीं था, और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे, लेकिन कहते हैं कि भाग्य में जहां जाना लिखा होता है, वहां के दरवाजे आपके लिए खुलते ही चले जाते हैं। अभिनेता के साथ भी वैसा ही हुआ। माता-पिता की बीमारी और उनके असमय छोड़कर जाने की वजह से अरशद ने छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था।

अरशद ने खुद खुलासा करते हुए बताया था कि उनके पिता एक अच्छे बिजनेसमैन नहीं थे और उन्होंने पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया था। अभिनेता के पिता ने सारा पैसा बिजनेस में डूबा दिया और बोन कैंसर से जूझने लगे, जबकि मां किडनी की बीमारी से ग्रसित थी। हर हफ्ते मां का डायलिसिस होता था और घर में सेविंग के नाम पर कुछ नहीं था।

अक्षय कुमार बोले-मेरा बेटा 4500 की नौकरी कर रहा

गांव में जाकर सीखता है काम, फिल्मों में नहीं आएंगे आरव भाटिया

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार दो दशकों से अधिक समय से अपनी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना भी कुछ समय के लिए फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। हालांकि, एक्टर ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके बेटे आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह फैशन में अपना करियर बना रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद कमा भी रहे हैं।

शुभांकर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट में अक्षय कुमार ने कहा कि उनका बेटा उनसे बहुत अलग नहीं है और आगे कहा, 'हम दोनों में बहुत समानता है। उसे फिटनेस का शौक है, और मुझे भी। वह लंबा है और बहुत ही फोकस्ड है। उसे काम करना पसंद है। लेकिन वह फिल्मों में नहीं आना चाहता। उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। वह फैशन में अपना करियर बनाना चाहता है।' वह बेचारा आज भी 4500 रुपये की नौकरी कर रहा है। अच्छी बात है, क्यों नहीं? वह गांवों में जाकर वहां से फैशन सीख रहा है, अलग-अलग तरह के प्रिंट्स वगैरह। मैं उसे ज्यादा उपदेश नहीं देता, लेकिन मैंने उसे हिदायत दी है कि किसी को नुकसान न पहुंचाए।

आरव भाटिया कौन हैं?

आरव भाटिया का जन्म 2002 में हुआ था और वे अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के सबसे बड़े बेटे हैं। 15 साल की उम्र में वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गए और फिलहाल लंदन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी बहन निताारा (जन्म 2012) अक्सर ट्विंकल के सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि आरव लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं।

'भूत बंगला' का कलेक्शन

अक्षय को फिलहाल 'भूत बंगला' में उनके अभिनय के लिए खूब तारीफ मिल रही है। प्रियदर्शन की निर्देशित इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी और राजपाल यादव भी हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले, लेकिन अक्षय और प्रियदर्शन की दोबारा आई जोड़ी ने फैंस को खुश कर दिया है।

'हाय नन्ना' के डायरेक्टर शौर्यव संग करेंगे काम

विजय देवरकोंडा की नई फिल्म का ऐलान

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर शौर्यव ने एक ऐसे प्रोजेक्ट के लिए साथ आए हैं जो बड़े स्केल, ऊंचे इरादों और ग्लोबल सिनेमा की तरफ एक साहसी कदम का इशारा देता है। इसमें विजय का एक अलग और अनोखा अंदाज देखने को मिलने वाला है, जिसे उनके चाहने वालों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। आज 18 अप्रैल को फिल्म का अनाउंसमेंट पोस्टर जारी किया गया।

अनाउंसमेंट पोस्टर में विजय देवरकोंडा को लोहे की जंजीरों से बंधे चार डॉग के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दिए। वहीं, उनके पीछे 6-7 आदमी चल रहे हैं। यह 'ड्रीम कलेक्टिव' है, जो दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव और टेक्निकल टैलेंट की एक पावरफुल टीम है। इनमें से हर एक को बहुत सोच-समझकर चुना गया है, हर कोई अहम है और हर कोई अपने आप में मजबूत है। यह पोस्टर सिर्फ एक फिल्म का ऐलान नहीं है, बल्कि यह उस चीज को बनाने के बारे में है जो तभी मुमकिन है जब ये सब एक साथ आएं। टीम ने 'दैट्स ए रोर' नाम से एक थीम सॉन्ग भी जारी किया है। यह गाना इस बारे में है कि जिंदगी आपके सामने कैसी भी मुश्किलें क्यों न खड़ी कर दे, आपको हार नहीं माननी है। यह दिखाता है कि कैसे एक इंसान दर्द, संघर्ष और नाकामियों का सामना करने के बावजूद फिर से खड़े होने और आगे बढ़ने का फैसला करता है। यह कहता है कि ताकतवर होने के लिए आपको नाम या शोहरत की जरूरत नहीं है, असली ताकत कभी हार न मानने में है। जब आप मुश्किल वक्त में भी एक छोटा कदम बढ़ाते हैं, तो वही आपकी असली 'दहाड़' है।

यह प्रोजेक्ट एक पैरेलल माइथोलॉजिकल यूनिवर्स में सेट है। एक ऐसी दुनिया जो प्राचीन तो लगती है पर पूरी तरह काल्पनिक है। यह जानी-पहचानी होते हुए भी एकदम नई और ओरिजिनल है। यह पौराणिक कथाओं की आत्मा से जुड़ी है लेकिन उनकी सीमाओं में बंधने से इनकार करती है। यह एक ऐसा धमाका है जो उम्मीदों को आसमान पर ले जाता है। टीम में बड़े ग्लोबल नामों के जुड़ने से विजय देवरकोंडा और शौर्यव दुनिया भर में छा जाने के लिए तैयार हैं और इस प्रोजेक्ट की हर एक चीज एकदम किलर लग रही है।

विजय देवरकोंडा भारतीय सिनेमा के सबसे डायनेमिक और उभरते हुए सितारों में से एक हैं, जो हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण विषय चुनने के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म के साथ वो एक ऐसी जगह कदम रख रहे हैं जो इमोशनली गहरी और विजुअली काफी ग्रैंड है, जो उनके सफर में एक बड़ा बदलाव है। डायरेक्टर शौर्यव, जिन्होंने अपनी फिल्म 'हाय नन्ना' से तेलुगु दर्शकों का दिल जीता था, अब अपनी सोच को एक ऐसी कहानी के साथ बड़े लेवल पर ले जा रहे हैं जो गहराई और भव्यता दोनों का वादा करती है।

यह फिल्म उनके पिछले काम से बिल्कुल अलग है, जो सीमाओं से परे जाकर कहानियां सुनाने के उनके इरादे को दिखाती है। वायरा के बैनर तले बन रहा यह अभी तक बिना नाम वाला प्रोजेक्ट दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव लोगों को एक साथ लाता है। यह एक दुर्लभ मौका है जहाँ हर डिपार्टमेंट को इंटरनेशनल लेवल का टैलेंट संभाल रहा है।

इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात इसकी वर्ल्ड-क्लास टेक्निकल टीम है: अलेजांद्रो मार्टिनेज (डीओपी), जो 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' और 'फॉलआउट' जैसे ग्लोबल प्रोडक्शन के लिए जाने जाते हैं, वो फिल्म में एक इंटरनेशनल विजुअल अंदाज लेकर आ रहे हैं। सुरेश सेल्वराजन (प्रोडक्शन डिजाइनर), जो 'एनिमल' और 'ओम शांति ओम' जैसी फिल्मों की भव्य दुनिया के पीछे के मास्टरमाइंड हैं। एरिक डर्स्ट (वीएफएक्स सुपरवाइजर), जिन्होंने 'गॉड्स ऑफ इजिप्ट', 'बैटमैन फॉरएवर' और 'स्नोपियरसर' जैसी फिल्मों पर काम किया है।

ममता बोलीं- पीएम ने राष्ट्र संबोधन में चुनाव प्रचार किया

चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे; मोदी बोले- जिसने आरक्षण का विरोध किया, उसे वोट से सजा दो

कोलकाता/चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी का 'गलत इस्तेमाल' करने का आरोप लगाया। हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा कि मोदी ने महिला आरक्षण बिल के संबंध में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के जरिए भाजपा का प्रचार किया। हम चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे।

उधर पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- तृणमूल सरकार ने बंगाल की बेटियों को धोखा दिया है। महिलाएं आने वाले विधानसभा चुनावों में इसकी सजा जरूर देंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल की ममता सरकार नहीं चाहती बंगाल की बेटियां ज्यादा संख्या में सांसद बनें। इसलिए संसद में आरक्षण से जुड़ा कानून पारित नहीं होने दिया।

पीएम मोदी ने आज बंगाल में बिष्णुपुर, पुरुलिया, झाड़ग्राम और मेदिनीपुर में चार रैलियां कीं। 2021 विधानसभा में बांकुरा-बिष्णुपुर बेल्ट में भाजपा ने कई सीटें जीतीं थीं।

पीएम ने कहा कि मैं टीएमसी के लोगों को आखिरी मौका दे रहा हूं अपने अपने थाने में आत्मसमर्पण कर दो। क्योंकि 4 मई के बाद कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, भारतीय मुसलमान हमें बड़ी संख्या में वोट देते हैं। मुझे लगता है कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी 'दोहरा शतक' लगाएगी और असम में 'शतक'।

भिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने, हाई-प्रोफाइल एडप्पाडी विधानसभा सीट पर एक निर्दलीय उम्मीदवार को आधिकारिक तौर पर अपना समर्थन दिया है। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में पीएम ने एक दुकान पर जाकर झालमूड़ी भी खाई। यह एक नमकीन मिक्स्चर होता है। पीएम ने वहां मौजूद बच्चों को भी नमकीन खिलाई।

मोदी बोले- टीएमसी की 15 साल की सरकार में कुछ नहीं बदला

पीएम ने कहा- बंगाल में तृणमूल की क्रूरता शुरू हुए 15 साल बीत चुके हैं। इन 15 सालों में हमारा भारत 3जी से 5जी तक आगे बढ़ चुका है। कई राज्यों में नए शहर बस गए हैं। देश भर के दो दर्जन से ज्यादा शहरों तक मेट्रो पहुंच चुकी है।

भारत ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगा फहरा दिया है। 15 सालों में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। लेकिन इस क्रूर टीएमसी सरकार में इन 15 सालों में कुछ नहीं बदला।

मोदी बोले- गरीबों के लिए बने घरों के फंड में लूट मची हुई है

पीएम मोदी ने मेदिनीपुर में रैली को संबोधित करते हुए कहा- टीएमसी के 15 साल से ज्यादा के शासन में असल में क्या बदला है? जो बच्चा 15 साल पहले बंगाल में पहली क्लास में पढ़ रहा था, वह आज रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने की तैयारी कर रहा है। टीएमसी की बेरहम सरकार के राज में, युवाओं की भर्ती में, बच्चों के मिड-डे मील में, एमजीएनआरईजीए के कामों में और गरीबों के लिए बने घरों के फंड में लूट मची हुई है।

आसाराम केस का गवाह ब्लैकमेलिंग में अरेस्ट

पानीपत में सरपंच से 70 लाख हड़पे, महेंद्र के भाई- भतीजे और मां पर भी केस

पानीपत, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में आसाराम केस के मुख्य गवाह महेंद्र चावला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महेंद्र ने एक केस में सरपंच से ब्लैकमेल कर 70 लाख रुपए हड़प लिए। रुपए देने के बाद भी आरोपी 80 लाख रुपए की डिमांड करता रहा।

महेंद्र को रुपए देने की अब एक वीडियो भी सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति बैग ले जाता दिख रहा है। दावा किया जा रहा है कि महेंद्र का भाई एक मीडिएटर के घर से बैग में 70 लाख रुपए कैश ले गया।

सीआईए ने मामले में कार्रवाई करते हुए महेंद्र, भाई देवेंद्र और भतीजे राम को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस ने महेंद्र की मां गोपाली देवी के खिलाफ भी FIR दर्ज कर ली है।

महेंद्र ने कैसे ठगे 70 लाख

महेंद्र की मां भी केस में शामिलः इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत दिसंबर 2025 में हुई।

शिकायतकर्ता भगत सिंह के अनुसार, महेंद्र और सनौली गांव के सरपंच संजय त्यागी का कोई कोर्ट केस चल रहा है। इसी को लेकर महेंद्र की मां गोपाली देवी उनके पास आई। उन्होंने कहा कि हमारे मुकदमे में करीब एक करोड़ रुपए खर्च हो गए हैं।

स्टाम्प पेपर पर साइन कराएः भगत सिंह के अनुसार, गोपाली देवी ने कहा- अगर वो सरपंच संजय से उन्हें ये रुपए दिला दे तो वे कोर्ट में संजय के पक्ष में गवाही दे देंगे। इसके बाद भगत सिंह ने सरपंच संजय से संपर्क करना शुरू किया। महेंद्र का पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा के साथ भी एक केस चल रहा है। इस केस में उसने सुरेंद्र के खिलाफ दर्ज केस में समझौते के लिए 101 रुपए के स्टाम्प पेपर पर साइन कर दिए।

मीडिएटर के घर से 70 लाख लिएः भगत सिंह ने बताया कि इन केस में समझौता करने के बदले महेंद्र को 1 मार्च को 70 लाख रुपए दिए। महेंद्र का भाई देवेंद्र और उसका बेटा राम इन रुपयों को एक मीडिएटर के घर से ले गया। जिसकी सीसीटीवी फुटेज हमने पुलिस को सौंप दी है।

आसाराम से कैसे जुड़ा महेंद्र

पानीपत के सनौली खुर्द गांव का रहने वाला महेंद्र 1996 में आसाराम से जुड़ा है। काफी दिनों तक आसाराम के अहमदाबाद और सूरत आश्रम में भी उनके साथ रहा। परिजनों के अनुसार, महेंद्र 2006 में वापस गांव लौट गया। 2008 में आसाराम के अहमदाबाद आश्रम में 2 बच्चों के मरने की घटना से महेंद्र आहत हुआ था।

इसके बाद से ही उसने आसाराम से दूरी बनानी शुरू कर दी। जब दोनों आसाराम और बेटे नारामण साई पर दुराचार के आरोप लगे तो महेंद्र आश्रम से अलग रहने ला।

साल 2013 में एक नाबालिग ने आसाराम पर यौन शोषण का आरोप लगाया था, इस केस में महेंद्र चावला ने गवाही दी थी।

एलांते मॉल की फूड कोर्ट में बवाल

बच्चे को सर्व चाइनीज डिश में निकला कीड़ा, स्टाफ बोला- सॉरी; ग्राहक ने वीडियो बना कंप्लेंट की

चंडीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के एलांते मॉल के फूड कोर्ट में खाने की गुणवत्ता को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। एक परिवार ने आरोप लगाया है कि उन्हें परोसे गए खाने में कैटरपिलर (कीड़ा) मिला। जिस वक्त कीड़ा मिला, खाना उनका छोटा बेटा खा रहा था। जब उन्होंने खाने की शिकायत कैफे के इंचार्ज से की तो उसने भी माना कि खाने में कीड़ा निकला है।

वीडियो में महिला कहती दिख रही है कि जाने मैंने क्या खा लिया, ये बेटे की प्लेट में निकला है। ये सीधा ब्रेन में जाता है हालांकि, उसने कहा कि यह पहली घटना है। इससे पहले उनके यहां इस तरह का कोई केस नहीं आया है। ग्राहक ने इस घटना के वीडियो बनाकर फूड एंड सेफ्टी डिपार्टमेंट को भेजे हैं और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में चंडीगढ़ में फूड सेफ्टी अधिकारियों ने अभी खुलकर कुछ नहीं कहा। हालांकि एक अधिकारी ने बताया कि परिवार को सोमवार को ऑफिस बुलाया गया है। उनसे शिकायत लेकर कैफे की जांच की जाएगी।

सेक्टर-40ए के रहने वाले नवप्रीत कुमार चौधरी ने फूड कोर्ट स्थित एक कैफे से चाइनीज वेज सुप्रीम सिजलर ऑर्डर किया था। जब वह अपने बेटे के साथ खाना खा रहे थे, तभी उन्हें उसमें कैटरपिलर दिखाई दिया। इस दौरान उन्होंने तुरंत खाना रोक दिया और मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत इसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया और मौके पर इस मामले की शिकायत के लिए फूड कोर्ट के इंचार्ज सुमित को बुलाया। फूड कोर्ट इंचार्ज ने भी माना कि खाने में कीड़ा निकला है। इसके बाद कैफे के इंचार्ज को मौके पर बुलाया गया। उसने भी देखा और ग्राहक से क्षमा मांगी।

हालांकि, ग्राहक ने उसे माफ नहीं किया और पूरे मामले के फोटो और वीडियो बनाकर संबंधित अधिकारियों को भेज दिया। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की जांच करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अन्य ग्राहक के साथ ऐसा न हो।

बारात लेकर पहुंची दुल्हन

विदाई में फूट-फूटकर रोया दूल्हा

4 बेटियों के पिता ने बनाया घर जमाई, बोले- बेटा बनाकर रखूंगा

सरगुजा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में एक अनोखी शादी देखने को मिली, जहां दुल्हन खुद बारात लेकर दूल्हे के घर पहुंची। शादी की रस्में पूरी होने के बाद दूल्हे की विदाई हुई। इस दौरान वह फूट-फूटकर रो पड़ा, परिवार वालों ने भी रोते हुए दूल्हे को विदाई दी। अब दूल्हा ससुराल में घर जमाई बनकर रहेगा।

मामला मैनपाट ब्लॉक के सुपलगा का है। वहीं अब शादी और विदाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं। दरअसल पैगा निवासी दुल्हन देवमुनी एक्का का कोई भाई नहीं है। वे चार बहनें हैं, पिता मोहन एक्का एक बड़े किसान हैं।

ऐसे में वे ऐसे दामाद की तलाश में थे, जो घर जमाई बनकर उनके साथ रह सके।

इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी बेटी का रिश्ता सुपलगा निवासी बरवा परिवार के युवक बिलासुस बरवा से तय किया। बिलासुस घर जमाई बनने के लिए राजी हो गया।

चुनाव पर विवाद में भांजे का मर्डर, मामाओं को उम्रकैद

गुना में आरजेडी समर्थक भतीजे को कीचड़ में डुबोया

5 महीने में सजा, डीएनए बना अहम सबूत

गुना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गुना के कैंट इलाके में बिहार चुनाव पर हुए विवाद में भांजे की हत्या का फैसला आ गया है। दो मामाओं ने तेजस्वी यादव पर बहस के दौरान अपने भांजे का मुंह कीचड़ में दबाकर मार डाला था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय ने महज 5 महीने में ट्रायल पूरा करते हुए दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास और एक-एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मामला पिछले वर्ष 16 नवंबर की रात का है। बिहार के शिवहर जिले के रहने वाले राजेश मांझी (25), तूफानी (27) और शंकर (22) गुना में मजदूरी करने आए थे। शंकर बाकी दोनों का भांजा था। तीनों यहां पुलिस लाइन में बन रहे नए क्वार्टर्स में काम कर रहे थे। घटना वाली रात तीनों ने साथ में खाना बनाया और शराब पी। इसी दौरान उनके बीच विवाद हो गया।

राजेश और तूफानी दोनों जेडीयू के समर्थक हैं, जबकि मृतक शंकर आरजेडी का समर्थक था। बिहार चुनाव के नतीजों को लेकर उनके बीच बहस शुरू हुई। राजेश और तूफानी ने तेजस्वी यादव के बारे में कुछ बोल दिया। इस पर विवाद बढ़ गया और दोनों मामाओं ने शंकर को बुरी तरह पीटा। इसके बाद उन्होंने शंकर का मुंह कीचड़ में डुबो दिया, जिससे पानी और कीचड़ गले में जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

कैंट थाना प्रभारी टीआई अनूप भार्गव के नेतृत्व में एसआई राहुल शर्मा ने जांच कर 40 दिन में कोर्ट में चालान पेश किया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अधिकतर गवाह अपने बयानों से पलट गए। ऐसे में डीएनए रिपोर्ट सबसे अहम सबूत बनी। दरअसल, कीचड़ में डुबोते समय आरोपियों के नाखूनों में मृतक के गले की चमड़ी फंस गई थी। पुलिस ने इसे जांच के लिए भेजा था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

15 लाख की कार दिलाने 1 करोड़ ठगे

बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी को लॉटरी का लालच दिया टीवी देखकर ऑनलाइन दवाई मंगवाई, वहीं से फंसे

धमतरी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक रिटायर्ड बीएसपी कर्मी से 1 करोड़ की ठगी हुई है। शातिर ठगों ने बुजुर्ग को 15 लाख की कार लॉटरी में जीतने का भरोसा दिलाया और टैक्स का डर दिखाकर, ब्याज मिलने का लालच देकर अलग-अलग किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए।

मामला भखारा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित कमलेश ठाकुर (66) ने टीवी में आयुर्वेदिक दवाई का एड देखा और ऑनलाइन ऑर्डर किया। इसके बाद से ही उन्हें अज्ञात नंबर से कॉल आने लगे और ठगी का सिलसिला शुरू हो गया।

पीड़ित ने 3 साल में अलग-अलग किश्तों में करीब 80 लाख ट्रांसफर किए, बाकी अन्य पैसों का हिसाब उन्हें याद नहीं। घर वालों को पता चला तो थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपियों का पता लगा रही है।

लॉटरी में कार जीतने का झांसा

शिकायत के मुताबिक, कमलेश ठाकुर (66) रिटायर्ड बीएसपी कर्मी है। वे भखारा तहसील के ग्राम बिर्रा में रहते हैं। उन्हें शुगर समेत कई परेशानियां थी। जुलाई 2022 में उन्होंने टीवी में आयुर्वेदिक दवाइयों का एड देखा और कोयंबटूर की जीवन दान आयुर्वेदिक कंपनी से ऑनलाइन दवा मंगवाई थी।

बस इसके बाद से उन्हें अज्ञात नंबरों से फोन आने लगे। कुछ दिनों बाद उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन आया, जिसमें उन्हें लॉटरी में कार जीतने का झांसा दिया गया।

सतर्क रहें, नमी वाली गर्मी नया खतरा

मध्यम तापमान में लू भी संभव, 80 साल से ज्यादा के डेटा का विश्लेषण

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में 'नमी वाली गर्मी' जलवायु परिवर्तन का सबसे खतरनाक रूप बनती जा रही है। यह तेज तापमान और ज्यादा नमी का ऐसा गठजोड़ है, जिसमें शरीर पसीने के जरिए खुद को ठंडा नहीं कर पाता। जर्नल क्लाइमेट डायनैमिक्स में छपी नई स्टडी के मुताबिक केरल में इसका सबसे ज्यादा खतरा है।

भारत में अब तक हीटवेव की पहचान ज्यादातर तापमान की सीमा से होती रही है, लेकिन स्टडी कहती है कि सिर्फ तापमान से असली खतरा नहीं समझ आता। ज्यादा नमी में पसीना जल्दी नहीं सूखता, शरीर का कूलिंग सिस्टम फेल होने लगता है, कोर बॉडी टेम्परेचर बढ़ता है और कुछ मामलों में कुछ देर में हीटस्ट्रोक तक हो सकता है। ऐसे में ज्यादा नमी में मध्यम तापमान भी जानलेवा बन सकता है।

यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के अक्षय देओरस के नेतृत्व में हुई रिसर्च में 80 साल से ज्यादा के मौसम डेटा का विश्लेषण किया गया। खतरे की टाइमिंग और जगह तय करने में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बड़ी भूमिका है। देओरस के मुताबिक मानसून के पैटर्न को 4 हफ्ते पहले तक अनुमान लगाया जा जा सकता है, इसलिए लोगों को पहले से चेतावनी देकर तैयारी का मौका मिल सकता है।

केरल में अब दिन गर्म होने के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं। इससे शरीर को रिकवरी का समय कम मिलता है। शहरों में गर्मी ज्यादा देर तक फंस रही है और समुद्री हवाएं भी पहले जैसी नहीं रहीं। इससे हीट स्ट्रेस बढ़ रहा है। ऐसे में अगर तापमान हीटवेव की मान्य सीमा से नीचे है, फिर भी लोगों को गंभीर परेशानी हो रही है।

कई वैज्ञानिक वेट-बल्ब तापमान को भरोसेमंद मानते हैं। यह गर्मी और नमी दोनों को जोड़कर खतरा बताता है। वेट-बल्ब तापमान 35° सेल्सियस हो जाए, तो छाया में बैठा स्वस्थ इंसान भी 6 घंटे में खतरे में आ सकता है। क्योंकि ऐसे में शरीर खुद को ठंडा करने में पूरी तरह असमर्थ हो जाता है।

जब मानसून अपने 'सक्रिय चरण' में होता है, तो मध्य और उत्तरी भारत में भारी बारिश होती है। इस दौरान हवा में नमी (उमस) बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। अध्ययन कहता है कि इस स्थिति में उत्तरी भारत में नमी वाले लू चलने की आशंका सामान्य से 125% तक बढ़ जाती है।

गांव में घुसा हाथियों का झुंड

कटैया युवक को पटक कर मार डाला, मवेशियों को बचाने निकला था, लोगों में आक्रोश

कोडरमा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा के सतगांवां थाना क्षेत्र के कटैया गांव में घुसे हाथियों के झुंड ने 35 साल के रोहित कुमार को पटकर मार डाला। गांव वालों से मिली जानकारी के अनुसार 15 से 20 हाथियों का झुंड पिछले करीब एक महीने से सतगांवां प्रखंड के अलग-अलग इलाकों में घूम रहा है।

दो दिन पहले यह झुंड कटैया पंचायत के गजघर गांव में घुसा था। जहां वीरेंद्र राय के मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। घर में रखा अनाज भी नष्ट कर दिया था। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल था, लेकिन इसके बावजूद हाथियों को खदेड़ने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है।

घटना बीती रात करीब 12 बजे की है, जब हाथियों का झुंड कटैया गांव में घुस आया। गांव में अफरा-तफरी मच गई। 25-30 युवक लाठी-डंडे लेकर हाथियों को भगाने के लिए आगे बढ़े। इसी दौरान रोहित कुमार ने देखा कि हाथी उनके गौशाला की ओर बढ़ रहे हैं। मवेशियों और घर को बचाने के उद्देश्य से वह अकेले ही हाथियों को खदेड़ने निकल पड़े।

इसी दौरान हाथियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें पटक-पटक कर मार डाला।

स्कूल की लेडी प्रिंसिपल गिरफ्तार

गुरुग्राम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम में सीबीएसई की फर्जी मान्यता दिखाकर स्टूडेंट्स से धोखाधड़ी करने पर लेडी प्रिंसिपल गिरफ्तार की गई है। दसवीं की छात्रा ने बोर्ड परीक्षा के दौरान एडमिट कार्ड नहीं मिलने के बाद एडुक्रेस्ट इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ सेक्टर-9A थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। एफआईआर के बाद से ही प्रिंसिपल गुजरात भाग गई थी। अब पुलिस उसे गुजरात से अरेस्ट करके लाई है। प्रिंसिपल की पहचान बसई गांव निवासी रिद्धिमा कटारिया के रूप में हुई है। 10वीं क्लास के बच्चों के पेरेंट्स ने आरोप लगाया था कि स्कूल प्रबंधन ने एडिमिशन के समय यह दावा किया गया कि स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है और वैध मान्यता प्रमाण-पत्र एवं रजिस्ट्रेशन नंबर दिखाए थे।

पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान की दूसरे दौर की वार्ता

डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान, समझौता ना होने पर तबाही की धमकी

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत की पुष्टि कर दी है। दोनों देशों के बीच एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में वार्ता होगी। ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ऐलान किया है कि अमेरिकी टीम ईरानी डेलीगेशन से बातचीत के लिए सोमवार को पाकिस्तान जा रही है।

इसके साथ ही ट्रंप ने यह धमकी भी दी है अगर बातचीत विफल होती है तो ईरान के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और उनके बुनियादी ढांचे पर हमले किए जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने पोस्ट में लिखा, 'मेरे प्रतिनिधि इस्लामाबाद पाकिस्तान जा रहे हैं। वे कल शाम वहां बातचीत के लिए पहुंचेंगे। हम एक बहुत ही निष्पक्ष और उचित डील का प्रस्ताव दे रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वे (ईरानी) इसे स्वीकार करेंगे। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अमेरिकी सेना ईरान के सभी पावर प्लांट और पुलों को तबाह कर देगी।'

ईरान सीजफायर का सम्मान नहीं कर रहाः ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ईरान पर सीजफायर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने कल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर गोलियां चलाने का फैसला किया। ईरान का ये फैसला अजीब है क्योंकि से समुद्री गलियारा को पहले ही बंद है।

ट्रंप आएंगे पाकिस्तान! ईरान के साथ इस्लामाबाद में होगी बात, मुनीर-शहबाज की 'मेहनत' रंग लाई ?

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिकी नाकाबंदी ने होर्मुज स्ट्रेट को पहले ही बंद कर रखा है। ऐसे में इस समुद्री गलियारे में गोलियां चलाकर ईरानी अनजाने में हमारी मदद कर रहे हैं।

इस रास्ते के बंद होने से उन्हीं का रोजाना 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। यूएस का इसमें कोई नुकसान नहीं है।

अमेरिका से कुछ मुद्दों पर टकरावः ईरान

डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से पहले ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने कहा है कि युद्धविराम समझौते पर अमेरिका के साथ वार्ता में प्रगति हुई है। हालांकि डील पर पहुंचने में समय लग सकता है क्योंकि दोनों पक्ष अभी समझौते से दूर हैं। अमेरिका के साथ कुछ मुद्दों पर चीजें तय होना बाकी है।

अमेरिका और ईरान की दूसरे दौर की वार्ता के लिए मेजबान देश पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की रावलपिंडी से इस्लामाबाद तक भारी संख्या में तैनाती की गई है। ईरान और अमेरिकी डेलीगेशन रावलपिंडी में नूर खान एयर बेस पर उतरेंगे और वहां राजधानी इस्लामाबाद जाएंगे।

पहले दौर में नहीं निकला था नतीजा

ईरान और अमेरिका के डेलीगेशन बीते हफ्ते पाकिस्तान पहुंचे थे। दोनों पक्षों में 20-21 घंटे तक चर्चा हुई थी लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल सका था। इसके बाद अब अगले हफ्ते में दोनों पक्ष एक बार फिर से इस्लामाबाद में मिलेंगे। ईरान और अमेरिका का सीजफायर बुधवार को खत्म हो रहा है। ऐसे में इस वार्ता पर दुनिया की नजर लगी हुई है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी करने वाली युवती अरेस्ट

रायपुर-भिलाई और राजनांदगांव में नाराज लोगों ने किया थाने का घेराव, सख्त कार्रवाई की मांग

रायपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है, जिसे लेकर रायपुर, भिलाई, राजनांदगांव में आक्रोश का माहौल है। रविवार को राजधानी में भारतीय बौद्ध महासभा के पदाधिकारी सिविल लाइन थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, भिलाई में भी लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। अलग-अलग संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भिलाई नगर थाने पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए युवती के खिलाफ एक्शन की मांग की। इसके अलावा राजनांदगांव में भी लोगों ने थाने का घेराव किया। हालांकि मामले में पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

करंट से मछली और मगरमच्छ का शिकार

तीन आरोपी गिरफ्तार, 4 बड़ी बैटरियां, 3 यूपीएस और तार बरामद, तालाब में मरी मिली मछलियां

मंदसौर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मंदसौर के गांधीसागर जलाशय में अवैध रूप मछली पकड़ने वालों के खिलाफ पुलिस, वन एवं राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम संजीत में करंट लगाकर मछलियों और जलीय जीवों का शिकार करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गांधीसागर जलाशय के बैकवॉटर क्षेत्र—गरोठ, बसई, संजीत, रामपुरा और चचोर में लंबे समय से मछली माफिया सक्रिय थे। ठेका निरस्त होने के बावजूद बाहरी लोग अवैध रूप से करंट का उपयोग कर बड़े पैमाने पर मछलियों का शिकार कर रहे थे।

सूचना मिलने पर प्रशासनिक महकमे ने संजीत क्षेत्र के ग्राम मगरा में दबिश दी, जहां बिना लाइसेंस के मछली के शिकार का मामला सामने आया। टीम को मौके से करंट लगाने वाले उपकरण भी बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान सुकांत सरकार, सुजान विश्वास और देवव्रत विश्वास के रूप में हुई है। पूछताछ में इनके पास मत्स्याखेट का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। पुलिस ने आरोपियों के ठिकाने से 4 बैटरियां, 3 यूपीएस/आईपीएस, विद्युत तार और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। बताया गया कि किराए के कमरे से अंडरग्राउंड वायरिंग के जरिए नदी में करंट प्रवाहित किया जाता था।

करंट के जरिए शिकार से न केवल मछलियों की बड़ी संख्या में मौत हुई बल्कि अन्य जलीय जीव भी इसकी चपेट में आ रहे थे। इससे पूरे जल पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंच रहा था। मौके के वीडियो भी सामने आए जिसमें मरी हुई मछलियों और मगरमच्छ दिखाई दिए।

पूरे मामले को लेकर एसडीओपी कीर्ति बघेल ने भास्कर को बताया कि नाहरगढ़ थाने में सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ लोगों द्वारा करंट लगाकर मछलियों का शिकार किया जा रहा है। वन विभाग और पुलिस के द्वारा एक घर को तलाश किया गया जहां से करंट लगाने संबंधित उपकरणों किए गए हैं। थाना नाहरगढ़ में अपराध दर्ज कर पश्चिम बंगाल निवासी 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही वन विभाग के द्वारा जब सर्च किया गया था नदी से मगरमच्छ भी मृत अवस्था में मिले हैं।

रिटायरमेंट फंड पर सरकार का बड़ा दांव!

पेंशन सेक्टर में बढ़ेगा एफडीआई, मानसून सत्र में बदलेगा कानून

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार पेंशन सेक्टर में एफडीआई की सीमा को बढ़ाकर 100 प्रतिशत तक कर सकती है, और इस संबंध में अगला संसद सत्र में एक बिल आने की उम्मीद है। यह कदम बीमा सेक्टर के अनुरूप होगा, जहां 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है। पिछले साल, संसद ने बीमा सेक्टर में एफडीआई की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने वाले एक बिल को मंजूरी दी थी।

बीमा अधिनियम, 1938 में इससे पहले 2015 में संशोधन किया गया था, जिसके बाद एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़कर 74 प्रतिशत हो गई थी।

एनपीएस ट्रस्ट को पीएफआरडीए से अलग करने का प्रावधान

सूत्रों ने बताया कि पेंशन सेक्टर में एफडीआई की सीमा बढ़ाने के उद्देश्य से पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 में संशोधन का बिल विभिन्न मंजूरियों के आधार पर मानसून सत्र या शीतकालीन सत्र में आ सकता है। वर्तमान में, पेंशन फंड में एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत निर्धारित है। इसके अलावा, सूत्रों ने बताया कि संशोधन बिल में एनपीएस ट्रस्ट को पीएफआरडीए से अलग करने का प्रावधान भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एनपीएस ट्रस्ट के अधिकार, कार्य और कर्तव्य-जो वर्तमान में पीएफआरडीए (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली ट्रस्ट) विनियम, 2015 के तहत निर्धारित हैं-अब किसी चैरिटेबल ट्रस्ट या कंपनी अधिनियम के दायरे में आ सकते हैं।

इसके पीछे का उद्देश्य एनपीएस ट्रस्ट को पेंशन रेगुलेटर से अलग रखना और 15 सदस्यों वाले एक सक्षम बोर्ड द्वारा इसका प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इन सदस्यों में से अधिकांश के सरकार से होने की संभावना है, क्योंकि राज्यों सहित सरकार ही इस कोष में सबसे बड़ा योगदान देती है।

कब शुरू हुआ था एनपीएस

पीएफआरडीए की स्थापना पेंशन सेक्टर के व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, जिसे पेंशन फंड, केंद्रीय रिकॉर्ड-कीपिंग एजेंसी और अन्य मध्यस्थों पर पर्याप्त अधिकार प्राप्त हैं। यह सदस्यों के हितों की रक्षा भी करता है। भारत सरकार द्वारा 'परिभाषित लाभ पेंशन प्रणाली' को बदलने के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की शुरुआत की गई थी।

1 जनवरी, 2004 से केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल होने वाले सभी नए कर्मचारियों के लिए एनपीएस को अनिवार्य कर दिया गया था (शुरुआती चरण में सशस्त्र बलों को इससे छूट दी गई थी), और 1 मई, 2009 से इसे सभी नागरिकों के लिए स्वैच्छिक आधार पर भी लागू कर दिया गया है। सरकार ने बढ़ते और असहनीय पेंशन बिल के कारण, 'डिफाइंड बेनिफिट, पे-एज़-यू-गो' पेंशन योजना से हटकर 'डिफाइंड कंट्रीब्यूशन' पेंशन योजना (एनपीएस) को अपनाने का एक सोच-समझकर लिया गया कदम उठाया था। इस बदलाव का उद्देश्य सरकार के सीमित संसाधनों को अधिक उत्पादक और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों के विकास के लिए मुक्त करना था।

अब जाम टकराना होगा मुश्किल! बीयर सेक्टर की टूटी कमर, दिग्गज ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल) के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक गुप्ता ने कहा है कि युद्ध के कारण कच्चे माल की बढ़ती कॉस्ट, सप्लाई की कमी और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए मूल्य निर्धारण प्रतिबंधों के बीच भारतीय बीयर उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

गुप्ता ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि पर्याप्त रेगुलेटरी सपोर्ट नहीं मिलने से उद्योग की ग्रोथ और इनोवेशन पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वॉर के कारण कच्चे माल, बोतल और अन्य कच्चे माल की कॉस्ट बढ़ गई है, जबकि कंपनियां बिना सरकारी अनुमति के कीमत नहीं बढ़ा सकती हैं।

गुप्ता ने बताया कि बीयर उद्योग पर इसका असर अन्य उद्योगों की तुलना में अधिक पड़ा है। रुपये की कमजोरी, निर्यात में गिरावट और आपूर्ति की कमी से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है।

नोटिफिकेशन के बाद भी नहीं सुलझी समस्या

उन्होंने कहा कि बीयर की कीमतें मुख्य रूप से राज्यों की आबकारी पॉलिसी के तहत कंट्रोल होती हैं और लगभग 75 प्रतिशत कारोबार सरकारी नियमों के अधीन है। गुप्ता ने सरकार से अनुरोध किया कि कंपनियों को कंज्यूमर्य पर बोझ डाले बिना सरकार को अपने बिक्री मूल्य में लगभग 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की अनुमति दी जाए। उन्होंने समझाया कि कमाई का एक बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में चला जाता है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों में, यूनाइटेड ब्रुअरीज को बीयर के प्रति केस लगभग 330 रुपये मिलते हैं, जबकि सरकारी टैक्स लगभग 1,400 रुपये होते हैं।

एल्युमीनियम की कॉस्ट में इजाफा

कैन की कमी के बारे में गुप्ता ने कहा कि सरकारी अधिसूचना के बावजूद अभी यह समस्या सुलझी नहीं है। यह आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि एल्युमीनियम की कीमतें बढ़ रही हैं। गैस की कमी की वजह से विनिर्माताओं ने अपरिहार्य स्थिति घोषित कर दी है। स्थानीय कैन विनिर्माता भी पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। कैन का आयात करना महंगा बैठ रहा है। यूबीएल, हेनेकेन के साथ मिलकर, कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि ताकि लोग अपने प्लांट लगा सकें और हम उनके साथ टाई-अप कर रहे हैं, लेकिन इसमें कुछ साल लगेंगे।इस साल की शुरुआत में, सरकार ने आयातित कैन पर बीआईएस सर्टिफिकेशन की समय सीमा बढ़ा दी थी। उम्मीद थी कि इस कदम से गर्मियों के मौसम के चरम पर पहुंचने से पहले, मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। उम्मीद थी कि इस कदम से कोला बनाने वाली कंपनियों से लेकर बीयर बनाने वाली कंपनियों तक को आपूर्ति में आ रही दिक्कतों से राहत मिलेगी। इन कंपनियों ने कैन की भारी कमी को लेकर चिंता जताई थी।

रेलवे का बड़ा प्लान! जल्द लोकल ट्रेनों को रिप्लेस करेगी हाई स्पीड वंदे मेट्रो

बदल जाएगी शहरों की लाइफलाइन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में रोजाना करोड़ों लोग लोकल और पैसेंजर ट्रेनों से सफर करते हैं। अब उनके सफर को और तेज, आरामदायक और सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय रेलवे अब एक नए युग की शुरुआत करने जा रहा है, जहां रोजमर्रा का सफर करने वाले करोड़ों यात्रियों को पुरानी, शोर मचाती और धीमी लोकल ट्रेनों से छुटकारा मिलने वाला है। रेलवे जल्द ही सेमी हाई स्पीड वंदे मेट्रो ट्रेनों को शुरू करने की तैयारी में है, जो शहरों के बीच यात्रा का एक्सपीरिएंस पूरी तरह बदल सकती हैं। रेलवे बोर्ड के अनुसार, वंदे मेट्रो का प्रोटोटाइप तैयार हो चुका है और इसकी कमर्शियल लॉन्चिंग अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि जून 2026 तक इसकी पहली खेप पटरियों पर दौड़ने लगेगी। पहले चरण में इसे उन रूट्स पर चलाया जाएगा, जहां रोजाना यात्रियों की संख्या ज्यादा है, जैसे दिल्ली-मेरठ, लखनऊ-कानपुर और मुंबई-लोनावाला।

तेज रफ्तार से होगा समय की बचत

वंदे मेट्रो की अधिकतम रफ्तार 130 से 160 किमी/घंटा होगी, जो सामान्य लोकल ट्रेनों से काफी ज्यादा है। इससे यात्रियों का 25 से 30 प्रतिशत तक समय बचेगा। यानी अब रोजाना का सफर पहले से कहीं ज्यादा तेज और आसान हो जाएगा।

सुविधाओं से भरपूर होगा सफर

इन ट्रेनों में यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। एयर कंडीशन कोच, आरामदायक सीटें, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आधुनिक टॉयलेट और ऑटोमैटिक दरवाजे जैसी सुविधाएं सफर को बेहतर बनाएंगी। इसके साथ ही कवच जैसी टक्कर-रोधी तकनीक से सुरक्षा भी बढ़ेगी।

एक साथ हजारों यात्रियों की क्षमता

वंदे मेट्रो को खास तौर पर ज्यादा यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। 16 कोच वाली इस ट्रेन में करीब 1566 यात्री बैठ सकते हैं, जबकि कुल क्षमता 4364 यात्रियों की होगी। इसमें खड़े होकर सफर करने वालों के लिए भी पर्याप्त जगह होगी।

किराया और उत्पादन योजना

इसका न्यूनतम किराया लगभग 30 रुपये हो सकता है, जो लोकल ट्रेनों से थोड़ा ज्यादा होगा, लेकिन सुविधाओं के हिसाब से किफायती माना जा रहा है।

भूल जाइए केजीएफ! आंध्र प्रदेश कर्नूल में मिल गया इससे भी बड़ा गोल्ड रिजर्व

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में आजादी के बाद पहली बार बड़े स्तर पर प्राइवेट गोल्ड माइन शुरू होने जा रही है. कर्नूल जिले का जोन्नागिरी प्रोजेक्ट मई की शुरुआत में चालू होने वाला है. इसे जियोमैसूर सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड विकसित कर रही है. माना जा रहा है कि इससे भारत की सोना आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम हो सकती है.

हर साल 800 टन से ज्यादा सोना आयात

भारत हर साल 800 टन से ज्यादा सोना आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है. देश में सोने का उत्पादन काफी कम है. हुट्टी गोल्ड माइंस सालाना करीब 1.5 टन ही उत्पादन करती है. 2000 में कोलार गोल्ड फील्ड्स बंद होने के बाद बड़े स्तर की माइनिंग लगभग खत्म हो गई थी.

400 करोड़ का निवेश, बड़े लक्ष्य

जोन्नागिरी प्रोजेक्ट करीब 598 हेक्टेयर में फैला है और इसमें 400 करोड़ से ज्यादा का निवेश हुआ है. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इसे देश को समर्पित कर सकते हैं. यह प्रोजेक्ट 13.1 टन सोने के रिजर्व के साथ शुरू हो रहा है, जिसे आगे बढ़ाकर 42.5 टन तक ले जाने की संभावना है. पीक कैपेसिटी पर यह हर साल करीब 1,000 किलो सोना पैदा कर सकता है.

निवेश और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रोजेक्ट गोल्ड माइनिंग सेक्टर में नए निवेश को आकर्षित करेगा. इससे भारत में सोना और अन्य जरूरी खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा मिल सकता है. साथ ही, स्थानीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी और स्किल डेवलपमेंट जैसी सुविधाओं पर भी काम किया जा रहा है.

आयात तुरंत नहीं घटेगा, लेकिन दिशा बदलेगी

जानकारों के मुताबिक, इससे तुरंत सोने का आयात कम नहीं होगा, लेकिन यह एक बड़ा बदलाव जरूर है. भारत अब धीरे-धीरे अपने संसाधनों का इस्तेमाल बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है.

मांग में हल्की नरमी, निवेशकों की रुचि बरकरार

विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार मार्च की शुरुआत में सोने की मांग थोड़ी कमजोर रही, जिसकी वजह सीजनल फैक्टर और कीमतों में उतार-चढ़ाव रही. फिर भी शादी के सीजन में ज्वेलरी की बिक्री मजबूत रही और कंपनियों की कमाई में 32% से 124% तक की बढ़त देखी गई.

गोल्ड ईटीएफ में लगातार पैसा आ रहा

मार्च में गोल्ड ईटीएफ में 22.7 अरब का निवेश आया, जो लगातार 11वां महीना रहा. कुल होल्डिंग 115 टन तक पहुंच गई. अप्रैल की शुरुआत में भी निवेश बढ़ा, जिससे साफ है कि निवेशकों का भरोसा अभी भी मजबूत बना हुआ है.

उड़ानों पर महंगाई की मार! जेट फ्यूल बढ़ा तो एयरलाइंस ने काटे कई बड़े रूट

ग्लोबल कनेक्टिविटी पर मंडराया बड़ा खतरा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनियाभर में हवाई सफर महंगा और मुश्किल होता जा रहा है। जेट फ्यूल की कीमतों में तेज उछाल के चलते कई बड़ी एयरलाइंस अब उड़ानें घटाने और कुछ रूट बंद करने को मजबूर हो गई हैं।

इसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ रहा है, जहां टिकट महंगे हो रहे हैं और कई शहरों के बीच कनेक्टिविटी कमजोर पड़ने लगी है। ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और तेल सप्लाई में बाधा के कारण जेट फ्यूल की कीमतें आसमान छू रही हैं।

खासतौर पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे अहम समुद्री मार्ग पर अनिश्चितता ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

इसका असर अब सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप, अमेरिका और एशिया तक फैल चुका है।

एयरलाइंस ने घटाई उड़ानें

कई बड़ी एयरलाइंस जैसे केएलएम, यूनाइटेड एयरलाइंस, लुफ्थांसा और कैथे पैसिफिक ने अपने फ्लाइट शेड्यूल में कटौती शुरू कर दी है। कुछ कंपनियों ने पुराने और ज्यादा फ्यूल खर्च करने वाले विमानों को भी ग्राउंड कर दिया है। डेटा के मुताबिक, मई महीने में वैश्विक उड़ानों की क्षमता करीब 3% तक घटा दी गई है और आगे और कटौती की आशंका जताई जा रही है।

यात्रियों पर सीधा असर

उड़ानों में कटौती का मतलब है कम सीटें और ज्यादा किराया। कई एयरलाइंस लंबी दूरी की उड़ानों पर 400 डॉलर तक का अतिरिक्त फ्यूल चार्ज भी जोड़ रही हैं। इससे यात्रियों का बजट बिगड़ रहा है और ट्रैवल प्लानिंग मुश्किल हो रही है।

फ्यूल की कमी भी बनी चिंता

सिर्फ कीमत ही नहीं, बल्कि जेट फ्यूल की उपलब्धता भी चिंता का कारण बन रही है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का कहना है कि यूरोप में जेट फ्यूल का स्टॉक सीमित समय के लिए ही बचा है। अगर स्थिति जल्दी नहीं सुधरी, तो उड़ानों पर और बड़ा असर पड़ सकता है।

ग्लोबल ट्रैवल सीजन पर खतरा

आने वाले समर ट्रैवल सीजन को एयरलाइंस के लिए सबसे अहम माना जाता है, लेकिन मौजूदा हालात इस सीजन को कमजोर कर सकते हैं। कई कम लोकप्रिय रूट पहले ही बंद किए जा चुके हैं, जिससे छोटे शहरों की कनेक्टिविटी पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

आगे क्या?

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जेट फ्यूल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो एयरलाइंस और ज्यादा कटौती कर सकती हैं। इससे ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री पर दबाव बढ़ेगा और यात्रियों को आने वाले महीनों में और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत, कर्ज की मांग बढ़ी

एसेट क्वालिटी और क्रेडिट मांग से मिल रहा सपोर्ट

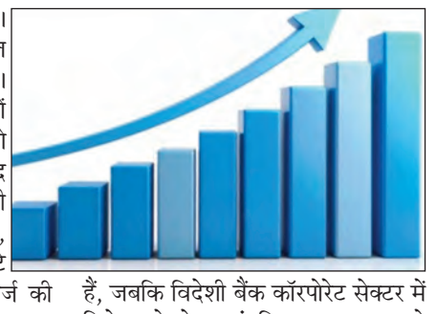

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का बैंकिंग सेक्टर फिलहाल मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है। एक हालिया सर्वे के मुताबिक, बैंकों की हालत बेहतर हो रही है और आगे भी इसमें सुधार जारी रहने की उम्मीद है। इस मजबूती की वजह अच्छी एसेट क्वालिटी (कम खराब लोन), मजबूत पूंजी, और रिटेल व छोटे कारोबार (एसएमई) में बढ़ती कर्ज की मांग है।

यह सर्वे फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन ने मिलकर किया है।

इसमें बताया गया कि आने वाले समय में बैंकिंग सेक्टर की ग्रोथ को लेकर माहौल सकारात्मक है।

इसकी वजह मजबूत बैलेंस शीट और अर्थव्यवस्था में स्थिर गतिविधियां हैं। सर्वे में यह भी कहा गया है कि मौजूदा मौद्रिक नीति (ब्याज दर से जुड़ी नीति) फिलहाल संतुलित है और इसमें बड़ा बदलाव होने की संभावना कम है।

हालांकि कुछ सहकारी बैंकों ने ब्याज दर में हल्की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है। बैंकों को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में कर्ज की मांग बढ़ती रहेगी, खासकर रिटेल और छोटे-मध्यम उद्योगों से। सरकारी बैंक भविष्य को लेकर ज्यादा भरोसेमंद नजर आ रहे हैं, क्योंकि उनकी एसेट क्वालिटी सुधरी है और कॉरपोरेट लोन में रुचि बढ़ रही है।

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि निजी बैंक थोड़ा सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि विदेशी बैंक कॉरपोरेट सेक्टर में निवेश को लेकर संतुलित रुख अपना रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सेवा क्षेत्र जैसे रियल एस्टेट, वित्तीय सेवाएं, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में बढ़ती गतिविधियों के कारण लोन की मांग मजबूत बनी रहेगी।

करीब 46% लोगों का मानना है कि नॉन-फूड क्रेडिट ग्रोथ 11% से 13% के बीच रह सकती है।

रिटेल लोन भी बैंकिंग सेक्टर के लिए एक मजबूत सहारा बना रहेगा। वहीं छोटे और मझोले उद्योगों के लिए लोन की मांग भी तेज रहने की उम्मीद है, क्योंकि इस सेक्टर में व्यापार बढ़ रहा है और सरकार भी इसे समर्थन दे रही है।

हालांकि, बैंकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती साइबर सुरक्षा को लेकर है। ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे बैंकों को सावधान रहने की जरूरत है। यह सर्वे जनवरी से फरवरी 2026 के बीच किया गया, जिसमें कुल 24 बैंकों ने हिस्सा लिया, जिनमें सरकारी, निजी, विदेशी, छोटे वित्त और सहकारी बैंक शामिल थे।

पश्चिम एशिया संकट का असर: भारत में 13% घटी एलपीजी सिलिंडर की खपत, गैर-घरेलू गैस सप्लाई भी प्रभावित

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में रसोई गैस की खपत में मार्च महीने के दौरान तेज गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी की खपत 13 प्रतिशत घटकर 2.379 मिलियन टन रह गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2.729 मिलियन टन थी। यह गिरावट पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और सप्लाई में बाधा के कारण आई है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। लेकिन इस क्षेत्र में तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आने वाली आपूर्ति भी बाधित हुई, जिससे सरकार को होटल और उद्योगों जैसे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति कम करनी पड़ी ताकि घरेलू रसोई गैस सुरक्षित रहे। घरेलू एलपीजी सिलिंडर की खपत भी मार्च में 8.1 प्रतिशत घटकर 2.219 मिलियन टन रह गई। वहीं, गैर-घरेलू उपयोग में भारी गिरावट दर्ज की गई, जो लगभग 48 प्रतिशत तक कम हो गई। बड़े स्तर पर यानी बल्क एलपीजी की बिक्री में भी 75 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। ऐसे में अब ये समझना ज्यादा जरूरी है कि भारत में सप्लाई को लेकर सरकार का स्टैंड क्या है और आंकड़ें क्या कहते हैं। इस बात को ऐसे समझिए कि प्रभावित हुई ऊर्जा सप्लाई के इतर भारत सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की सप्लाई सामान्य रही। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि खपत में कमी आई है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया कि वे पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाएं। इसके चलते घरेलू उत्पादन बढ़कर 1.4 मिलियन टन हो गया, जो पिछले साल 1.1 मिलियन टन था।बता दें कि पूरे वित्तीय वर्ष में एलपीजी की कुल खपत 6 प्रतिशत बढ़कर 33.212 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो बताता है कि लंबे समय में मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत में लगभग कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष......	05-41 बजे
चंद्र	वृष	मे	वृष....	07-26 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..	09-27 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क...	11-39 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---	13-51 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या--	15-58 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---	18-03 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक..	20-13 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	22-27 बजे
			मकर...	00-33 बजे
			कुंभ...	02-24 बजे
			मीन....	04-02 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-03
सूर्यास्त. 18 -28
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष सोमवार 20 April 2026
तिथि - तृतीया 07-28 तक उपरान्त चतुर्थी (क्षय तिथि)
नक्षत्र - रोहिणी 02-08 रात्री तक उप मृगशिरा
योग - सौभाग्य 16-11 तक उप शोभन
करण - गर 07-28 तक उप वणिज

विशेष: अक्षय तृतीया

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-32 से 09-07 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-03 - 07-32	शुभ	चंचल	18-28 - 19-58	शुभ
काल	07-32 - 09-07	अशुभ	रोग	19-58 - 21-24	अशुभ
शुभ	09-07 - 10-41	शुभ	काल	21-24 - 22-49	अशुभ
रोग	10-41 - 12-15	अशुभ	लाभ	22-49 - 00-15	शुभ
उत्पात	12-15 - 13-49	अशुभ	उत्पात	00-15 - 01-41	अशुभ
चंचल	13-49 - 15-24	शुभ	शुभ	01-41 - 03-06	शुभ
लाभ	15-24 - 16-58	शुभ	अमृत	03-06 - 04-32	शुभ
अमृत	16-58 - 18-28	शुभ	चंचल	04-32 - 06-03	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राजस्थान सियासत की 'उल्टी गंगा'!

सत्ताधारी बीजेपी उतरेगी सड़कों पर, क्यों शुरू होंगे 'सिलसिलेवार' विरोध-प्रदर्शन?

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक दुर्लभ और बेहद दिलचस्प नजारा देखने को मिलने वाला है। अमूमन सरकार के खिलाफ विपक्ष सड़कों पर उतरता है, लेकिन इस बार राजस्थान की 'सत्ताधारी' भाजपा ने ही विरोध-प्रदर्शन का बिगुल फूंक दिया है। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन द्वारा संसद में महिला आरक्षण बिल (संविधान 131वां संशोधन विधेयक-2026) का कथित तौर पर विरोध किए जाने के बाद, भाजपा ने इसे प्रदेश के कोने-कोने में ले जाने का फैसला किया है।

दिल्ली से मिला 'ग्रीन सिग्नल'

नई दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने प्रेस वार्ता कर कांग्रेस पर महिला अधिकारों के हनन का आरोप लगाया था। इस प्रेस वार्ता के तुरंत बाद भाजपा के केंद्रीय संगठन ने राजस्थान इकाई को सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा आलाकमान का मानना है कि राजस्थान जैसे राज्य में, जहाँ महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण बड़े चुनावी मुद्दे हैं, वहां कांग्रेस के इस महिला विरोधी रुख को घर-घर पहुँचाना फायदेमंद साबित होगा।

शहरों से ढाणियों तक, भाजपा का विस्तृत 'विरोध चार्ट'

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, प्रदेश भाजपा अब सिलसिलेवार विरोध-प्रदर्शनों का ब्यौरा तैयार कर रही है।

गांवों पर फोकसः भाजपा का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण महिलाएं और युवा हैं। चौपालों पर जाकर यह बताया जाएगा कि किस प्रकार कांग्रेस और उसके साथियों ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने वाले बिल को गिराया है।

शहरों में धरनेः जिला मुख्यालयों और संभाग स्तर पर बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी है, जिसमें सरकार के मंत्रियों के साथ-साथ संगठन के बड़े पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

'शर्मनाक है कांग्रेस का रुख'

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दिल्ली में जो मुद्दा उठाया गया है, उसे राजस्थान की मिट्टी में गहराई तक उतारा जाएगा। स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के रुख को शर्मनाक बताते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने योजनाबद्ध तरीके से नारी शक्ति के सपनों को कुचला है। राजस्थान भाजपा के नेताओं का तर्क है कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को हक देना चाहा, तो कांग्रेस, टीएमसी और सपा जैसे दलों ने अड़ंगा लगाया।

राजस्थान में भाजपा का यह कदम 'प्रो-एक्टिव पॉलिटिक्स' का हिस्सा है। वोट बैंक की जंगः आगामी चुनावों और वर्तमान राजनीतिक माहौल में महिलाओं का वोट निर्णायक है। भाजपा इस मुद्दे को 'महिला अस्मिता' से जोड़कर कांग्रेस को बैकफुट पर धकेलना चाहती है। संगठन की मजबूतीः सत्ता में होने के बावजूद सड़कों पर उतरकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नया जोश भरना चाहती है।

नेरेटिव सेट करनाः विपक्षी गठबंधन को जनविरोधी, महिला विरोधी और विकास विरोधी साबित करने के लिए यह सबसे बड़ा हथियार बन गया है।

'मैं प्रधानमंत्री को चुनौती देता हूं'

पीएम मोदी के माफीनामे पर ये क्या बोल गए अशोक गहलोत?

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद देश और खासकर राजस्थान का सियासी तापमान चरम पर पहुँच गया है। पीएम द्वारा विपक्ष को महिला विरोधी बताने और देश की महिलाओं से माफी मांगने के बाद राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोर्चा संभाल लिया है। जयपुर में मीडिया से मुखातिब होते हुए गहलोत ने प्रधानमंत्री के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें 'इलेक्शन मोड' में आने की खुली चुनौती दे डाली।

'लोकसभा भंग करें और...': गहलोत का तीखा प्रहार

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि देश की महिलाएं विपक्षी दलों को कड़ा सबक सिखाएंगी। इस पर पलटवार करते हुए अशोक गहलोत ने कहा, ₹प्रधानमंत्री जी कह रहे हैं कि महिलाएं हमें सबक सिखाएंगी। अगर उन्हें अपने इस दावे पर इतना ही यकीन है, तो मैं उन्हें चुनौती देता हूँ कि वे इसी वक्त लोकसभा भंग कर दें और देश में नए सिरे से चुनाव करवाएं। जनता और देश की नारी शक्ति तय कर लेगी कि वह किसके साथ है।

'ओबीसी महिलाओं के हक पर 'डाका''

अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर ओबीसी महिलाओं के अधिकारों को छीनना चाहती थी।

गहलोत का तर्कः 2026 की जातिगत जनगणना के बाद ही देश में ओबीसी की सही संख्या का पता चलेगा।

ओबीसी आरक्षणः गहलोत ने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा बिल पेश किया जिसमें ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से कोटे का प्रावधान नहीं था, जो उनके साथ बड़ा विश्वासघात है।

'भाजपा का चुनाव विभाग बन गया है ईसी'

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच प्रधानमंत्री के इस संबोधन को गहलोत ने सीधे तौर पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताया। गहलोत ने कहा, ₹देश के दो राज्यों में चुनाव चल रहे हैं, ऐसे समय में राष्ट्र के नाम संबोधन राजनीति से प्रेरित है। लेकिन हमें पता है कि चुनाव आयोग कोई कार्रवाई नहीं करेगा, क्योंकि वह अब भाजपा का एक 'चुनाव विभाग' बनकर रह गया है।

पीएम मोदी का संबोधनः 'नारी शक्ति वंदन' और माफीनामा

गौरतलब है कि संबोधन में देश की महिलाओं से माफी मांगी कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में पारित नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि यह बिल किसी के अधिकार छीनने के लिए नहीं, बल्कि महिलाओं के लंबित हक को सुनिश्चित करने के लिए था, जिसका लाभ 2029 के चुनावों में मिलना तय था। इससे पहले पीएम कृषि कानूनों की वापसी पर भी देश से माफी मांग चुके हैं।

राजस्थान में क्या होगा असर?

राजस्थान की राजनीति में महिला वोट बैंक हमेशा से गेम-चेंजर रहा है। गहलोत का यह आक्रामक रुख बताता है कि कांग्रेस अब इस मुद्दे को 'ओबीसी बनाम अन्य' और 'प्रशासनिक विफलता' के रूप में जनता के बीच ले जाएगी। वहीं, भाजपा इसे 'विपक्ष के अड़ंगे' के रूप में प्रचारित कर रही है।

गजेन्द्र शेखावत का राहुल गांधी पर तीखा हमला

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां) संशोधन बिल के गिरने के बाद देश की राजनीति में तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस मुद्दे पर कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। जयपुर में शेखावत ने कहा कि भारत के लिए यह दिन "काला दिन" के रूप में याद किया जाएगा। उनके अनुसार, महिला आरक्षण बिल को गिराने में कांग्रेस की भूमिका ने महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति उसके कथित रुख की पोल खोल दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से देश की करोड़ों महिलाओं को उनके उचित प्रतिनिधित्व से वंचित किया गया है, जो एक तरह से उनका अपमान है।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब देश महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर स्पष्ट और दूरदर्शी दृष्टिकोण की अपेक्षा कर रहा था, तब कांग्रेस नेता ने गंभीर चर्चा के बजाय विषय से भटकने का प्रयास किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी का रवैया उस छात्र जैसा रहा, जो उत्तर न होने पर उत्तर पुस्तिका में कुछ भी लिख देता है। शेखावत ने आगे कहा कि यह समय देश के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेने का था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने अवसर खो दिया। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता और विशेषकर महिलाएं इस घटनाक्रम को ध्यान से देख रही हैं और इसका राजनीतिक असर भविष्य में देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के अधिकारों और भागीदारी को लेकर कांग्रेस का रुख अब सवालों के घेरे में है और इस घटना के बाद पार्टी के लिए महिलाओं का विश्वास दोबारा हासिल करना कठिन हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम ने महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेदों को एक बार फिर उजागर कर दिया है, जिससे आने वाले समय में इस विषय पर और अधिक सियासी बहस तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में लू का तांडव

जयपुर में पहली बार पारा 40 पार

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लगभग सभी जिलों में अब तापमान 40 डिग्री के पार हो गया है। साथ ही मरुस्थलीय हवाओं ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में अब लू का असर दिखने लगेगा। राजधानी जयपुर में इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, यहां पहली बार पारा 40.8 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले 3-4 दिन प्रदेशवासियों के लिए भारी पड़ने वाले हैं। प्रदेश में तापमान में बढोतरी होगी। प्रदेश के कई जिलों में गर्मी ने लोगों को हैरान किया। झुंझुनूं और अलवर जैसे क्षेत्रों में दिनभर लू (हीटवेव) का प्रभाव देखा गया। प्रदेश के 18 अन्य शहरों में भी तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच झूल रहा है।धूल भरी आंधियां को भी असर दिख रहा है। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में सुबह से दोपहर तक धूलभरी हवाओं ने जनजीवन प्रभावित किया। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में आगामी 3 से 4 दिनों के लिए हीटवेव का 'यलो अलर्ट' जारी किया है। बताया जा रहा है कि विशेषकर उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के जिलों में लू का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सीधे धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है। साथ ही कहा है कि गर्मी और लू से बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे सिंचाई के समय में बदलाव करें ताकि फसलों को लू से बचाया जा सके।राजस्थान में जिस तेजी से पारा चढ़ रहा है, उससे स्पष्ट है कि इस बार नौतपा से पहले ही गर्मी अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर ने गरमाई सियासत

पूर्व सीएम ने खुद सामने आकर किया बड़ा खुलासा

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से एक कथित पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पत्र में संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण बिल और परिसीमन जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग राय व्यक्त की गई थी।

पत्र सामने आते ही राजनीतिक माहौल गर्मा गया। कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे असली मानते हुए बीजेपी पर निशाना साधा और पार्टी के भीतर मतभेदों के आरोप लगाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर यह मामला तेजी से ट्रेंड करने लगा और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

वसुंधरा राजे ने किया फर्जी पत्र का खंडन

हालांकि, विवाद बढ़ने के बीच खुद वसुंधरा राजे ने सामने आकर इस पत्र को पूरी तरह फर्जी करार दिया। उन्होंने X पर स्पष्ट किया कि "सांच को आंच की जरूरत नहीं है" और वायरल पत्र को "शुभचिंतकों की कारगुजारी" बताया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने के प्रयासों का वे समर्थन करती हैं और देश की हर महिला इसका स्वागत कर रही है।

विवाद धीरे-धीरे हुआ शांत

राजे ने अपने बयान में यह भी जोड़ा कि कुछ लोग भ्रम फैलाने और बाधाएं उत्पन्न करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन देश की नारी शक्ति न रुकी है और न रुकेगी। उनके इस स्पष्ट खंडन के बाद मामला धीरे-धीरे शांत होता नजर आया।

प्रधानमंत्री दौरे से पहले पूरा बालोतरा जिला रेड ज़ोन घोषित

बाड़मेर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 अप्रैल 2026 को राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में प्रस्तावित आगमन को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। देश के सबसे वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिला मजिस्ट्रेट सुशील कुमार ने एक विशेष आदेश जारी कर पूरे बालोतरा जिले को अस्थायी रूप से 'नो-फ्लाई ज़ोन' घोषित कर दिया है।

ड्रोन और यूएवी पर पूर्ण प्रतिबंध

प्रशासनिक आदेश के अनुसार, जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में ड्रोन, यूएवी, हॉट एयर बैलून और अन्य किसी भी प्रकार के उड़ने वाले उपकरणों के उपयोग पर अस्थायी प्रतिबंध रहेगा। असामाजिक तत्वों पर नज़रः पुलिस और खुफिया एजेंसियों को अंदेशा है कि असामाजिक तत्व ड्रोन के माध्यम से कानून-व्यवस्था में व्यवधान डाल सकते हैं। इसी खतरे को भांपते हुए पचपदरा और आसपास के इलाकों में हवाई सुरक्षा को लेकर यह निर्णय लिया गया है।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति इस आदेश की अवहेलना करता है या चोरी-छिपे ड्रोन उड़ाता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 और अन्य संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां पचपदरा रिफाइनरी और सभा स्थल के आसपास के क्षेत्र को पहले ही अपनी निगरानी में ले चुकी हैं।

पचपदरा में PM का दौराः राजस्थान के लिए क्यों है खास?

प्रधानमंत्री का यह दौरा बालोतरा और पचपदरा के औद्योगिक विकास (विशेषकर रिफाइनरी प्रोजेक्ट) के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे जिले को 'रेड ज़ोन' में रखा गया है। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ पैरामिलिट्री फोर्स और एसपीजी ने भी मोर्चेबंदी शुरू कर दी है।

आमजन से प्रशासन की अपील

जिला मजिस्ट्रेट ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या उड़ने वाली वस्तु दिखने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सूचना दें। प्रधानमंत्री की सभा में आने वाले लोगों के लिए भी अलग से सुरक्षा गाइडलाइंस जारी की जा रही हैं।

सरहदें हारीं, रिश्ते जीते: लड़का जोधपुर का और लड़की पाकिस्तान की, नेपाल में ब्याह रचा,10 महीने बाद आई दुल्हन

जोधपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर के एक परिवार के लिए यह दिन किसी सपने के सच होने जैसा है। वर्ष 2011 में पाकिस्तान से भारत आकर जोधपुर के पाल क्षेत्र में बसे इस परिवार ने करीब 15 साल तक जिस मिलन का इंतजार किया, वह आखिरकार पूरा हुआ। घर की बहू रक्षा सुथार के गृह प्रवेश के साथ ही परिवार में भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

दरअसल, परिवार के बेटे अमित सुथार की सगाई वर्षों पहले पाकिस्तान में ही उनके दादाजी और परिजनों ने तय की थी। इसके बाद 2011 में अमित और उनके पिता प्रदीप सुथार का परिवार जोधपुर आ गया।

भारत-पाकिस्तान के बीच वीजा संबंधी जटिलताओं ने इस रिश्ते को लंबे समय तक अधूरा रखा। हर बार कोशिश के बावजूद वीजा नहीं मिल पाने से दोनों परिवारों की उम्मीदें टूटती रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अमित वर्तमान में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और

रक्षा ने पाकिस्तान में एमबीबीएस की है।

फिर नेपाल जाकर शादी

आखिरकार विवाह संपन्न कराने के लिए एक अनोखा रास्ता निकाला गया। दूल्हा पक्ष भारत से नेपाल के काठमांडू पहुंचा। वहीं, दुल्हन पक्ष पाकिस्तान से नेपाल आया।

सरहदों के बीच फंसे इस रिश्ते ने 2 जून, 2025 को नेपाल की धरती पर सात फेरे लेकर एक नई शुरुआत की। लेकिन इसके बाद भी दुल्हन अपने ससुराल नहीं आ सकी। विवाह के बाद दूल्हा जोधपुर लौट आया, जबकि दुल्हन को फिर से पाकिस्तान जाना पड़ा।

10 महीने संघर्ष के बाद रक्षा आई हिंदुस्तान

विवाह के बाद भी असली संघर्ष खत्म नहीं हुआ था। बहू रक्षा सुथार को भारत लाने के लिए परिवार ने लगातार प्रयास किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के सहयोग से वीजा प्रक्रिया में राहत मिली।

आवश्यक दस्तावेजों और लंबी प्रक्रिया के बाद रक्षा को 45 दिन का विजिटर वीजा मिला और वह अपने ससुराल पहुंच सकीं। जैसे ही रक्षा सुथार ने पाल गांव में गृह प्रवेश किया, पूरे परिवार में खुशी का माहौल बन गया।

वर्षों की दूरी, इंतजार और संघर्ष के बाद यह मिलन हर किसी की आंखें नम कर गया। पाक विस्थापितों के लिए संघर्ष करने वाले गणेश बिजाणी ने बताया कि विजिटर वीजा के बाद उन्हें लॉन्ग टर्म वीजा का प्रयास किया जाएगा।

पुष्कर घाटी में सवारियों से भरी बेकाबू बस पलटी- 2 की मौत

अजमेर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। पुष्कर की घुमावदार और खतरनाक घाटी में रविवार को एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के वक्त बस में एक ही समाज-परिवार के कई लोग सवार थे, जो पीसांगन क्षेत्र के एक गांव में 'मायरा' (भात) लेकर जा रहे थे। इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 22 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के बाद अस्पताल में मचे कोहराम और परिजनों के रुदन ने हर किसी की आंखें नम कर दीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस पुष्कर घाटी के चढ़ाव और मोड़ पर अचानक संतुलन खो बैठी और पलट गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू किया। बस के भीतर फंसे यात्रियों की चीख-पुकार से पूरी घाटी गूंज उठी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में स्थितिः अस्पताल परिसर में घायलों के परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिन्हें काबू करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

प्रशासनिक निर्देशः कलेक्टर लोक बंधु ने डॉक्टरों की टीम को अलर्ट मोड पर रहने और घायलों को तत्काल बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। एसपी ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। यह हादसा तब और भी दुखद हो जाता है जब पता चला कि बस में सवार सभी लोग मांगलिक कार्यक्रम (मायरा) के लिए निकले थे। पीसांगन के पास एक गांव में बहन के घर भात भरने जा रहे भाइयों और परिवार की खुशियां एक झटके में उजड़ गईं। मृतकों में गुर्जर समाज के लोग शामिल हैं, जिनकी पहचान की प्रक्रिया जारी है।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर 25 हजार छीने

अपहरण कर ऑनलाइन व एटीएम से और लिए 50 हजार रुपए

नागौर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नागौर जिले में एक व्यक्ति ने डीएसटी पुलिसकर्मी सहित चार व्यक्तियों के खिलाफ लूट, अपहरण और जबरन वसूली को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक, नागौर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, नागौर को शिकायत दी है।। मुण्डासर निवासी पीड़ित ने शिकायत के साथ ऑनलाइन किए गए ट्रांजेक्शन व एटीएम से निकाले गए रुपयों के मैसेज की फोटो भी पुलिस अधिकारियों को उपलब्ध करवाई है।

गौरतलब है कि चार दिन पहले नागौर डीएसटी पर एक हिस्ट्रीशीटर से लेनदेन का मामला सामने आया था, जिसके बाद एसपी रोशन मीना ने तीन कांस्टेबलों को निलम्बित करते हुए शेष टीम को लाइन हाजिर कर दिया था। वहीं दो दिन पूर्व मेड़ता डीएसटी की ओर से गत माह पकड़े गए अवैध बजरी के ट्रकों को बिना कार्रवाई छोड़ने का मामला चर्चा में है, इन सब के बीच एक और नया मामला सामने आ गया। हालांकि मामले की सच्चाई जांच के बाद सामने आएगी, लेकिन शिकायत मिलते ही एसपी ने प्रकरण की जांच प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन को सौंप दी है। आईपीएस जैन ने बताया कि जांच में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित नरपतराम की ओर से दी गई शिकायत के अनुसार 17 अप्रेल की रात्रि लगभग 10 से 10:30 बजे के बीच वह मोटरसाइकिल से छीला से नागौर जाने वाली बॉर्डर रोड से अपने घर जा रहा था। उसके पास 25,400 रुपए नकद थे। उसी दौरान एक कार, जिसमें चार व्यक्ति सवार थे, उसके पास आकर रुकी। कार की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी हुई थी। चारों ने खुद को डीएसटी बीकानेर और नोखा से संबंधित बताते हुए पूछताछ के बहाने गाड़ी में बैठने को कहा। मना करने पर उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया गया और छीला की ओर ले गए। छीला में चारों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और मोबाइल फोन व 25,400 रुपए नकद छीन लिए।

बुजुर्ग दंपत्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

लूट के बाद हत्या की आशंका

जैसलमेर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। शांत और अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले इस क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपति अपने ही घर में मृत अवस्था में पाए गए, जिससे स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों का माहौल बन गया है। यह मामला उस समय सामने आया, जब मृतक लाखाराम का भतीजा उनके घर हालचाल जानने के लिए पहुंचा। कई बार आवाज लगाने के बावजूद जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उसे अनहोनी का अंदेशा हुआ। घर के भीतर दाखिल होते ही जो दृश्य उसने देखा, वह बेहद भयावह था। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची।

पुलिस के अनुसार, लाखाराम का शव घर के आंगन में पड़ा मिला, जबकि उनकी पत्नी रेशमा का शव घर के अंदर एक कमरे में मिला। दोनों शवों की स्थिति सामान्य नहीं थी, जिससे प्रारंभिक जांच में ही मामला संदिग्ध नजर आने लगा। घर के अंदर और बाहर फैले हालात इस बात की ओर इशारा कर रहे थे कि घटना के दौरान संघर्ष हुआ हो सकता है। जांच के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे संकेत मिले हैं, जो इस घटना को लूटपाट से जोड़ते हैं। घटनास्थल के आसपास संदिग्ध पैरों के निशान पाए गए हैं, वहीं घर के अंदर सामान अस्त-व्यस्त स्थिति में मिला। सबसे अहम बात यह सामने आई कि रेशमा के पैरों में पहनी जाने वाली चांदी की पायल गायब है, जिससे यह शक और गहरा गया है कि बदमाश लूट के इरादे से घर में घुसे थे। पुलिस का मानना है कि जब दंपति ने विरोध किया होगा, तो आरोपियों ने उनकी हत्या कर दी। हालांकि, अभी तक किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है और हर पहलू से जांच जारी है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। पुलिस आसपास के लोगों और पड़ोसियों से भी पूछताछ कर रही है। इस वारदात के बाद मोहनगढ़ क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटना पहले कभी नहीं हुई, जिससे लोगों का विश्वास हिल गया है।

पुलिस के शिकंजे में आए हेरोइन-ट्रॉमाडोल तस्कर

चूरू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज हो गया है। 'ऑपरेशन नकेल' के तहत स्थानीय पुलिस ने एक सप्ताह में दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन, नशीले कैप्सूल और गांजा के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने साफ कहा कि अब नशा बेचने वालों की खैर नहीं, सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गश्त के दौरान गुलपुरा रोड पर संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कार्रवाई करते हुए रखमान (35) उर्फ रुस्तम निवासी वार्ड नंबर 26 हाल वार्ड नंबर 33, सादुलपुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से 5.84 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) और 100 नशीले ट्रॉमाडोल कैप्सूल बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन ने दक्षिण भारत व महिलाओं के साथ विश्वासघात किया : शोभा करंदलाजे

17 अप्रैल का दिन भारतीय महिलाओं के इतिहास में ब्लैक डे के रूप में

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने दक्षिण भारत और देश की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। बीजेपी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल का दिन भारतीय महिलाओं के इतिहास में ब्लैक डे के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 'इंडी' गठबंधन ने महिलाओं और दक्षिण भारत के हितों को ठेस पहुंचाई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक और दक्षिणी राज्यों के हितों की रक्षा के लिए परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा प्रस्ताव रखा था। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण में अग्रणी दक्षिणी राज्यों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न होने देना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन के नेताओं ने संसद में इन प्रस्तावों के असफल होने का जश्न मनाया, जो देश को उत्तर-दक्षिण के आधार पर बांटने की साजिश का संकेत है। शोभा करंदलाजे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में सभी राज्यों की सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि का सुझाव दिया था और एक घंटे का समय मिलने पर नया बिल लाने की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि मुद्रा लोन का 60 प्रतिशत और एमएसएमई सब्सिडी का 53 प्रतिशत लाभ महिलाओं को मिला है, और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी वंशवाद की राजनीति करती है। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी की संसद में की गई टिप्पणियों को भी अपरिपक्व बताया। तेलंगाना सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सरकार को विफल करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किए गए वादों जैसे महिलाओं को 2,500 सहायता, छात्राओं को स्कूटी, बेरोजगारों को भत्ता, पेंशन वृद्धि और विवाहित बेटियों को सोना देने में से एक भी पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता को झूठे वादों से गुमराह कर वोट हासिल करती है और वादे पूरे न कर पाने के कारण जनता के साथ अन्याय कर रही है।

गर्मी की भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाएगा दक्षिण मध्य रेलवे

तिरुपति-खड़गपुर स्पेशल, मुजफ्फरपुर-चेर्लापल्ली स्पेशल ट्रेन चलेगी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के बीच कई स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 07687 (तिरुपति-खड़गपुर) 22 अप्रैल को सुबह 5:20 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 12:00 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन रेनिगुंटा, नेल्लोर, ओंगोल, तेनाली, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, सामलकोट, विजयनगरम, ब्रह्मपुर, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक और बालासोर सहित कई स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 07691 (मछलीपट्टनम-खड़गपुर) 24 अप्रैल को दोपहर 12:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11:00 बजे पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 07692 (खड़गपुर-मछलीपट्टनम) 25 अप्रैल को दोपहर 1:00 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 3:00 बजे पहुंचेगी।

दोनों दिशाओं में यह ट्रेन गुडिवाडा, कैकालुर, भीमावरम टाउन, तनुकु, निडाडावोलु, राजमंड्री, सामलकोट, विजयनगरम, भुवनेश्वर, कटक और बालासोर समेत प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन संख्या 07688 (खड़गपुर-चेर्लापल्ली) 23 अप्रैल को शाम 4:00 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 9:00 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 07693 (चेर्लापल्ली-खड़गपुर) 26 अप्रैल को सुबह 6:25 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10:00 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 07694 (खड़गपुर-चेर्लापल्ली) 27 अप्रैल को शाम 4:30 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 6:30 बजे पहुंचेगी।

ये ट्रेनें नलगोंडा, मिर्यालगुडा, गुंटूर, विजयवाड़ा, राजमंड्री, विजयनगरम, भुवनेश्वर, कटक और बालेश्वर जैसे स्टेशनों पर रुकेंगी।

ट्रेन संख्या 07699 (चेर्लापल्ली-संतरागाछी) 25 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2:30 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 07700 (खड़गपुर-चेर्लापल्ली) 26 अप्रैल को शाम 4:45 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 10:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07701 (एच.एस. नांदेड़-आसनसोल) 21 अप्रैल को रात 11:50 बजे रवाना होकर गुरुवार दोपहर 12:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07702 (आसनसोल-नांदेड़) 23 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे रवाना होकर शनिवार तड़के 12:45 बजे पहुंचेगी। ये ट्रेनें पूर्णा, हिंगोली, अकोला, नागपुर, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, राउरकेला और टाटानगर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेंगी। ट्रेन संख्या 06001 (चेन्नई एग्मोर) 19 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 6:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06002 (संत्रागाछी-चेन्नई बीच) 20 अप्रैल को रात 9:30 बजे रवाना होकर बुधवार सुबह 8:30 बजे पहुंचेगी।

इसी क्रम में दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि रेलवे के अनुसार, चेर्लापल्ली से जसीडीह, मुजफ्फरपुर और बरौनी के लिए कई स्पेशल ट्रेनें अलग-अलग तिथियों पर चलाई जाएंगी। इनमें ट्रेन संख्या 07580 (चेर्लापल्ली-जसीडीह) 23 अप्रैल को, 07582 (चेर्लापल्ली-मुजफ्फरपुर) 28 अप्रैल को, 07584 (चेर्लापल्ली-मुजफ्फरपुर) 24 अप्रैल को, 07586 (चेर्लापल्ली-जसीडीह) 30 अप्रैल को, 07588 (चेर्लापल्ली-बरौनी) 26 अप्रैल को तथा 07590 (चेर्लापल्ली-मुजफ्फरपुर) 1 मई को संचालित होगी। इसी तरह वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 07581 (जसीडीह-चेर्लापल्ली) 24 अप्रैल, 07583 (मुजफ्फरपुर-चेर्लापल्ली) 30 अप्रैल, 07585 (मुजफ्फरपुर-चेर्लापल्ली 26 अप्रैल, 07587 (जसीडीह-चेर्लापल्ली) 1 मई, 07589 (बरौनी-चेर्लापल्ली) 28 अप्रैल तथा 07591 (मुजफ्फरपुर-चेर्लापल्ली) 3 मई को चलाई जाएगी।

रेलवे ने बताया कि चेर्लापल्ली से चलने वाली इन विशेष ट्रेनों के लिए आरक्षण 20 अप्रैल 2026 सुबह 8 बजे से शुरू होगा। यात्रियों से इन ट्रेनों का लाभ उठाने और अपनी यात्रा की अग्रिम योजना बनाने की अपील की गई है।

आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से गर्मी से राहत

तेलंगाना में 23 अप्रैल तक दिन में भीषण गर्मी का अलर्ट

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई जिलों में तेज आंधी, तूफानी हवाओं और ओलावृष्टि ने दस्तक दी, जिससे दिन भर जारी भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली। हालांकि यह राहत अल्पकालिक रही और मौसम विभाग ने आगामी दिनों में गर्मी के जारी रहने की चेतावनी दी है। शहर के कुकटपल्ली, कुतुबुल्लापुर, अलवाल, गजुलारामरम, बालानगर, बोइनपल्ली, ईसीआईएल, बाचुपल्ली, मियापुर, आरसी पुरम और सेरलिंगमपल्ली सहित कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। इसके अलावा आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद, मेदक, कामारेड्डी, संगारेड्डी, विकाराबाद और सिद्दीपेट जिलों में भी व्यापक स्तर पर आंधी-तूफान और ओले गिरने की सूचना मिली है।

इस बीच, हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने ताजा पूर्वानुमान में कहा है कि 23 अप्रैल तक लगभग सभी जिलों में दिन के समय भीषण गर्मी बनी रहेगी, जबकि शाम को मौसम अचानक बदल सकता है और गरज के साथ बारिश तथा तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वानुमान के अनुसार, अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दोपहर की तेज गर्मी के कारण शाम को अस्थिर मौसम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलेंगी।

तूफान की चेतावनी आदिलाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, पेद्दापल्ली, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, यादाद्री भुवनगिरि, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर और नागरकर्नूल सहित कई जिलों के लिए जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिन के समय अत्यधिक तापमान के कारण गर्म हवा तेजी से ऊपर उठती है और शाम तक क्यूमुलस बादलों का निर्माण होता है। जब यह गर्म हवा बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त हवाओं से मिलती है, तो गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ वर्षा की स्थिति बनती है।

मेडाराम मंदिर के अंतिम चरण के कार्यों की समीक्षा, मंत्रियों ने दिए तेजी से पूरा करने के निर्देश

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मंत्रियों ने मेडाराम सम्मक्का-सरलम्मा मंदिर में चल रहे अंतिम चरण के विकास और पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा कि मंदिर परिसर को श्रद्धालुओं के लिए भव्य और सुव्यवस्थित स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इस मौके पर पंचायती राज मंत्री दानासरी अनसूया सीतक्का, विधायक तेल्लम वेंकट राव, पायम वेंकटेश्वरलु, कोरम कनकैय्या और जारे आदिनारायण भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद हरिता होटल में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर दिवाकर टी.एस. ने विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने निर्देश दिया कि मास्टर प्लान के तहत स्वीकृत सभी मुख्य द्वार (आर्च) और अन्य लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। वहीं मंत्री सीतक्का ने कहा कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर को आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जाए, ताकि उन्हें बेहतर अनुभव मिल सके। अंत में मंत्रियों ने नरलापुर गांव में अवुला लक्ष्मी और राजू के लिए बनाए गए इंदिरम्मा आवास का उद्घाटन भी किया।

झूठ और छल के सहारे राजनीति कर रहे हैं सीएम रेवंत रेड्डी : बंडी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें आधुनिक दौर का गोएबेल्स करार दिया। एक बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी झूठ और छल के सहारे राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद स्वीकार किया था कि लोग झूठ बोलने वालों पर भरोसा करते हैं और वे भी इसी आधार पर सत्ता में आए हैं। बंडी संजय ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने से पहले 100 दिनों में छह गारंटी लागू करने का वादा किया था, जिसमें हर महिला को 2,500 मासिक सहायता, एक तोला सोना और स्कूटी देने जैसे वादे शामिल थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद इन्हें पूरा नहीं किया गया उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है मानो मुख्यमंत्री पर सच बोलने पर सिर फटने का श्राप है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी तरह ही वर्तमान सरकार भी झूठे वादों से जनता को गुमराह कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने और दक्षिणी राज्यों को न्याय दिलाने के लिए सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव रखा था, लेकिन 'इंडी' गठबंधन ने इसे रोक दिया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण भारत को नुकसान होने का झूठा प्रचार कर विधेयक को रोकने में भूमिका निभाई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन के नेताओं ने महिलाओं के सपनों को तोड़ा है।

बंडी संजय ने कहा कि देश की करोड़ों महिलाएं इस अपमान को कभी नहीं भूलेंगी और आने वाले समय में 'इंडी' गठबंधन के नेताओं को इसका जवाब मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में बीजेपी कांग्रेस के धोखे का संदेश राज्य के हर गांव तक पहुंचाएगी।

महात्मा बसवेश्वर जयंती मनाई गई

मदनूर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वीरशैव लिंगायत धर्म के संस्थापक महात्मा बसवेश्वर जयंती लिंगायत समाज सहित स्थानीय लोगों ने बडे ही धूमधाम से मनाई। अवसर पर ग्राम सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री, कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दारासवार सायलु, मंडल लिंगायत समाज अध्यक्ष पंडित राव पाटिल, डोंगली सोसायटी पूर्व अध्यक्ष राम पाटिल, अशोक पटेल, बीआरएस मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल, हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल, भाजपा अध्यक्ष तुकाराम ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए बसवेश्वर प्रतिमा की पूजा अर्चना कर आरती उतारी।

सरपंच ने बताया कि महात्मा बसवेश्वर (12वीं शताब्दी) के एक महान समाज सुधारक, दार्शनिक और वीरशैव लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक थे। उन्होंने जाति व्यवस्था, अस्पृश्यता, अंधविश्वास और पुरुष एवं स्त्री के बीच असमानता के विरूद्ध संघर्ष किया और एक समतावादी समाज की स्थापना की।

उन्होंने 'कायकवे कैलाश' (कर्म ही उपासना है) और 'अनुभव मंडप' (लोकतांत्रिक संसद) के माध्यम से सामाजिक, धार्मिक और साहित्यिक क्षेत्रों में क्रांति ला दी। इस अवसर पर अधिक संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

रैतु भरोसा भुगतान पर सरकार को घेरा

केसीआर की जनसभा से घबराकर फैसला लेने का आरोप

करीमनगर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि किसानों को रैतु भरोसा का भुगतान एक-दो दिन में करने की घोषणा बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की जगतियाल में प्रस्तावित जनसभा के डर से की गई है। रविवार को यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि विधानसभा में बीआरएस अध्यक्ष की अनुपस्थिति की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेता, अब जगतियाल में होने वाली बैठक की घोषणा के बाद चिंतित हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के दौरान न केवल जनता से किए गए वादों को पूरा किया गया, बल्कि कई जनकल्याणकारी योजनाएं भी सफलतापूर्वक लागू की गईं। इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार पर उन्होंने आरोप लगाया कि उसने अब तक जनता के हित में कोई ठोस कार्य नहीं किया है और केवल विध्वंसात्मक रवैया अपनाया है। तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने केसीआर किट, दलित बंधु, वृद्धावस्था पेंशन, रैतु बंधु और रैतु बीमा जैसी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले इन योजनाओं का लाभ दोगुना करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें बंद कर दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य में कोई नई परियोजना शुरू नहीं हुई और सरकार ने भारी कर्ज लिया है। जगतियाल में सोमवार को होने वाली बैठक का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की और इसे सफल बनाने का आह्वान किया।

पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संगारेड्डी, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सिरगापुर मंडल के जेवुला थंडा गांव में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार को रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। भीषण गर्मी के बावजूद एक महीने से अधिक समय से पानी की आपूर्ति ठप रहने से लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद मिशन भागीरथा के अधिकारियों ने समस्या पर ध्यान नहीं दिया, जिससे उन्हें सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। गांव के लोग रोजाना दूर-दूर से पानी लाने को विवश हैं। कुछ लोग कृषि बोरवेल से पानी ला रहे हैं, तो कुछ पड़ोसी गांवों पर निर्भर हैं।

भीषण गर्मी से महिला की मौत, तंबू में रह रही थी अकेली

मंचेरियल में तापमान 43 डिग्री के पार, लू का प्रकोप जारी

मंचेरियल, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेन्नल मंडल के गुंडला सुमारम गांव में रविवार को भीषण गर्मी के कारण एक 60 वर्षीय महिला की लू लगने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में गर्मी के बढ़ते प्रकोप को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार, चल्लरी रुकमम्मा पॉलीथीन से बने एक अस्थायी तंबू में रह रही थीं। भीषण गर्मी के चलते वह अचानक बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें नेन्नल के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि उन्होंने कुछ महीने पहले अपना पुराना घर गिरा दिया था, जिसके कारण वह अस्थायी तंबू में रह रही थीं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज गर्मी और पॉलीथीन तंबू के भीतर अत्यधिक तापमान उनकी मृत्यु का मुख्य कारण माना जा रहा है। महिला अकेली रह रही थीं, क्योंकि उनके परिवार के सदस्य रोजगार की तलाश में शहरों में चले गए थे। इसी बीच, जिले में तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को जिले का औसत अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि भीमराम मंडल में अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। प्रशासन ने लोगों से दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और सावधानी बरतने की अपील की है।

सीएएस में जूनियर लेक्चरर सेवा जोड़ने का विरोध

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गवर्नमेंट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (टीजीसीटीए) ने सरकारी डिग्री कॉलेजों में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत जूनियर लेक्चरर के रूप में दी गई सेवाओं को पदोन्नति में शामिल करने के प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानदंडों का उल्लंघन बताया है। टीजीसीटीए ने इस संबंध में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. योगिता राणा और कॉलेज शिक्षा आयुक्त ए. श्रीदेवसेना को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन के अनुसार, यह विवाद 2004 में जारी जीओ एमएस नंबर 10 से जुड़ा है, जिसमें एक विशेष सूत्र के आधार पर जूनियर लेक्चरर की सेवा का आंशिक लाभ सीएएस पदोन्नति में देने की अनुमति दी गई थी। टीजीसीटीए का कहना है कि इस नीति को दोबारा लागू करना न केवल अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक है, बल्कि यूजीसी के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के भी विरुद्ध है।

डीआईएलएसईवाई कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दी साइबर सुरक्षा की अहम सलाह

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) ने साइबराबाद पुलिस के सहयोग से 'डिजिटल साक्षरता से खुद को सुरक्षित रखें' (डीआईएलएसईवाई) दो दिवसीय साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व साइबर सिक्योरिटी फोरम के संयुक्त सचिव रागु कन्नन ने किया, जिसमें प्रशिक्षकों और स्वयंसेवकों ने वास्तविक जीवन के साइबर खतरों पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। पहले दिन डीसीपी साई मनोहर ने हाल के वित्तीय साइबर अपराधों के मामलों के जरिए बताया कि धोखाधड़ी के तरीके कितनी तेजी से बदल रहे हैं। वहीं एससीएससी के सीईओ नवेद खान ने इंटरनेट के सकारात्मक उपयोग पर प्रकाश डाला। एससीएससी के एसोसिएट डायरेक्टर भानु मूर्ति ने सोशल मीडिया अपराध, साइबर बुलिंग और सेक्सटॉर्शन पर जागरूकता सत्र लिया। इसके अलावा कृष्णवेणी ने एआई सुरक्षा, डीपफेक और उभरते साइबर खतरों पर जानकारी दी। दूसरे दिन डिजिटल फुटप्रिंट, फेक न्यूज, ऑनलाइन गेमिंग के जोखिम और सोशल इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। रियाजउद्दीन ने साइबर कानूनों पर इंटरैक्टिव सत्र संचालित किया। संदीप राज और मौनिका ने वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान और 1930 साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई। साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश ने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अविश्वसनीय स्रोतों से एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी संगठित नेटवर्क में काम करते हैं और लोगों को आसानी से जाल में फंसा सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें, क्योंकि गोल्डन ऑवर में की गई कार्रवाई से पैसे वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कम से कम 10 अन्य लोगों को भी जागरूक करें। एससीएससी के महासचिव रमेश काजा ने सुरक्षित स्मार्टफोन उपयोग के टिप्स साझा किए और एससीएससी को एक अनोखे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के रूप में बताया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को पुलिस आयुक्त और महासचिव द्वारा सम्मानित किया गया।

गुरु तेग बहादुर का 405वां प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया गया

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में कीर्तन, कथा और लंगर का आयोजन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 405वां प्रकाश पर्व रविवार को सिकंदराबाद के सीताफलमंडी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष विशेष प्रार्थना की गई। यह कार्यक्रम गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सीताफलमंडी की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें चिलकलगुडा में आयोजित विशाल दीवान में सैकड़ों सिख श्रद्धालु और अन्य समुदायों के लोग शामिल हुए।

प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एस. प्रताप सिंह ओसाहन और महासचिव एस. रणजीत सिंह सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि इस अवसर पर प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा गुरुबानी कीर्तन और कथा का आयोजन किया गया। इसमें भाई कुलविंदर सिंह खरड़ वाले, भाई सुखबीर सिंह, भाई जसकीरत सिंह सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिससे संगत भावविभोर हो उठी। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी श्रद्धालुओं को पारंपरिक गुरु का लंगर परोसा गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पीएम ने चखा ...

टीएमसी ने छल किया, उन्हें सजा दो

टीएमसी ने बंगाल की बहनों के साथ धोखा किया है : बंगाल की बहनें चाहती थीं कि उनको 33 प्रतिशत आरक्षण मिले। मोदी ने इसके लिए भी प्रयास किया। लेकिन टीएमसी नहीं चाहती थी कि बंगाल की बेटियां ज्यादा संख्या में विधायक सांसद बनें। क्योंकि ये बेटियां इनके जंगलराज को चुनौती दे रही हैं।

हम टीएमसी की परमानेंट सर्जरी करेंगे : मैं यहां के किसान और नौजवानों की पीड़ा समझता हूं। मेरा कहना है कि जब तक मंडियों में टीएमसी का सिंडिकेट रहेगा, तब तक शोषण होता रहेगा। आप बीजेपी सरकार लाइए हम टीएमसी की परमानेंट सर्जरी करेंगे।

टाइगर की दहाड़ से डर गई है टीएमसी : टीएमसी की सरकार बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है। यह बंगाल टाइगर यहां की जनता है। मैं टीएमसी के लोगों को आखिरी मौका दे रहा हूं अपने अपने थाने में आत्मसमर्पण कर दो। क्योंकि 4 मई के बाद कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

नतीजों का डर टीएमसी नेताओं की भाषा में दिख रहा : बंगाल के चुनाव नया इतिहास बनाने वाला है। टीएमसी का भयकाल जाने वाला है और बीजेपी का सेवाकाल आने वाला है। 4 मई के नतीजे क्या होंगे इसका असर अभी से ही टीएमसी के नेताओं की भाषा में दिख रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रिंकू सिंह की मैच विनिंग पारी

कोलकाता ने राजस्थान को 4 विकेट से हराया

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का 28वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया. ईडन गार्डन्स पर हुए इस मुकाबले में मेजबान कोलकाता की टीम ने सीजन की पहली जीत हासिल की. उसने राजस्थान को 4 विकेट से हरा दिया.

इस मैच में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 155 रन बनाए थे. केकेआर ने 19.4 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया. इस मुकाबले में रिंकू सिंह टीम की जीत के हीरो रहे. उन्होंने 34 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए. वहीं, अनुकूल रॉय ने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए.

आईपीएल 2026 में पहली भिड़ंत

आईपीएल 2026 में कोलकाता और राजस्थान के बीच ये पहली टक्कर थी. राजस्थान का ये इस सीजन छठा मैच था, वहीं कोलकाता अपना 7वां मैच खेलने उतरी थी. राजस्थान की टीम ने इस मुकाबले से पहले 5 में से 4 मुकाबले जीते थे.

केकेआर का 99वां मैच

आईपीएल में ये केकेआर का ईडन गार्डन्स पर ये 99वां मैच था. वो आरसीबी के बाद दूसरी टीम है जिसने किसी एक वेन्यू पर आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं.

आरसीबी ने चिन्नास्वामी पर अपना 100वां मैच इसी सीजन खेला, जब उसने 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स का सामना किया.

वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए 3 वजहों से बढ़ाया जा रहा अजीत अगरकर का कार्यकाल?

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर के तौर पर अजीत अगरकर का कार्यकाल इस साल जून में खत्म हो रहा है. लेकिन, खत्म होने से पहले ही अब उनके कार्यकाल के बढ़ने की खबरें सामने आ गई है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अजीत अगरकर के कार्यकाल को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है. वो अब जून 2027 तक चीफ सेलेक्टर बने रहेंगे. हालांकि, इसे लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से अभी तक कुछ भी आधिकारिक नहीं हुआ है.

किन वजहों से बढ़ने वाला है अगरकर का कार्यकाल?

अब सवाल है कि बीसीसीआई ने अजीत अगरकर के कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला क्यों किया ? क्यों बोर्ड और 12 महीने उन्हें देने की सोच रही है? इसके पीछे की 3 बड़ी वजह है. पहला, वनडे वर्ल्ड कप 2027 जीतने पर फोकस.

दूसरा, बतौर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की उपलब्धियां और तीसरा, अगरकर के फैसले लेने की क्षमता.

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में ज्यादा समय नहीं बचा है. ऐसे में उसे लेकर सॉलिड टीम बनाना पहली जिम्मेदारी होती है. इसे लेकर बोर्ड किसी नए को टीम के सेलेक्शन की कमान सौंपने से बेहतर अजीत अगरकर के कार्यकाल को बढ़ाने के बारे में सोच रही है.

अजीत अगरकर की बेमिसाल उपलब्धियां

बतौर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की उपलब्धियां भी कमाल की रही हैं. उनके चीफ सेलेक्टर रहते भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते हैं, जिसमें 2024 और 2026 के T20 वर्ल्ड कप के अलावा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी शामिल है. अगरकर की यही कामयाबी अब उनके कार्यकाल के बढ़ने की वजह बनती दिख रही है.

अगरकर के कड़े और अहम फैसले लेने की क्षमता

अजीत अगरकर ने बतौर चीफ सेलेक्टर उपलब्धियां हासिल की तो कुछ कड़े और अहम फैसले भी किए, जिसका पॉजिटिव असर टीम इंडिया पर हुआ. बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि अजीत अगरकर के कार्यकाल में टीम में बदलाव का दौर काफी सहज रहा. उन्होंने कई बोल्ड डिसीजन लिए. अगरकर की उन्हीं खासियतों को देखते हुए बोर्ड को लगता है कि उन्हें अपना काम आगे भी जारी रखना चाहिए.

कार्यकाल बढ़ा तो आगे बड़ा सवाल क्या?

जून 2023 से टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर के पद पर बने अजीत अगरकर के सामने कार्यकाल बढ़ने पर फिर से कई बड़े सवाल होंगे. और सबसे बड़ा सवाल होगा रोहित-विराट के वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलने को लेकर?

अभिषेक ने तोड़ा सहवाग का महारिकॉर्ड

आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन बनाने वाले टॉप-9 भारतीय

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 27वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने बेहद तेज पारी खेली और 15 गेंदों पर अर्धशतक लगाते हुए 22 गेंदों पर 59 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 268.18 का रहा। अभिषेक ने इस पारी के दौरान आईपीएल में 2000 रन पूरे किए और इस लीग में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन का आंकड़ा छूने के मामले में वीरेंद्र सहवाग का महारिकॉर्ड तोड़ दिया।

अभिषेक ने तोड़ा सहवाग का रिकॉर्ड

अभिषेक शर्मा अब आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। अभिषेक ने ये कमाल 1193 गेंदों पर किया और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 1211 गेंदों पर यह कमाल किया था। सहवाग अब दूसरे नंबर पर आ गए। इस सूची में तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत हैं जिन्होंने 1306 गेंदों पर यह कमाल किया था जबकि यशस्वी जायसवाल ने 1326 गेंदों पर 2000 रन बनाते हुए इस लिस्ट में चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में 5वें स्थान पर .यूसुफ पठान हैं जिन्होंने ऐसा 1353 गेंदों पर किया था जबकि हार्दिक पंड्या ने ये कमाल 1365 बॉल पर किया और लिस्ट में छठे स्थान पर हैं। राहुल त्रिपाठी 7वें स्थान पर हैं जिन्होंने ऐसा 1443 गेंदों पर किया जबकि सुरेश रैना 8वें स्थान पर हैं और उन्होंने अपने 2000 रन 1444 गेंदों पर पूरे किए थे। लिस्ट में 9वें नंबर पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने ऐसा 1446 बॉल पर किया था।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन बनाने वाले टॉप-9 भारतीय

1193 गेंद – अभिषेक शर्मा
1211 गेंद – वीरेंद्र सहवाग
1306 गेंद – ऋषभ पंत
1326 गेंद – यशस्वी जयसवाल
1353 गेंद – यूसुफ पठान
1365 गेंद – हार्दिक पंड्या
1443 गेंद – राहुल त्रिपाठी
1444 गेंद – सुरेश रैना
1446 गेंद – एमएस धोनी

आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 2000 रन बनाने वाले टॉप-10 बल्लेबाज

1120 गेंद – आंद्रे रसेल
1193 गेंद – अभिषेक शर्मा
1198 गेंद – निकोलस पूरन
1211 गेंद – वीरेंद्र सहवाग
1251 गेंद – क्रिस गेल
1306 गेंद – ऋषभ पंत
1309 गेंद – ग्लेन मैक्सवेल
1326 गेंद – यशस्वी जयसवाल
1352 गेंद – कीरोन पोलार्ड
1353 गेंद – यूसुफ पठान

रोहित से आगे गिल, विराट कोहली नंबर 2; आईपीएल में सबसे ज्यादा 75+ की पारी खेलने वाले टॉप-7 बल्लेबाज

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 75 प्लस की पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब शुभमन गिल, रोहित शर्मा से आगे निकल चुके हैं। हालांकि इस लिस्ट में विराट कोहली दूसरे स्थान पर हैं जबकि पहले नंबर पर यह विदेशी बैटर है।

1 करोड़+ वाले 41 खिलाड़ी कम मैच खेले

दावा-कम कीमत वाले खिलाड़ियों को ज्यादा मौके, 200 करोड़ बेंच पर खर्च

एक करोड़ से ज्यादा कीमत वाले-10 खिलाड़ी जिन्हें खेलने का मौका नहीं मिला

खिलाड़ी	टीम	कीमत	मैच
पथिराना	कोलकाता	18.0	0
कमिंस	हैदराबाद	18.0	0
प्रशांत वीर	चेन्नई	14.2	2
लिविंगस्टोन	हैदराबाद	13.0	1
स्टार्क	दिल्ली	11.75	0
मयंक यादव	लखनऊ	11.0	0
इंग्लिस	लखनऊ	8.60	0
आकिब नबी	दिल्ली	8.40	2
जेसन होल्डर	गुजरात	7.0	0
वेंकटेश	बेंगलुरु	7.0	1

कीमत के आंकड़े करोड़ रु. में हैं।

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल ऑक्शन में टीमें करोड़ों रुपए खर्च कर बड़े खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं। हालांकि, चोट या टीम कॉम्बिनेशन जैसी वजहों से कई महंगे खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहे हैं। मौजूदा सीजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पूरा हो चुका है। सभी टीमें कम से कम 5 मैच खेल चुकी हैं। फिर भी 1 करोड़ या उससे ज्यादा कीमत वाले 41 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो या तो एक भी मैच नहीं खेले हैं या सिर्फ इक्का-दुक्का मुकाबलों तक सीमित रहे हैं।

इस सीजन में कई कम कीमत वाले खिलाड़ियों को ज्यादा मौके मिल रहे हैं, जबकि महंगे खिलाड़ी बेंच पर बैठे हैं। नतीजतन, टीमों की बेंच स्ट्रेंथ पर खर्च की गई कुल राशि 200 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुकी है।

बेंच स्ट्रेंथ महंगी होने का मतलब है कि टीमें संसाधनों का उचित उपयोग नहीं कर रहीं। प्रदर्शन में भी इसका असर।

सनराइजर्स क2करोड़ रु., लखनऊ के 33.20 करोड़ रु., दिल्ली के 29.95 करोड़ रु., चेन्नई के 29.70 करोड़ रु. और कोलकाता के 23 करोड़ रु. के खिलाड़ी बेंच पर हैं। इनमें से सिर्फ दिल्ली टॉप-4 में है।

चेन्नई और कोलकाता तो अंतिम-3 स्थानों पर हैं। मुंबई भी इसका अपवाद है, जिसके सिर्फ 6.25 करोड़ रुपए के खिलाड़ी बेंच पर हैं, इसके बावजूद वह 9वें स्थान पर है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण टीमें 11 के बजाय 12 खिलाड़ियों का उपयोग कर रही हैं। कुछ स्टार खिलाड़ी जो 'ऑलराउंडर' के तौर पर महंगे खरीदे गए थे, लेकिन किसी एक विभाग (बैटिंग या बॉलिंग) में थोड़े कमजोर हैं, तो वे सीधे बेंच पर चले गए हैं।

आयुष म्हात्रे हो सकते हैं आईपीएल 2026 से बाहर

इंजरी के चलते सता रहा डर

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए मुसीबतें कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं. वो हर मैच के साथ बढ़ती दिख रही हैं. 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले मुकाबले के बाद अब टीम के सबसे सफल बल्लेबाज पर बाहर होने की तलवार लटकती दिख रही है. हम बात कर रहे हैं आयुष म्हात्रे की, जिन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी ने जकड़ लिया है. आयुष म्हात्रे की चोट कितनी गंभीर है, फिलहाल उस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता. टीम के बैटिंग कोच माइक हसी ने म्हात्रे की इंजरी को लेकर संकेत दिए कि बड़ा झटका लग सकता है.

आयुष म्हात्रे को कब हुई हैमस्ट्रिंग इंजरी?

आयुष म्हात्रे को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी चेन्नई सुपर किंग्स की पारी के 5वें ओवर के दौरान दूसरी गेंद पर हुई. इस गेंद पर दूसरा रन लेने के दौरान उनकी हैमस्ट्रिंग खींच गई. वो भागते-भागते नॉन-स्ट्राइकर एंड पर पहुंच तो गए मगर उसके बाद जमीन पर बैठ गए, जिसके बाद टीम के फीजियो को आना पड़ा. फीजियो की जांच के बाद उन्होंने बाहर ना जाकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया मगर 2 गेंदों बाद ही उनका विकेट गिर गया.

आयुष म्हात्रे की हालत ऐसी हो गई कि आउट होने के बाद वो खुद से चलकर वापस डग आउट भी नहीं जा सके. उन्हें बाहर ले जाने के लिए मैदान के बाहर से रामाकृष्ण घोष और टीम फीजियो आए.

आयुष म्हात्रे की इंजरी पर अपडेट

अब आयुष म्हात्रे की चोट पर सीएसके के बैटिंग कोच माइक हसी ने बयान दिया है. उन्होंने मैच के बाद कहा कि आयुष को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है. हालांकि, अभी कह नहीं सकते कि वो कितनी बुरी है. हम उसका स्कैन कराएंगे. उन्होंने कहा कि दावे से तो नहीं कह सकता लेकिन इंजरी की तस्वीर सही नजर नहीं आ रही. दुर्भाग्यवश ये कहना पड़ेगा कि उनका इंजर्ड होना टीम के लिए बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वो अच्छे फॉर्म में थे.

सीएसके के सबसे सफल बल्लेबाज म्हात्रे

आईपीएल 2026 में आयुष म्हात्रे अब तक सीएसके के सबसे सफल बल्लेबाज थे. उन्होंने 6 मैचों में 201 रन बनाए हैं, जो कि टीम के बाकी खिलाड़ियों से सबसे ज्यादा हैं. माइक हसी ने कहा कि आयुष कमाल का टैलेंट है. वो अगर इंजरी के चलते बाहर होते हैं तो टीम का बड़ा नुकसान होगा. हसी ने कहा कि वो नहीं जानते आयुष अगर बाहर होंगे तो कितने समय के लिए? लेकिन, वो बाहर होते हैं तो इससे उनकी जगह पर किसी नए खिलाड़ी को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा.

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी

अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

ब्यूनस आयर्स, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया।

इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया। 14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे।

16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो। अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी। यह दौरा उनकी तैयारियों का एक अहम हिस्सा रहा है, जिसने टीम को विरोधी टीम के घर पर एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव दिया है।

भुवनेश्वर की 3 साल बाद टीम इंडिया में होगी धमाकेदार वापसी?

मोहम्मद कैफ ने उठाई मांग

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भुवनेश्वर कुमार ने नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच खेला था।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भुवनेश्वर कुमार अपनी शानदार गेंदबाजी से फैंस को प्रभावित कर रहे हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इस स्टार खिलाड़ी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी गेंदबाजी से दिल जीता. उन्होंने डीसी के टॉप ऑर्डर का हाल बेहाल कर दिया. भुवनेश्वर ने 26 रन देकर कुल 3 विकेट अपने नाम किए. उनकी यह गेंदबाजी देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भावुक हो गए और उन्होंने भुवनेश्वर की टीम इंडिया में वापसी की मांग कर दी.

'भुवनेश्वर में अभी भी जान है...

'मोहम्मद कैफ ने X पर एक पोस्ट डालते हुए बताया कि भुवनेश्वर कुमार 17 साल की उम्र में जैसी गेंदबाजी करते थे, वैसी ही अभी भी फेंक रहे हैं. उन्होंने भुवनेश्वर को दोबारा टीम इंडिया की जर्सी में देखने की इच्छा जताई और लिखा, 'यह वो पल होते हैं, जब हर कोई भावुक हो जाता है. भुवनेश्वर कुमार की इतनी शानदार गेंदबाजी देखकर मेरी पुरानी यादें ताजा हो गई, जब वो सिर्फ 17 साल के थे. मैं यूपी का कप्तान था और उनकी गेंदबाजी से प्रभावित हुआ था.'

कैफ ने आगे कहा, 'सिलेक्टर्स ने कहा कि वो बहुत युवा हैं लेकिन मैंने उन्हें चुनने के लिए कहा. भुवनेश्वर ने अपना रणजी डेब्यू किया और फाइनल में सचिन तेंदुलकर को शून्य पर आउट कर दिया. अभी वो 36 साल के हैं और अपनी स्विंग से बल्लेबाजों की मुश्किल बढ़ा रहे हैं. टीम इंडिया में उनका कमबैक? क्यों नहीं, भुवनेश्वर कुमार में अभी भी वो बात है.'

आईपीएल 2026 में कैसा रहा है प्रदर्शन?

भुवनेश्वर कुमार के लिए आईपीएल 2026 अब तक शानदार साबित हुआ है. उन्होंने 6 मैच खेले हैं, जिनमें वो 10 विकेट झटकने में सफल हुए हैं. उनकी इकोनॉमी मात्र 8.33 की रही है. भुवनेश्वर का गेंदबाजी औसत 20.00 है और वो हर मैच में RCB के लिए पूरा योगदान दे रहे हैं.

टीम इंडिया के लिए कब खेले थे आखिरी मैच?

भुवनेश्वर कुमार ने टीम इंडिया की जर्सी में अपना आखिरी मैच नवंबर 2022 में खेला था. वो न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में हुए टी20 मुकाबले का हिस्सा बने थे. इसके बाद भुवनेश्वर टीम से बाहर हो गए. आईपीएल 2026 में अपनी शानदार गेंदबाजी से कुमार टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं.

लियोनल मेसी का डबल धमाका

इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

डेनवर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग सॉकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही।

मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी। मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टॉपेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रॉस अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था।

दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं। हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोड्रिगो डी पॉल के पास पर शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पॉल का तीसरा असिस्ट रहा। मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है, जहां अब तक वह तीन जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ 13 अंक हासिल कर चुकी है। इंटर मियामी अब अगले मुकाबले में फिर से कोलोराडो रैपिड्स का सामना करने के लिए डेनवर का दौरा करेगा, जहां एक और रोमांचक भिड़ंत की उम्मीद की जा रही है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्यपाल से की मुलाकात

एमएलसी नामांकन और शिक्षा मुद्दों पर चर्चा के कयास

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की, जिससे बैठक के उद्देश्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस दौरान चर्चा मुख्य रूप से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कुछ मुद्दों पर केंद्रित रही। हालांकि, राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि बैठक में राज्यपाल के कोटे के तहत अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के एमएलसी पद के लिए लंबित नामांकन पर भी विचार-विमर्श हुआ होगा। राज्य मंत्रिमंडल ने 30 अगस्त 2025 को प्रो.एम. कोडंडाराम और मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम एमएलसी पद के लिए सिफारिश किए थे। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोडंडाराम और सियासत के

संपादक आमिर अली खान की पूर्व नियुक्तियों को रद्द किए जाने के बाद लिया गया था।

अजहरुद्दीन का नामांकन जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा माना गया था। उन्होंने 31 अक्टूबर 2025 को मंत्री पद की शपथ ली थी और पार्टी ने दिसंबर में उपचुनाव में जीत हासिल की थी। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, उन्हें छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना अनिवार्य है, जिसकी समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त हो रही है। यदि वह ऐसा करने में असफल रहते हैं, तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ सकता है। समय सीमा को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री की राज्यपाल से मुलाकात का उद्देश्य नामांकन प्रक्रिया में तेजी लाना हो सकता है। देरी के पीछे कानूनी जटिलताओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को कारण बताया जा रहा है। इस दौरान विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू और राज्यसभा सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे, जबकि मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने एक दिन पहले ही राज्यपाल से मुलाकात की थी।

कुएं में धान कटाई मशीन गिरने से चालक की मौत

जगतियाल, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेगाडापल्ली मंडल के नंदगिरी के पास रविवार को एक दर्दनाक हादसे में कृषि कुएं में धान की कटाई मशीन गिरने से मशीन चालक की डूबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, धान की कटाई के दौरान अचानक मशीन अनियंत्रित होकर पास के कृषि कुएं में जा गिरी। मशीन चला रहे 30 वर्षीय पकाला मधु भी वाहन के साथ कुएं में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को बाहर निकालने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह हादसा अचानक नियंत्रण खोने के कारण हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

तेलंगाना में भूजल स्तर में सुधार, मार्च में स्थिति बेहतर

अधिक वर्षा से बढ़ा जलस्तर, अल नीनो के खतरे से भविष्य को लेकर चिंता

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में लगातार दो वर्षों तक निम्न स्तर पर रहने के बाद इस वर्ष मार्च माह में भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। अधिक वर्षा के कारण इस बार औसत भूजल गहराई जमीन से 8.22 मीटर नीचे (एमबीजीएल) रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाती है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि संभावित अल नीनो परिस्थितियों के चलते यह सुधार अल्पकालिक साबित हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में भूजल स्तर 9.91 एमबीजीएल और मार्च 2024 में 9.69 एमबीजीएल था, जबकि मार्च 2023 में यह 8.02 एमबीजीएल तथा मार्च 2022 में 7.64 एमबीजीएल दर्ज किया गया था। इससे स्पष्ट है कि पिछले पांच वर्षों में भूजल स्तर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हालिया सुधार का प्रमुख कारण सामान्य से अधिक वर्षा को माना जा रहा है। जून 2025 से अप्रैल 2026 के बीच राज्य में 883 मिमी के सामान्य औसत के मुकाबले 1,198 मिमी वर्षा हुई, जो लगभग 36 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में 33 में से 27 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिससे भूजल

पुनर्भरण में वृद्धि हुई। इससे पहले जून 2024 से अप्रैल 2025 के बीच भी 1,076 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जो सामान्य से करीब 22 प्रतिशत अधिक रही। जिलावार आंकड़ों में भी स्पष्ट भिन्नता देखने को मिली है। मार्च 2026 में खम्मम जिले में 4.52 एमबीजीएल और जगतियाल में 4.98 एमबीजीएल के साथ भूजल स्तर सबसे बेहतर रहा। वहीं विकाराबाद में 13.72 एमबीजीएल और कामारेड्डी में 12.35 एमबीजीएल के साथ जल संकट की स्थिति बनी हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा सुधार के बावजूद भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। अल नीनो की स्थिति आमतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को प्रभावित करती है, जिससे भूजल स्तर में गिरावट आ सकती है। यदि आगामी मौसम में वर्षा कम होती है, तो विशेषकर पहले से जल संकट झेल रहे जिलों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। सिंचाई विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक जल प्रबंधन और संरक्षण उपायों को आवश्यक बताते हुए कहा है कि वर्षा आधारित भूजल संचय को टिकाऊ बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि आगामी मानसून के दौरान प्रमुख एवं लघु जलाशयों, तालाबों सहित अन्य स्रोतों में वर्षा जल के संचयन के लिए तत्काल योजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए, ताकि भविष्य में जल संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

एमएमटीएस ट्रेनों में मुफ्त यात्रा योजना पर विचार

स्थापना दिवस से लागू करने की तैयारी, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर 2 जून से शहर की मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) ट्रेनों में मुफ्त यात्रा शुरू करने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार विचार कर रही है। रविवार को प्रसारित कुछ खबरों में इस योजना का उल्लेख किया गया है, हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना फिलहाल प्रारंभिक चरण में है और इसे एक वर्ष की पायलट परियोजना के रूप में लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हैदराबाद में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देना, यातायात जाम को कम करना और प्रदूषण के स्तर को घटाना है। प्रस्ताव के तहत सभी यात्रियों को, लिंग भेद के बिना, एमएमटीएस की सभी सेवाओं में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने की बात कही जा रही है।

खबरों के मुताबिक, राज्य सरकार दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) को होने वाली संभावित राजस्व हानि की भरपाई करने के लिए तैयार है, जिसका अनुमान लगभग 10 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष लगाया गया है। इसके साथ ही व्यस्त समय में ट्रेनों की संख्या बढ़ाने और स्टेशन के बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे कदमों पर भी चर्चा चल रही है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एससीआर के सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव पर अभी स्पष्टता नहीं है और किसी भी योजना को लागू करने से पहले रेलवे बोर्ड से औपचारिक मंजूरी लेना आवश्यक होगा।

तेलंगाना में चार दिन भीषण गर्मी का प्रकोप

शाम को गरज-बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के रविवार के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के लगभग सभी जिलों में बुधवार, 22 अप्रैल तक दिन के समय तेज गर्मी रहेगी, जिसके बाद शाम को अचानक गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दोपहर की तेज गर्मी के कारण शाम होते-होते मौसम में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिससे गरज के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

सोमवार से बुधवार के बीच कई जिलों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया गया है।

इनमें आदिलाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, पेद्दापल्ली, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, यादाद्री भुवनगिरि, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर और नगरकर्नूल जिले शामिल हैं।

नई दिल्ली और हैदराबाद स्थित मौसम विभाग के अनुसार, दिन के समय अत्यधिक तापमान के कारण गर्म हवा तेजी से ऊपर उठती है और शाम तक क्यूमुलस बादलों का निर्माण होता है। जब यह गर्म हवा बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त हवाओं से मिलती है, तो गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश की स्थिति बनती है।

पूर्व विधायक राठौड़ बापू राव ने कांग्रेस छोड़ी

तेलंगाना जागृति में शामिल होने की संभावना

आदिलाबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ के पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता राठौड़ बापू राव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और उनके रविवार को तेलंगाना जागृति में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। पेशे से शिक्षक रहे बापू राव ने अपने पद से इस्तीफा देकर राजनीति में कदम रखा था। उन्होंने 2014 और 2018 में बीआरएस (पूर्व टीआरएस) के टिकट पर बोथ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी। वर्ष 2023 में बीआरएस द्वारा टिकट नहीं दिए जाने पर वे भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद 2024 में आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र से टिकट न मिलने पर उन्होंने भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा था। हालांकि, हाल के दिनों में कांग्रेस में भी उन्हें अपेक्षित

महत्व न मिलने से वे नाराज बताए जा रहे थे। सूत्रों के अनुसार, इसी असंतोष के चलते बापू राव ने कांग्रेस से दूरी बना ली है और अब उनके तेलंगाना जागृति से जुड़ने की तैयारी है।

आवारा कुत्तों के हमले से ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत

दो जिलों में बच्चों सहित कई लोग घायल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विभिन्न जिलों से आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों पर हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे स्थानीय निवासी दहशत और चिंता में हैं। रविवार को नागरकर्नूल और हनमकोंडा जिलों में ऐसी दो अलग-अलग घटनाएं दर्ज की गईं। नागरकर्नूल जिले के कालवाकुर्थी के वार्ड नंबर 19 स्थित सुभाषनगर में अपने घर के पास खेल रहे दो वर्षीय बच्चे पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। हमले में बच्चा यूसुफैन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगरपालिका प्रशासन द्वारा आवारा कुत्तों की समस्या पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि ये कुत्ते विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को निशाना बना रहे हैं, जिससे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है। इसी तरह हनमकोंडा जिले के कमलापुर क्षेत्र में भी एक अन्य घटना में आवारा कुत्ते ने चार बच्चों और एक वयस्क पर हमला कर दिया। यह घटना वेंकटेश्वरपल्ली गांव में हुई, जिसमें एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घायल बच्चे के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों घटनाओं की जानकारी ली जा रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। स्थानीय लोग प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

बिजली लाइन ठीक करते समय सहायक लाइनमैन की मौत

कोहेड़ा मंडल में हादसा, जांच में जुटे अधिकारी

सिद्दिपेट, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोहेड़ा मंडल के नारायणपुर गांव में रविवार को ढीली लटकती बिजली लाइन को ठीक करने के दौरान सहायक लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों द्वारा नीचे लटकती बिजली तारों की शिकायत के बाद सहायक लाइनमैन भुक्या सुरेश (40) मौके पर पहुंचे थे। वह तारों को ठीक करने का कार्य कर रहे थे, तभी उन्हें अचानक तेज बिजली का झटका लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, सुरेश ने काम शुरू करने से पहले सबस्टेशन से आवश्यक लाइन क्लीयरेंस प्राप्त कर लिया था, लेकिन काम के दौरान वे गलती से जीवित तार के संपर्क में आ गए, जिससे यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

भीषण गर्मी से 'ईरानी चाय' की बिक्री पर असर

ठंडे पेय की ओर झुकाव, एलपीजी महंगाई से बढ़ी परेशानी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी का असर शहर भर में स्थित 'ईरानी चाय' रेस्तरां की बिक्री पर साफ दिखाई देने लगा है। कई रेस्तरां संचालकों ने पिछले कुछ दिनों में चाय की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट की शिकायत की है। विजयनगर कॉलोनी स्थित अल-सबा होटल के प्रबंधक मोहम्मद अमैर के अनुसार, पहले जहां प्रतिदिन लगभग 1800 कप चाय बिकती थी, वहीं अब यह संख्या घटकर 1000 से 1200 कप रह गई है। उन्होंने बताया कि लोग चाय के बजाय लस्सी और ठंडे पेय पदार्थों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

मिसरीगंज स्थित आजम होटल के संचालक मोहम्मद रशीद ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण दिन में ग्राहकों की संख्या काफी कम हो गई है और लोग मुख्यतः सूर्यास्त के बाद ही होटल पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में बिक्री में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। शहर

के अमीरपेट, बोराबंडा, पंजागुट्टा, आबिडस रोड, दिलसुखनगर, अत्तापुर, टोलीचौकी और मेहदीपटनम जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। मेहदीपटनम के एक होटल मालिक शेख एहतेशाम ने बताया कि चाय की बिक्री घटने के चलते अब पानी की बोतलों और ठंडे पेय पदार्थों की उपलब्धता बढ़ानी पड़ रही है, ताकि खर्चों का प्रबंधन किया जा सके।

जानकारी के अनुसार, सामान्यतः चाय 80 से 90 मिलीलीटर के कप में परोसी जाती है, जबकि जिन रेस्तरां में भोजन की सुविधा होती है, वहां यह 110 मिलीलीटर के कप में दी जाती है। इस बीच, ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के कारण व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी ने रेस्तरां कारोबारियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कम आपूर्ति के चलते अवैध बाजार में सिलेंडरों की कीमतें वास्तविक लागत से तीन गुना तक पहुंच गई हैं।

मल्लेपल्ली के एक होटल में चाय बनाने वाले मोहम्मद सामी ने बताया कि चाय को लकड़ी की आग पर बनाना संभव नहीं है, क्योंकि इसे धीमी आंच पर तैयार करना पड़ता है।

वर्तमान में होटल संचालकों को एलपीजी सिलेंडर के लिए पहले के 1600 रुपये की तुलना में 4000 से 5000 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। एक होटल मालिक ने बताया कि सिलेंडर मिलना भी मुश्किल हो गया है और चाय की घटती बिक्री के कारण आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

वीएचपी ने गो-रक्षा कानूनों के सख्त पालन की मांग की

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद ने गो-रक्षा कानूनों के सख्त और प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की है। संगठन के गो-रक्षा विभाग के तत्वावधान में लोअर टैंक बंड स्थित भाग्यनगर गोशाला में वकीलों की बैठक और गो-रक्षा सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर गो-रक्षा विभाग के केंद्रीय संयुक्त सचिव और अखिल भारतीय सह-संयोजक अकरापु केशव राजू ने कहा कि गो-रक्षा के लिए कई कानून मौजूद होने के बावजूद उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कानून आज गोमांस उपभोग करने वालों के लिए सहायक बन गए हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हो रही गो-हत्या से हिंदुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं।

वर्ष 1977 का कानून होने के बावजूद सरकार और पुलिस तंत्र इसे लागू करने में विफल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वकील बैठक का उद्देश्य गो-रक्षा कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना है।

वीएचपी के गौ-रक्षा तेलंगाना इकाई के संयोजक सुभाष चंदर ने कहा कि यह बैठक आगे चलकर एक बड़े आंदोलन का रूप लेगी। उन्होंने कहा कि आगामी बकरीद पर्व के दौरान शहर में एक भी गाय की हत्या न हो, यह उनका लक्ष्य है। इसके लिए उन्होंने सरकार और पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। सभा में उपस्थित संतों, मठाधीशों और पीठाधीशों ने भी राज्यभर में गो-रक्षा कानूनों को अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन कानूनों को लागू नहीं किया गया, तो इसके दुष्परिणाम सरकार और प्रशासन को भुगतने पड़ सकते हैं।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में दो बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर छह बच्चों का एक समूह मेडचल के दाबिलपुर गांव के पास स्थित एक छोटे तालाब में नहाने और खेलने के लिए गया था। सभी बच्चे पानी में खेल रहे थे, तभी नौवीं कक्षा के छात्र ओमान (14) और सातवीं कक्षा के छात्र मोहम्मद इरफान (12) गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के प्रशिक्षित तैराकों को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने खोजबीन में पुलिस की सहायता की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

चंद्रबाबू नायडू तमिलनाडु में करेंगे चुनाव प्रचार

एनडीए के समर्थन में दो दिवसीय दौरे पर कई शहरों में जनसभाएं

अमरावती, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू तमिलनाडु में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के चुनाव प्रचार में भाग लेंगे। पार्टी ने रविवार को इसकी घोषणा की। नायडू सोमवार, 20 अप्रैल से तमिलनाडु के दो दिवसीय चुनावी दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे कोयंबटूर, होसुर, चेन्नई, मदुरै और सत्तर सहित कई प्रमुख शहरों का दौरा करेंगे। टीडीपी के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाना, मतदाताओं से संपर्क मजबूत करना और एनडीए के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री अपने दौरे की शुरूआत कोयंबटूर से करेंगे, जहां वे दोपहर में एक बड़ी जनसभा को

संबोधित करेंगे। इसके बाद वे होसुर और थाल्ली में कार्यक्रमों में भाग लेंगे। शाम को वे चेन्नई पहुंचकर अवाडी में एक विशाल रोड शो करेंगे, जहां वे आम जनता और एनडीए समर्थकों से सीधे संवाद करेंगे। दौरे के दूसरे दिन नायडू मदुरै और सत्तर जाएंगे, जहां वे सामुदायिक नेताओं से मुलाकात करेंगे और महत्वपूर्ण चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके बाद शाम को उनका दौरा समाप्त हो जाएगा।

टीडीपी के अनुसार, यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब एनडीए तमिलनाडु में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है और शासन, आर्थिक विकास तथा समावेशी विकास जैसे मुद्दों पर जोर दे रहा है। प्रौद्योगिकी आधारित शासन और अवसंरचना विकास पर बल देने वाले नायडू से उम्मीद है कि वे राज्य के भविष्य के लिए गठबंधन की योजनाओं को स्पष्ट करेंगे। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार 21 अप्रैल को समाप्त होगा। राज्य की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.